मौसम

शहर	अधिकतम	न्यूनतम
रांची	29.2	23.5
डालटनगंज	32.4	25.3
धनबाद	30.8	26.1

तापमान डिग्री सेल्सियस में.

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

https://epaper.shubhamsandesh.net

रांची, शुक्रवार 01 अगस्त 2025 ● श्रावण शुक्ल पक्ष 08, संवत 2082 ● रांची एवं पटना से प्रकाशित ● वर्ष : 3, अंक : 115 ● मूल्य ₹ 4, पृष्ठ संख्या : 12

मालेगांव विस्फोट मामले में एनआईए कोर्ट ने 17 साल बाद सुनाया फैसला, शुरू हुई नई राजनीतिक बहस

साध्वी प्रज्ञा व कर्नल पुरोहित समेत सभी सात आरोपी बरी

एजेंसियां। मुंबई

सितंबर 2008 के मालेगांव विस्फोट मामले में गुरुवार को मुंबई की एक विशेष अदालत ने पूर्व भाजपा सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित सहित सभी सात आरोपियों को बरी कर दिया. इस विस्फोट में छह लोग मारे गए थे और 101 अन्य घायल हुए थे. एनआईए के मामलों की सुनवाई के लिए नियुक्त विशेष जज एके लाहोटी ने अभियोजन पक्ष के मामले और की गई जांच में कई खामियां बताईं. उन्होंने कहा कि आरोपियों को संदेह का लाभ मिलना चाहिए. विस्फोट के सभी छह पीड़ितों के परिवारों को दो-दो लाख रुपए और सभी घायलों को 50,000 रुपए का मुआवजा दिया जाएगा.

कोर्ट ने फैसले में क्या-क्या कहा

- आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता. कोई भी धर्म हिंसा का समर्थन नहीं कर सकता. अदालत केवल धारणा और नैतिक साक्ष्य के आधार पर किसी को दोषी नहीं ठहरा सकती. इसके लिए ठोस सबूत होना जरूरी है.
- अभियोजन पक्ष ने साबित किया कि मालेगांव में विस्फोट हुआ था, लेकिन यह साबित नहीं कर पाया कि उस बाइक में बम रखा गया था. अदालत इस निष्कर्ष पर पहुंची है कि घायलों की संख्या 101 नहीं, बल्कि केवल 95 थी. कुछ मेडिकल प्रमाणपत्रों में भी हेराफेरी की गई थी.
- श्रीकांत प्रसाद पुरोहित के आवास में विस्फोटकों के भंडारण या संयोजन का कोई सबूत नहीं मिला. पंचनामा करते समय जांच अधिकारी की ओर से घटनास्थल का कोई स्केच नहीं बनाया गया था. घटनास्थल से कोई फिंगरप्रिंट, डंप डेटा या अन्य कोई जानकारी एकत्र नहीं की गई थी. नमूने गड़बड़ थे, इसलिए रिपोर्ट निर्णायक और विश्वसनीय नहीं हो सकी. विस्फोट में कथित रूप से शामिल बाइक का चेसिस नंबर स्पष्ट नहीं था. अभियोजन पक्ष यह साबित नहीं कर सका कि विस्फोट से ठीक पहले वह साध्वी प्रज्ञा के पास थी.
- इस मामले में यूएपीए लागू नहीं किया जाएगा, क्योंकि नियमों के अनुसार मंजूरी नहीं ली गई थी. इस मामले में यूएपीए के दोनों मंजूरी आदेश दोषपूर्ण हैं.
- अभियोजन पक्ष ने अभिनव भारत संगठन को एक सामान्य संदर्भ के रूप में इस्तेमाल किया था. इस बात का कोई सबूत नहीं है कि अभिनव भारत के धन का इस्तेमाल आतंकवादी गतिविधियों के लिए किया गया था.
- हमने एडीजी एटीएस को आरोपी सुधाकर चतुर्वेदी के घर में विस्फोटक रखने के मामले की जांच शुरू करने का आदेश दिया है.

कौन-कौन आरोपी थे: इससे पहले सुबह सातों आरोपी दक्षिण मुंबई स्थित सत्र न्यायालय पहुंचे, जहां कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी. आरोपी जमानत पर बाहर थे. मामले के आरोपियों में प्रज्ञा ठाकुर, कर्नल पुरोहित, मेजर (सेवानिवृत्त) रमेश उपाध्याय, अजय राहिरकर, सुधाकर द्विवेदी, सुधाकर चतुर्वेदी और समीर कुलकर्णी शामिल थे. उन सभी पर यूएपीए और भारतीय दंड संहिता तथा शस्त्र अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत आतंकवादी कृत्य करने का आरोप लगाया गया था.

फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे: पीड़ित परिवारों के वकील : पीड़ित परिवारों के वकील एडवोकेट शाहिद नदीम ने कहा कि बम विस्फोट की पुष्टि कोर्ट ने कर दी है. हम इस बरी करने के फैसले को हाईकोर्ट में चुनौती देंगे. हम स्वतंत्र रूप से अपील दायर करेंगे.

क्या है मामला : बता दें कि 29 सितंबर 2008 को महाराष्ट्र के मालेगांव में एक मस्जिद के पास बम धमाके में छह लोगों की मौत हुई थी. इस मामले में साध्वी प्रज्ञा, लेफ्टिनेंट कर्नल पुरोहित समेत कई लोगों को आरोपी बनाया गया था. एनआईए की विशेष अदालत ने सबूतों के अभाव में सभी को बरी कर दिया.

साध्वी प्रज्ञा ने क्या कहा

फैसले के बाद साध्वी प्रज्ञा सिंह ने कहा- मैंने शुरू से ही कहा था कि जिन्हें भी जांच के लिए बुलाया जाता है, उनके पीछे कोई न कोई आधार जरूर होना चाहिए. मुझे जांच के लिए बुलाया गया और मुझे गिरफ्तार करके प्रताड़ित किया गया. इससे मेरा पूरा जीवन बर्बाद हो गया. मैं एक साधु का जीवन जी रही थी, लेकिन मुझ पर आरोप लगाए गए और कोई भी हमारे साथ खड़ा नहीं हुआ. मैं जिंदा हूं, क्योंकि मैं एक संन्यासी हूं. उन्होंने एक साजिश के तहत भगवा को बदनाम किया. आज भगवा की जीत हुई है, हिंदुत्व की जीत हुई है और ईश्वर दोषियों को सजा देगा. हालांकि, भारत और भगवा को बदनाम करने वालों को आपने गलत साबित नहीं किया.

कर्नल पुरोहित ने क्या कहा

लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद श्रीकांत पुरोहित ने कहा, मैं आपको धन्यवाद देता हूं कि आपने मुझे उसी दृढ़ विश्वास के साथ अपने देश और अपने संगठन की सेवा करने का मौका दिया, जैसा मैं इस मामले में फंसने से पहले कर रहा था. मैं इसके लिए किसी भी संगठन को दोष नहीं देता. जांच एजेंसियों जैसे संगठन गलत नहीं हैं, बल्कि संगठनों के अंदर के लोग ही गलत कर रहे हैं. मैं आपको व्यवस्था में आम आदमी का विश्वास फिर से बहाल करने के लिए धन्यवाद देता हूं.

'भगवा आतंकवाद' : कांग्रेस पर बरसी भाजपा कहा- देश पर थोपे गए झूठ का हुआ पर्दाफाश

नयी दिल्ली। मालेगांव ब्लास्ट केस में 17 साल बाद एनआईए कोर्ट ने साध्वी प्रज्ञा ठाकुर, कर्नल श्रीकांत पुरोहित सहित सभी आरोपियों को बरी कर दिया. कोर्ट के इस फैसले के बाद राजनीतिक हलकों में भूचाल आ गया है. भाजपा ने इसे 'ऐतिहासिक दिन' करार देते हुए कांग्रेस पर गंभीर आरोप लगाए हैं. भाजपा नेता और सांसद रविशंकर प्रसाद ने कहा कि कांग्रेस ने देश के बहुसंख्यक समाज पर आतंकवाद का ठप्पा लगाने की साजिश रची. उन्होंने कहा कि राहुल गांधी, सुशील शिंदे और पी. चिदंबरम जैसे नेताओं ने 'भगवा आतंकवाद' जैसा शब्द गढ़ा, लेकिन कोर्ट के फैसले ने यह साबित कर दिया कि यह पूरा नैरेटिव झूठा और राजनीतिक रूप से प्रेरित था. रविशंकर प्रसाद ने यह भी कहा कि जब राहुल गांधी से इस पर सवाल किया गया तो उन्होंने कहा, बात मत भटकाओ, अडानी की बात करो. भाजपा ने सोनिया गांधी और राहुल गांधी से देश से माफी मांगने की मांग की है.

आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होताः दिग्विजय सिंह

कांग्रेस नेता दिग्विजय सिंह ने बयान दिया कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता. न ही कोई हिंदू आतंकवाद है और न ही इस्लामी. हर धर्म प्रेम, सत्य और अहिंसा का प्रतीक है.

ब्रीफ न्यूज

सीईसी ज्ञानेश बोलेः आज जारी करेंगे मसौदा सूची

नयी दिल्ली। मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी) ज्ञानेश कुमार ने गुरुवार को कहा कि बिहार की मसौदा मतदाता सूची शुक्रवार को प्रकाशित की जाएगी. सूची में नाम जोड़ने या हटाने के लिए राजनीतिक दलों और लोगों को पूरे एक महीने का समय दिया जाएगा. सीईसी ने कहा कि बिहार में मतदाता सूची के लिए जारी एसआईआर प्रक्रिया के तहत एक अगस्त को प्रस्तावित सूची प्रकाशित की जाएगी. जिला चुनाव अधिकारी बिहार के सभी 38 जिलों में सभी राजनीतिक दलों को इस सूची की प्रिंट और डिजिटल प्रति उपलब्ध कराएंगे. उन्होंने बताया कि बिहार के सीईओ और सभी 243 सीटों के ईआरओ एक अगस्त से एक सितंबर तक आपत्तियां और सुझाव मांगेंगे.

मानसून के दूसरे हिस्से में सामान्य से ज्यादा बारिश

नयी दिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने गुरुवार को कहा कि इस साल मानसून के दूसरे हिस्से यानी अगस्त और सितंबर में देश में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है. आईएमडी के महानिदेशक मृत्युंजय महापात्रा ने ऑनलाइन प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि अगस्त में देश के ज्यादातर हिस्सों में सामान्य बारिश होने की उम्मीद है, लेकिन पूर्वोत्तर और उससे सटे पूर्वी भारत के कुछ इलाकों में कम बारिश हो सकती है. उन्होंने कहा, सितंबर में बारिश सामान्य से ज्यादा रहने की संभावना है. कुल मिलाकर, जून-सितंबर की मानसून अवधि के दूसरे हिस्से में देशभर में औसत से ज्यादा यानी 106% बारिश होने के आसार हैं. यह अनुमान 422.8 मिमी दीर्घकालीन औसत (एलपीए) के आधार पर है.

देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह में राष्ट्रपति ने 48 स्टूडेंट्स को बांटीं डिग्री

प्राइमरी हेल्थ पर फोकस करें डॉक्टर

शुभम संदेश। देवघर

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि नए डॉक्टरों को प्राइमरी हेल्थ पर फोकस करना चाहिए, ताकि निचले स्तर पर भी लोगों को बेहतर इलाज मिल सके. राष्ट्रपति गुरुवार को देवघर एम्स के पहले दीक्षांत समारोह को संबोधित कर रही थीं. कहा कि एम्स में प्रवेश पाकर विद्यार्थी आज एक अच्छे डॉक्टर बन गए हैं. एक युवा डॉक्टर किसी के जीवन मे उजाला कर सकते हैं. प्राइमरी हेल्थ में भी नए डॉक्टर फोकस करें. देश की बड़ी आबादी गांवों में बसती है, उसकी सेहत पर खास ध्यान देने की जरूरत है.

खुशी की बात है कि एम्स ने पांच ट्राइबल विलेज को गोद लिया है. एम्स को अपना दायरा बढ़ाना चाहिए और कुछ अन्य गांवों को भी गोद लेना चाहिए. आदिवासियों में एनीमिया और सर्वाइकल कैंसर की समस्या है. लेकिन ट्राइबल विलेज को गोद लेने से इसमें कमी आएगी. क्योंकि कहां भी गया है हेल्थ इज वेल्थ.

डॉक्टर व्यवहार में क्लीनिकल न रहें : राष्ट्रपति ने कहा कि डॉक्टर व्यहार में क्लीनिकल न बनें, बल्कि सहानुभूति के साथ सलाह दें.बाबा बैद्यनाथ ने आपको जनसेवा के लिए भेजा है. आपका एक अच्छे डॉक्टर के साथ एक अच्छा इंसान भी होना जरूरी है. उन्होंने कहा कि डॉक्टर अनगिनत जीवन में उजाला कर सकते हैं. समाज निर्माण में भी वे अग्रणी भूमिका निभा सकते हैं.

एम्स के साथ मेरी विशेष स्मृति है जुड़ीः राष्ट्रपति ने कहा कि एम्स के साथ मेरी विशेष स्मृति जुड़ी हुई है. जब मैं झारखंड की राज्यपाल थी, तो 25 मई 2018 में सिंदरी से इसका शिलान्यास प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने किया था. देवघर एम्स की विकास यात्रा से मेरा विशेष संबंध बन गया है. देवघर एम्स में कल्चर ऑफ एक्सिलेंस की शुरूआत हो रही है. इसके लिए भी मैं आपकी पूरी टीम को शुभकामनाएं देती हूं.

पदक पाने वाली बेटियों की संख्या छात्रों के बराबर : राष्ट्रपति ने कहा कि आज उपाधि और पदक पाने वालों में बेटियों की संख्या छात्रों के बराबर है. एम्स में प्रवेश पाना और शिक्षा ग्रहण करने का मतलब है कि आप एक कुशल डॉक्टर बन गए हैं. लेकिन सेंसेटिव कम्यूनिकेशन की क्षमता भी होनी चाहिए. कुछ ऐसे डॉक्टर हैं जिनके परामर्श से परिवार के लोग बेहतर महसूस करते हैं.

पदक विजेताओं को किया सम्मानित

गोल्ड मेडलः डॉ अस्मित अग्रवाल, **सिल्वर मेडलः** डॉ तनिष्क कुमार, **ब्रांज मेडलः** डॉ हर्षवीर कौर.

एमबीबीएस में सर्वाधिक अटेंडेंसः डॉ ऋद्धा जायसवाल

राष्ट्रपति ने इन्हें प्रदान की उपाधिः डॉ अंजनी कुमारी, डॉ गौतम शंकर, डॉ सुमिता सिन्हा, डॉ शिक्षा सिंह, डॉ ओम शंकर

चिकित्सा पेशा नहीं, बल्कि पुनीत कर्म होः राज्यपाल

दीक्षांत समारोह में राज्यपाल संतोष गंगवार ने कहा कि चिकित्सा केवल पेशा ही नहीं होना चाहिए. बल्कि एक पुनीत कर्म भी होना चाहिए. ज्ञान की प्राप्ति तभी सार्थक है, जब उसका उपयोग जनकल्याण के लिए हो. अपनी विशेषज्ञता को राष्ट्र निर्माण में लगाएं. यह शैक्षणिक उपलब्धि ही नहीं सामाजिक दायित्व की भी शुरूआत है. चिकित्सा मार्ग सिर्फ करियर ही नहीं, बल्कि संवेदना और नैतिक दृढ़ता की भी मांग करता है. एम्स देवघर से बिहार और पश्चिम बंगाल के लोगों को भी लाभ होगा.

रांची पहुंची राष्ट्रपति, करेंगी रात्रि विश्राम

रांची। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू झारखंड के दो दिवसीय दौरे पर हैं. गुरुवार को देवघर एम्स के दीक्षांत समारोह में शामिल के बाद शाम को रांची पहुंचीं. एयरपोर्ट पर राष्ट्रपति का स्वागत मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया. हेमंत ने झुक कर राष्ट्रपति का अभिवादन किया. राष्ट्रपति रात राजभवन में ही विश्राम करेंगी. शुक्रवार को धनबाद जाएंगी. एक अगस्त को राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू बरवाअड्डा हवाई अड्डा पहुंचेंगी. वहां से सीधे आईआईटी (आईएसएम) धनबाद जाएंगी. जहां वे 45वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि होंगी. यह कार्यक्रम सुबह 11 बजकर 10 मिनट पर तय है.राष्ट्रपति के दौरे को देखते हुए धनबाद हवाई पट्टी क्षेत्र को 32 घंटे के लिए नो-फ्लाइंग जोन घोषित किया गया है. पूरे राज्य में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं.

मैं भी एक डॉक्टर हूं, अपने मेडिकल कॉलेज के दिन याद आ रहेः डॉ इरफान

स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने कहा कि मैं भी एक डॉक्टर हूं. मंत्री भी हूं. ये मेरे लिए पद नहीं भावना है. अपने मेडिकल कॉलेज के दिन याद आ रहा है. डॉक्टर के नाते मरीज का दर्द समझता हूं. यह प्रोफेशन नहीं बल्कि एक कमिटमेंट है.

देवघर एम्स में शिक्षा, सेवा और शोध एक साथ चलते हैः सौरभ वार्षेण्य

देवघर एम्स के कार्यकारी निदेशक सौरभ वार्षेण्य ने कहा कि देवघर एम्स में शिक्षा सेवा और शोध एक साथ चलते हैं. सितंबर 2019 को पहले बैच की शुरूआत हुई. इसमें 50 विद्यार्थी थे. आज विभिन्न फैक्लटी में 900 विद्यार्थी हैं.

ट्रंप के टैरिफ बम पर केंद्र का बड़ा बयान, कहा-

भारत के हितों की रक्षा के लिए उठाएंगे सभी कदम

एजेंसियां। नयी दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से भारतीय निर्यात पर 25% टैरिफ के ऐलान के बाद केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने गुरुवार को लोकसभा में बयान दिया. उन्होंने कहा कि अमेरिका के इस कदम से होने वाले असर का आकलन किया जा रहा है. उन्होंने कहा कि हम राष्ट्रीय हितों की रक्षा के लिए सभी जरूरी कदम उठाएंगे. उन्होंने कहा कि भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है.

उन्होंने कहा, भारत-यूएस के बीच समझौते को अंतिम रूप देने के लिए कई अहम बैठकें हुईं. राष्ट्रपति ट्रंप ने 2 अप्रैल को रेसिप्रोकल टैरिफ पर एक कार्यकारी आदेश जारी किया था और तीन दिन बाद 10% का बेसलाइन टैरिफ लागू हो गया था. भारत पर बेसलाइन टैरिफ सहित 26% का अतिरिक्त शुल्क लगाया गया था. इसके बाद 90 दिनों के लिए और फिर 1 अगस्त तक के लिए निलंबित कर दिया गया था. केंद्रीय मंत्री ने संसद को बताया, भारत और अमेरिका ने के बीच मार्च में ट्रेड डील पर बातचीत शुरू हुई थी. हमारा उद्देश्य इस डील के पहले चरण को अक्टूबर-नवंबर तक अंतिम रूप देना था. इसके लिए पहली बैठक दिल्ली में हुई और बाकी बैठकें वाशिंगटन डीसी में हुईं.

दोनों देशों के बीच कई वर्चुअल बैठकें भी हुई थी. उन्होंने कहा, हम अपने घरेलू उद्योगों की सुरक्षा करेंगे. दुनिया के विकास में भारत का योगदान 16 फीसदी है. हम अपने राष्ट्रीय हितों को सुरक्षित और आगे बढ़ाने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएंगे. हमारी सरकार किसानों के लिए काम कर रही है. हमें विश्वास है कि हम 2047 तक विकसित देश बन जाएंगे.

ट्रंप टैरिफ से भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स सेक्टर को मिली बड़ी राहत

भारत की इलेक्ट्रॉनिक्स इंडस्ट्री को अमेरिका की तरफ से लगाए जाने वाले प्रस्तावित टैरिफ से फिलहाल दो हफ्तों की राहत मिली है. यह जानकारी सरकारी और उद्योग से जुड़े सूत्रों ने दी है. ये राहत इसलिए मिली है क्योंकि एक अहम सेक्शन (धारा 232) की समीक्षा अभी बाकी है, जो भारत और अमेरिका के बीच चल रही द्विपक्षीय बातचीत का हिस्सा है. अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने बुधवार को घोषणा की कि 1 अगस्त से भारत से आने वाले सभी सामानों पर 25 प्रतिशत टैक्स (टैरिफ) लगाया जाएगा. इसके अलावा, भारत की तरफ से रूस से सैन्य उपकरण और कच्चा तेल खरीदने के लिए भी एक अलग जुर्माना तय की जाएगी, जिसकी अभी घोषणा नहीं की गई है. अमेरिका की तरफ से लगाया गया यह टैरिफ सिर्फ आर्थिक नहीं, बल्कि राजनीतिक दबाव का भी संकेत है. अमेरिका नहीं चाहता कि भारत रूस से रक्षा उपकरण और तेल खरीदता रहे. यह जुर्माना उसी के तहत एक दबाव तकनीक है. भारत अब 'रणनीतिक स्वतंत्रता' और 'अंतरराष्ट्रीय व्यापार दबाव' के बीच संतुलन बनाने की कोशिश कर रहा है. दो हफ्ते के भीतर सेक्शन 232 पर अमेरिकी समीक्षा होगी. यदि छूट जारी रही, तो भारत को राहत मिलेगी. यदि शुल्क लागू होता है, तो भारत को डब्ल्यूटीओ या द्विपक्षीय बातचीत के जरिए कूटनीतिक लड़ाई लड़नी पड़ेगी. नई व्यापार नीतियां, निर्यात सब्सिडी और स्थानीय विनिर्माण बढ़ाने के उपाय करने होंगे.

अलर्ट : आज से हो रहे कई बड़े बदलाव

आपकी जेब पर पड़ेगा सीधा असर!

शुभम संदेश डेस्क

1 अगस्त 2025 में कई नियमों और कीमतों में बदलाव होने जा रहे हैं, जो आम जनता के दैनिक खर्च, डिजिटल लेनदेन, और वित्तीय योजनाओं को प्रभावित करेंगे. इन बदलावों का असर आपकी रसोई से लेकर यात्रा और बैंकिंग तक पर पड़ सकता है. आइए जानते हैं विस्तार सेः

यूपीआई यूजर्स के लिए नए नियम : भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) ने यूपीआई आधारित ऐप्स जैसे पेटीएम, फोनपे और गूगल-पे के लिए नए नियम लागू किए हैं. 1 अगस्त से यूजर्स एक दिन में अधिकतम 50 बार ही बैंक बैलेंस चेक कर सकेंगे, जबकि ट्रांजैक्शन डिटेल्स 25 बार ही देखी जा सकेंगी. ऑटो-पे के लिए भी समय स्लॉट तय किए गए हैं :

- सुबहः 10 बजे से पहले
- दोपहरः 1 से शाम 5 बजे तक
- रातः 9:30 बजे के बाद

इन नियमों का उद्देश्य यूपूआई सिस्टम पर लोड कम करना और उपयोगकर्ता अनुभव को बेहतर बनाना है.

सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंकाः नौ अप्रैल के बाद से सीएनजी और पीएनजी की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, लेकिन 1 अगस्त से इनके दाम बढ़ने की संभावना जताई जा रही है. अगर ऐसा हुआ तो ऑटो, कैब और घरेलू रसोई के खर्च पर असर पड़ेगा. इससे ट्रांसपोर्टेशन और किचन बजट पर अतिरिक्त बोझ बढ़ सकता है.

हवाई यात्रा हो सकती है महंगी : 1 अगस्त से एविएशन टर्बाइन फ्यूल (एटीएफ) की कीमतों में बदलाव संभव है. अगर कीमतें बढ़ीं तो एयरलाइंस इसका बोझ यात्रियों पर डाल सकती हैं, जिससे हवाई टिकट महंगे हो सकते हैं. विशेषज्ञों की सलाह है कि यात्री पहले से टिकट बुक करें ताकि बढ़े हुए किराए से बचा जा सके.

एसबीआई बंद करेगा फ्री एयर एक्सीडेंट इंश्योरेंसः स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) 11 अगस्त 2025 से अपने कई को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड्स पर दी जानेवाली फ्री हवाई दुर्घटना बीमा सुविधा को बंद करेगा. यह सुविधा यूको बैंक, सेंट्रल बैंक, करूर वैश्य बैंक और इलाहाबाद बैंक के साथ एलीट और प्राइम कार्ड्स पर उपलब्ध थी, जिसमें ₹50 लाख से ₹1 करोड़ तक का कवर मिलता था. अब कार्डधारकों को बीमा कवर के लिए अन्य विकल्प तलाशने होंगे.

रसोई गैस की कीमतों में बदलाव की संभावना

तेल विपणन कंपनियां (ओएमसी) हर महीने एलपीजी सिलेंडर की कीमतों की समीक्षा करती हैं. पिछले महीने कमर्शियल सिलेंडर की कीमत में 60 रुपए की कटौती की गई थी. इस बार 1 अगस्त को होने वाली समीक्षा में घरेलू एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में राहत की उम्मीद है, लेकिन बढ़ोतरी भी संभव है. इससे घरेलू उपभोक्ताओं का बजट प्रभावित हो सकता है.

आरबीआई की ब्याज दरों पर अहम बैठक

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति 4 से 6 अगस्त तक बैठक करेगी. इस दौरान ब्याज दरों में बदलाव को लेकर फैसला लिया जाएगा, जिसका सीधा असर होम लोन, कार लोन और अन्य कर्जों की ईएमआई पर पड़ सकता है.

झारखंड समेत छह राज्यों के 13 जिलों में 4 मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को मंजूरी

एजेंसियां। नयी दिल्ली

केंद्र सरकार ने महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, बंगाल, बिहार, ओडिशा और झारखंड राज्यों के 13 जिलों को कवर करने वाली रेल मंत्रालय की चार मल्टीट्रैकिंग परियोजनाओं को गुरुवार को मंजूरी प्रदान की. इससे भारतीय रेलवे का मौजूदा नेटवर्क लगभग 574 किलोमीटर बढ़ जाएगा. इन परियोजनाओं की कुल लागत 11,169 करोड़ रुपये आंकी गई है. केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने यहां कैबिनेट ब्रीफिंग को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति ने रेल मंत्रालय की चार परियोजनाओं को मंजूरी दी, जिनकी कुल लागत 11,169 करोड़ रुपये (लगभग) है. इनमें इटारसी – नागपुर चौथी रेल लाइन, अलुअबारी रोड–न्यू जलपाईगुड़ी तीसरी और चौथी लाइन छत्रपति संभाजीनगर–परभणी डबलिंग, डांगापोसी–जरौली तीसरी और चौथी लाइन प्रमुख रूप से शामिल हैं.

इटारसी-नागपुर चौथी रेलवे लाइन को लेकर वैष्णव ने कहा कि प्रधानमंत्री ने इटारसी और नागपुर के बीच चौथी लाइन को मंजूरी दी है. इसका निर्माण दिल्ली और चेन्नई के साथ-साथ मुंबई और हावड़ा को जोड़ने वाले उच्च-घनत्व वाले गलियारे पर किया जाएगा. यह चारों दिशाओं का मिलन बिंदु है. इन परियोजनाओं से भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में लगभग 574 किलोमीटर की वृद्धि होगी, जिससे कुल नेटवर्क और अधिक सशक्त होगा. उन्होंने कहा कि इन प्रस्तावित मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं से लगभग 2,309 गांवों तक सम्पर्क बढ़ेगा, जो लगभग 43 लाख लोगों की आबादी को सीधा लाभ पहुंचाएंगे. इसके अलावा इन परियोजनाओं से सालाना 95.91 मिलियन टन अतिरिक्त मालवाहक ट्रैफिक को संभालने की क्षमता भी बढ़ेगी, जिससे देश के औद्योगिक और कृषि क्षेत्रों को प्रत्यक्ष लाभ होगा.

रेलकर्मियों के लिए राहत भरी खबर

ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन की पहल पर रेलवे बोर्ड ने जारी किया नया आदेश

अब कर सकेंगे पद और विभाग की आपसी अदला-बदली

1800 ग्रेड पे वाले कर्मचारी किसी भी विभाग, मंडल या ज़ोन में कर सकेंगे स्वैच्छिक तबादला

शुभम संदेश। धनबाद/ रांची

धनबाद। रेलवे कर्मचारियों के लिए बड़ी राहत की खबर आई है. अब 1800 ग्रेड पे वाले रेलकर्मी आपसी सहमति से किसी भी स्तर पर- चाहे वह एक ही मंडल हो, अलग-अलग मंडल या विभिन्न जोन- अपने पद और विभाग की अदला-बदली कर सकेंगे. यह निर्णय ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन (एआईआरएफ) की पहल पर रेलवे बोर्ड द्वारा लिया गया है. फेडरेशन की रेलवे बोर्ड के साथ हुई स्थायी वार्ता तंत्र (पीएनएम) की बैठक में इस मुद्दे को प्रमुखता से उठाया गया था. विभागीय अदला-बदली को लेकर पहले जारी आदेशों की गलत व्याख्या पर स्पष्टीकरण मांगा गया था. इस पर रेलवे बोर्ड ने अपने पत्र (संख्या-ई (एन जी) /वन- 2020/ टी आर/13 (ई-3327313), दिनांक 08/ 07 2025) जारी करते हुए यह स्पष्ट किया है कि उक्त विषय में पूर्व के आदेश (संख्या 99/2018) की कई स्थानों पर गलत व्याख्या की जा रही है. बोर्ड ने स्पष्ट किया है कि 1800 ग्रेड पे में कार्यरत दो रेलकर्मियों के बीच मंडल के अंदर या दो मंडलों के बीच या दो विभिन्न जोन में आपसी सहमति से उनके पदों और विभागों की अदला-बदली की जा सकती है.

ऑल इंडिया रेलवे मेंस फेडरेशन के जोनल सेक्रेटरी ओपी शर्मा ने बताया कि इस संबंध में फेडरेशन द्वारा रेलवे बोर्ड की स्थाई वार्ता तंत्र की बैठक में रखे गए मद (संख्या 20/2024) के तहत विभागीय अदला- बदली मामलों पर स्पष्टीकरण मांगी गई थी. यह देखा जा रहा था कि दो विभिन्न विभागों के बीच आपसी सहमति से पदों की अदला -बदली को मंडल व जोन स्तर पर स्वीकार नहीं किया जा रहा था.

ईसीआरकेयू धनबाद के मीडिया प्रभारी एनके खवास ने कहा कि यह आदेश सैकड़ों रेलकर्मियों के लिए बड़ी राहत लेकर आया है, जो अब अपने घर के पास वाले विभाग या मंडल में कार्य करने का सपना साकार कर सकेंगे. इस निर्णय के लिए ईसीआरकेयू के केंद्रीय संगठन मंत्री नेताजी सुभाष, जितेंद्र कुमार साव, बसंत दूबे, आरके सिंह, एनके खवास, बीके साव, अमित मोहन, आईएम सिंह, चंदन शुक्ल, पीके सिन्हा, बीबी सिंह, महेन्द्र प्रसाद महतो, पीके गांगुली, रणधीर प्रसाद, अभय राज सिंह, आरएन चौधरी, अजीत कुमार मंडल, सुनील कुमार सिंह, उमेश सिंह, सीपी पाण्डेय, सुदर्शन महतो, मंटू सिन्हा, परमेश्वर कुमार, विश्वजीत मुखर्जी, रूपेश कुमार सहित अन्य रेलकर्मियों ने फेडरेशन केप्रति आभार प्रकट करते हुए कहा कि यह आदेश न केवल कर्मचारियों का संतोष बढ़ाएगा, बल्कि उनकी कार्यकुशलता में भी इजाफा करेगा.

एक नजर

झारखंड कैडर के आईपीएस संपत मीणा और एमएस भाटिया केंद्र में डीजी रैंक में इंपैनल

रांची। झारखंड कैडर के आईपीएस अधिकारी संपत मीणा और एमएस भाटिया को केंद्र में डायरेक्टर जनरल (डीजी) रैंक में इंपैनल किया गया है. केंद्र सरकार ने 1993 और 1994 बैच के 35 आईपीएस अधिकारियों को डीजी या समकक्ष पदों के लिए इंपैनल किया है, जिसमें झारखंड से ये दोनों वरिष्ठ अधिकारी भी शामिल हैं. संपत मीणा रांची में एसएसपी और डीआईजी जैसे अहम पदों पर रह चुकी हैं, जबकि एमएस भाटिया ने भी सीनियर एसपी के रूप में राजधानी में अपनी सेवाएं दी हैं. कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने 29 जुलाई को जारी अपने पत्र (संख्या 35/04/2025-ईओ(एसएम-I)) में इन अधिकारियों के नाम, कैडर और बैच की जानकारी दी है. सूची में बिहार से जितेन्द्र कुमार और अमित कुमार, उत्तर प्रदेश से जाकी अहमद, प्रकाश डी., राजा श्रीवास्तव, सुजीत पांडे और अखिल कुमार, तथा पंजाब से प्रवीण कुमार सिन्हा और सुधांशु एस श्रीवास्तव जैसे वरिष्ठ अधिकारियों के नाम भी शामिल हैं. यह कदम केंद्र में शीर्ष पुलिस पदों पर योग्य अधिकारियों की नियुक्ति सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है.

राज्यपाल से मिले भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के अध्यक्ष किशुन दास, सौंपा 7 सूत्री मांग पत्र

रांची। भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा, झारखंड प्रदेश के अध्यक्ष किशुन कुमार दास ने बुधवार को राजभवन, रांची में महामहिम राज्यपाल से शिष्टाचार मुलाकात कर अनुसूचित जाति समाज पर हो रहे अत्याचारों की रोकथाम हेतु सात सूत्रीय मांग पत्र सौंपा. उन्होंने मांग की कि झारखंड में अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष व सदस्यों की शीघ्र नियुक्ति हो, अनुसूचित जाति सहकारिता विकास निगम और परामर्शदात्री परिषद का गठन हो, रांची नगर निगम में महापौर पद अनुसूचित जाति के लिए आरक्षित किया जाए और हर जिले में छात्रावास बने. इसके अलावा, मेधावी विद्यार्थियों को विदेश शिक्षा हेतु सहयोग और विधानसभा एवं हाईकोर्ट परिसर में डॉ. भीमराव अंबेडकर की आदमकद प्रतिमा लगाने की मांग की गई. इस अवसर पर अरविंद सिंह, रंजन पासवान, सूरज दास, राजीव राजलाल, विनोद कुमार,राजेंद्र कुमार,संदीप कुमार, बप्पी बाउरी व अभिषेक राज उपस्थित थे.

भानु प्रताप ने महिलाओं से खेली कीचड़ की होली

रांची। भाजपा के पूर्व विधायक भानु प्रताप शाही खेतों में काम कर रहीं महिलाओं को कीचड़ लगाते दिखे. जिसके बाद महिलाओं ने भी उन्हें कीचड़ से पोत दिया. दरअसल, ये पूरा वाकया धान रोपाई के दौरान का है. भानु प्रताप शाही अपने क्षेत्र में निकले थे. इसी दौरान उन्होंने खेतों में धान रोपाई करतीं महिलाओं को देखा. महिलाएं परंपरागत गीत गाते हुए धनरोपनी कर रहीं थी. इसी दौरान भानु प्रताप शाही वहां पहुंचे और उन्होंने महिलाओं के साथ कीचड़ की होली खेली. महिलाओं ने भी अपने पूर्व विधायक के साथ खूब होली खेली. भानु प्रताप शाही ने कीचड़ की होली खेलते हुए वीडियो अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट की है. जिसमें उनके और महिलाओं के बीच की हंसी ठिठोली साफ दिख रही है. दरअसल, झारखंड में धान की रोपाई के दौरान कीचड़ की होली एक पारंपरिक उत्सव के रूप में खेली जाती है. यह त्योहार धान की खेती के मौसम की शुरुआत के साथ ही शुरू हो जाता है. इस दौरान लोग धान के खेतों में एक-दूसरे पर कीचड़ फेंकते हैं, ठीक वैसे ही जैसे होली के दौरान एक-दूसरे पर रंग फेंकते हैं.धनरोपनी के दौरान, महिलाएं गीत गाते हुए धान रोपती हैं. लोग नाचते भी नजर आते हैं.

जेएससीए चुनाव मामले में झारखंड हाईकोर्ट ने सभी प्रतिवादियों को जारी किया नोटिस

रांची। हाईकोर्ट ने झारखंड राज्य क्रिकेट संघ के सत्र 2025-28 के लिए हुए चुनाव को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई करते हुए प्रतिवादियों को नोटिस जारी किया है. कोर्ट ने सभी प्रतिवादियों को छह सप्ताह में जवाब दाखिल करने का निर्देश भी दिया है. जेएससीए चुनाव के बाद उपाध्यक्ष पद के प्रत्याशी रहे नंदू पटेल ने याचिका दायर कर आरोप लगाया है कि चुनाव में कुल 107 वोट ऐसे डाले गए जो जेएससीए बायलॉज और न्याय के नैसर्गिक सिद्धांतों का उल्लंघन है. याचिका में आरोप लगाया गया है कि 18 मई को संपन्न हुए चुनाव में जेएससीए की धारा-5 के तहत लगातार पांच वार्षिक आमसभा से अनुपस्थित रहनेवाले अवैध सदस्यों, राज्य के बाहर निवास करनेवाले अवैध सदस्यों, दो साल तक सदस्य रहने के बाद वोट देने का प्रावधान का उल्लंघन करने और लगभग ढाई दर्जन सदस्यों द्वारा एक से ज्यादा वोट डालने के कारण कुल 107 वोट अवैध तरीके से डाले गए. ऐसा करने से जेएससीए बायलॉज का उल्लंघन हुआ है. इसलिए, चुनावी प्रक्रिया को रद्द करते हुए नियमानुकूल निर्विवाद वोटर लिस्ट तैयार कर फिर से निष्पक्ष चुनाव कराए जाए.

मनी लॉन्ड्रिंग मामले में रोनी मंडल ने हाईकोर्ट से मांगी जमानत

रांची। बांग्लादेशी घुसपैठ से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में आरोपित बांग्लादेशी मूल की महिला रोनी मण्डल ने झारखंड हाईकोर्ट से जमानत की गुहार लगाई है. उसने अपने अधिवक्ता के माध्यम से हाईकोर्ट में जमानत याचिका दाखिल की है. इससे पहले रोनी मण्डल ने राची पीएमएलए (प्रीवेन्शन ऑफ मनी लांड्रिंग एक्ट) की विशेष कोर्ट में अपनी जमानत के लिए गुहार लगाई थी. लेकिन कोर्ट ने उसे जमानत देने से इनकार करते हुए उसकी जमानत याचिका खारिज कर दी थी. जिसके बाद रोनी मंडल ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की है.

लातेहार के व्यवसायी महलका कोर्ट से बरी

रांची। लातेहार शहर के युवा व्यवसायी व समाजसेवी रितेश महलका को सेंट्रल बैंक से जुड़े एक मामले में अदालत ने बरी कर दिया है. रितेश महलका ने कहा कि उन्हेंर अदालत पर पूरा भरोसा था. अब वे आरोपों से मुक्त हो गये हैं. उन्होंने इस प्रकरण में सेंट्रल बैंक के तत्कालीन ब्रांच मैनेजर व सीनियर मैनेजर पर 50-50 लाख यानी कुल एक करोड़ रुपये की मानहानि का दावा ठोंका है. महलका के अधिवक्ता सुनील कुमार ने बताया कि अक्टूबर 2020 में एक सुनियोजित साजिश के तहत सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया की हेठपोचरा शाखा के तत्कालतीन बैंक मैनेजर संदीप नारायण सिन्हा व सीनियर मैनेजर बेनन पी बारला ने रितेश महलका के खिलाफ गंभीर आपराधिक धाराओं में झूठी प्राथमिकी दर्ज कराई थी. इस झूठे मुकदमे से महलका की सामाजिक प्रतिष्ठा, पारिवारिक सम्मान और व्यावसायिक छवि को गंभीर क्षति पहुंची है.

झारखंड विधानसभा का मॉनसून सत्र आज से, सभी तैयारियां पूरी

सर्वदलीय बैठक, सकारात्मक और रचनात्मक विमर्श पर जोर

शुभम संदेश। रांची

शुक्रवार 1 अगस्त से 7 अगस्त 2025 तक आहूत षष्ठम झारखंड विधानसभा के तृतीय सत्र (मानसून सत्र) के सफल, व्यवस्थित और सुचारु संचालन को लेकर गुरुवार को झारखंड विधानसभा में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई. इस बैठक की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो ने की. बैठक में विभिन्न राजनीतिक दलों के विधायक दलों के नेता एवं प्रतिनिधि शामिल हुए. बैठक में मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन भी उपस्थित रहे. उन्होंने सत्र के दौरान सदन में शालीन, सकारात्मक और रचनात्मक विमर्श की आवश्यकता पर बल दिया. मुख्यमंत्री ने सभी दलों से अपेक्षा जताई कि वे जनहित के मुद्दों पर चर्चा को प्राथमिकता देंगे और सत्र को सार्थक बनाने में सहयोग करेंगे. विधानसभा अध्यक्ष रबीन्द्र नाथ महतो ने भी सत्र के दौरान अनुशासन और मर्यादा बनाए रखने की अपील की. उन्होंने कहा कि मानसून सत्र महत्वपूर्ण विधायी कार्यों और नीतिगत चर्चाओं के लिए अवसर प्रदान करता है, ऐसे में सभी दलों की रचनात्मक सहभागिता अपेक्षित है.

इस बैठक में सीएम हेमंत सोरेन, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, राधाकृष्ण किशोर, प्रदीप यादव अरूप चटर्जी सहित कई नेता अन्य शामिल हुए. बैठक में सदन के कार्य संचालन से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श हुआ, जिसमें यह सुनिश्चित करने की कोशिश की गई कि सदन का वातावरण सौहार्दपूर्ण बना रहे और जनहित के मुद्दों पर गहन चर्चा हो सके. ज्ञात हो कि इस बार का मानसून सत्र सात दिनों का होगा, जिसमें सरकार कई महत्वपूर्ण विधेयकों को प्रस्तुत कर सकती है और विपक्ष भी राज्य की नीतियों, कानून-व्यवस्था, विकास योजनाओं आदि पर सवाल उठा सकता है. इस तरह, मानसून सत्र के पूर्व नेताओं की यह समन्वय बैठक सत्र को शांतिपूर्ण और प्रभावी रूप से संचालित करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल मानी जा रही है.

पेश होगा अनुपूरक बजट: इस सत्र में वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा, जो राज्य के विकास और कल्याणकारी योजनाओं के लिए महत्वपूर्ण होगा. इस बजट में सरकार की प्राथमिकताओं को दर्शाया जाएगा और राज्य के विकास के लिए आवश्यक संसाधनों का आवंटन किया जाएगा.

मानसून सत्र में होंगे पांच कार्यदिवस

इस बार का मॉनसून सत्र सात दिनों का होगा, जिसमें पांच कार्यदिवस होंगे. इस दौरान महत्वपूर्ण विधायी कार्यों और नीतिगत चर्चाओं पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा. नेताओं की यह समन्वय बैठक सत्र को शांतिपूर्ण और प्रभावी रूप से संचालित करने की दिशा में एक सकारात्मक पहल मानी जा रही है.

ऐसा है सत्र का शेड्यूल

- **1 अगस्त :** राज्यपाल की सहमति प्राप्त विधेयक सदन के पटल पर रखे जाएंगे और दिवंगत विभूतियों को याद किया जाएगा.
- **4 अगस्त :** वित्तीय वर्ष 2025-26 का पहला अनुपूरक बजट पेश किया जाएगा.
- **5 अगस्त :** प्रश्नकाल, अनुपूरक बजट पर चर्चा.
- **6 अगस्त :** प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक.
- **7 अगस्त :** प्रश्नकाल, राजकीय विधेयक, गैर सरकारी संकल्प.

सकारात्मक व रचनात्मक विमर्श की सीएम की अपील

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सत्र के दौरान सदन में शालीन, सकारात्मक और रचनात्मक विमर्श की आवश्यकता पर बल दिया. उन्होंने सभी दलों से अपेक्षा जताई कि वे जनहित के मुद्दों पर चर्चा को प्राथमिकता देंगे और सत्र को सार्थक बनाने में सहयोग करेंगे.

अलकायदा की आतंकी के झारखंड कनेक्शन पर बोले बाबूलाल मरांडी

सरकार आतंकी नेटवर्क की पहचान कर सख्त कार्रवाई करे

शुभम संदेश। रांची

बेंगलुरु से गिरफ्तार संदिग्ध आतंकी शमा परवीन का झारखंड कनेक्शन सामने आया है. इसे लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन से सभी आतंकी नेटवर्क की पहचान कर सख्त कार्रवाई की मांग की है. बाबूलाल मरांडी ने इस बारे में सोशल मीडिया पर पोस्ट किया है.गौरतलब है कि गुजरात एटीएस ने हाल ही में बेंगलुरु के हेब्बाल इलाके से संदिग्ध अलकायदा आतंकी समा परवीन को गिरफ्तार किया है. शमा परवीन झारखंड के कोडरमा जिले की रहने वाली है. हालांकि, वह काफी समय तक हैदराबाद में रही और फिर बेंगलुरु चली गई. गुजरात एटीएस ने अपनी जांच में पाया कि शमा सोशल मीडिया के जरिए चरमपंथी विचारधारा

को बढ़ावा दे रही थी. वह अलकायदा के विचारों को फैलाने और युवाओं को अब इस मामले को लेकर भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने पोस्ट किया है और आतंकी नेटवर्क के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की है. उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा कि "यह बेहद चिंताजनक है कि गिरफ्तार संदिग्ध महिला आतंकवादी शमा परवीन का झारखंड के कोडरमा जिले से सीधा संबंध है. एटीएस की जांच में पता चला है कि शमा अल-कायदा इन इंडियन सबकॉन्टिनेंट (AQIS) जैसे खतरनाक आतंकवादी संगठन से जुड़ी थी और सोशल मीडिया के माध्यम से आतंकवादी विचारधारा का प्रचार कर रही थी.उन्होंने आगे लिखा कि गौरतलब है कि शमा मूल रूप से कोडरमा की रहने वाली है और पिछले कुछ सालों से हैदराबाद होते हुए बेंगलुरु में अपने भाई के साथ रह रही थी. यह गिरफ्तारी झारखंड में पनप रहे आतंकी नेटवर्क की एक और कड़ी को उजागर करती है. पिछले कुछ सालों में रांची, जमशेदपुर, लोहरदगा, हजारीबाग जैसे जिलों से भी आतंकी गतिविधियों और संदिग्ध गिरफ्तारियों की खबरें आती रही हैं. बाबूलाल मरांडी ने सीएम हेमंत सोरेन से अपील करते हुए कहा कि झारखंड धीरे-धीरे आतंकी संगठनों की शरणस्थली बनता जा रहा है. ऐसी घटनाएं पूरे राज्य की सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा हैं.

इरफान अंसारी ने की हिंदू टाइगर फोर्स पर कड़ी कार्रवाई की मांग

घटना के लिए बाबूलाल को ठहराया जिम्मेदार

शुभम संदेश। रांची/जामताड़ा

झारखंड के रामगढ़ में युवक के थाने से फरार होना और उसकी लाश मिलने की घटना ने तूल पकड़ लिया है. स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने इस घटना को लेकर रामगढ़ के हिंदू टाइगर फोर्स पर कठोर कार्रवाई करने की मांग की है. साथ ही हिंदू टाइगर फोर्स में कौन-कौन है, इसकी जांच हो. स्वास्थ्य मंत्री ने अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कानून अपना काम करेगा. हिंदू टाइगर फोर्स कहां से आ गया है. इसकी जांच कर कठोर कार्रवाई हो. मंत्री इरफान अंसारी ने इस घटना के लिए बाबूलाल मरांडी को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा कि उनके ट्वीट के कारण यह घटना घटी है.

पलटवार

इरफान का भानु प्रताप शाही पर तंज

इरफान अंसारी ने प्रतिपक्ष नेता बाबूलाल मरांडी एवं भाजपा नेता भानु प्रताप शाही पर निशाना साधा है. उन्होंने बाबूलाल मंडी को झारखंडी तो भानु प्रताप शाही को विदेशी बताया है. मंत्री ने कहा कि बाबूलाल मरांडी झारखंडी है, लेकिन भानु प्रताप शाही झारखंडी नहीं, वह विदेशी हैं. भानु प्रताप शाही पर तंज कसते हुए कहा कि जब वह मंत्री थे तो उन्होंने क्या किया. स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी मिहिजाम में पार्टी द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे. इसके अलावा उन्होंने कई शिलान्यास कार्यक्रमों में भी हिस्सा लिया. इस दौरान मीडिया से बात करते हुए उन्होंने ये बातें कहीं.

झामुमो नेता और पूर्व विधायक ज्योतिन्द्र प्रसाद का निधन, सादगी और जनसेवा के थे मिसाल

शुभम संदेश। रांची

झारखंड ने गुरुवार को अपना एक सच्चा गांधीवादी नेता खो दिया. गिरिडीह विधानसभा से पूर्व विधायक और झारखंड मुक्ति मोर्चा के अनुभवी नेता ज्योतिन्द्र प्रसाद का निधन हो गया. अपने सादगीपूर्ण जीवन और जनसेवा की भावना के लिए जाने जाने वाले ज्योतिंद्र प्रसाद को लोग 'झारखंड के गांधी' कहकर संबोधित करते थे. उनके निधन की खबर से पूरे गिरिडीह सहित प्रदेश भर में शोक की लहर फैल गई है. स्व. प्रसाद का अंतिम संस्कार शुक्रवार को गिरिडीह में किया जायेगा. अंतिम दर्शन के लिए सुबह से ही लोगों की भीड़ उमड़ पड़ी है. पूर्व विधायक लक्ष्मण सोनकर, दिनेश यादव, दीपक उपाध्याय समेत कई प्रमुख राजनीतिक और सामाजिक चेहरे उन्हें श्रद्धांजलि देने पहुंचे.

सादगी और संघर्ष की मिसाल: गिरिडीह के जमुआ प्रखंड अंतर्गत गांव निवासी ज्योतिंद्र प्रसाद ने अपने सार्वजनिक जीवन में उस आदर्श राजनीति को जिया, जिसकी आज कल्पना भर होती है. उन्होंने कभी दोपहिया वाहन तक नहीं लिया, झोपड़ी जैसे खपरैल घर में जीवन बिताया, और माइका मजदूर आंदोलन के दौरान मजदूरों के साथ धरती पर सोए, भोजन की व्यवस्था के लिए उनकी पत्नी ने अपने कान की बाली तक बेच दी. यह सब उन्होंने बिना किसी दिखावे के, केवल जनसेवा के भाव से किया. उन्हें कभी सत्ता का लोभ नहीं हुआ. राजनीति उनके लिए सेवा का माध्यम था, न कि साधन.

राजनीतिक जीवन

वर्ष 1990 में कांग्रेस के टिकट पर वे गिरिडीह विधानसभा क्षेत्र से विधायक चुने गए. अपने कार्यकाल में उन्होंने शुचिता, पारदर्शिता और आमजन की समस्याओं के प्रति संवेदनशीलता की मिसाल कायम की. उनकी ईमानदार छवि ने उन्हें गिरिडीह के घर-घर में भरोसेमंद नाम बना दिया. राजनीति में रहते हुए भी उन्होंने कभी दिखावटी जीवन नहीं जिया और सादगी को अपना धर्म बनाया.

झारखंड हाईकोर्ट ने प्रेशर हॉर्न, फ्लैग रॉड और अवैध इमरजेंसी लाइट्स पर रोक लगाई

शुभम संदेश। रांची

शोर और दृश्य प्रदूषण पर सख्ती करते हुए झारखंड हाईकोर्ट ने राज्य भर में प्रेशर हॉर्न, मल्टी-टोन हॉर्न, फ्लैग रॉड और अवैध लाइट्स लगे वाहनों पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया है. मुख्य न्यायाधीश तरलोक सिंह चौहान और न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद की खंडपीठ ने गुरुवार को एक जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए राज्य सरकार को केंद्रीय मोटर वाहन नियम, ध्वनि प्रदूषण (नियमन और नियंत्रण) नियम और भारतीय ध्वज संहिता के अनुपालन को सख्ती से लागू करने का निर्देश दिया.

मुख्य निर्देश

- प्रेशर हॉर्न और मल्टी-टोन हॉर्न लगे वाहनों पर पूरी तरह से रोक.
- गैर-आपातकालीन वाहनों पर लगी लाल b नीली लाइटें तुरंत हटाई जाएं.
- राजनीतिक या धार्मिक झंडों और फ्लैग रॉड का अवैध उपयोग रोका जाए.
- रात 10 बजे से सुबह 6 बजे तक बिना अनुमति के लाउडस्पीकर के प्रयोग पर सख्ती हो.

कोर्ट ने कहा कि झारखंड राज्य में अब प्रेशर और मल्टी-टोन हॉर्न का उपयोग नहीं किया जा सकेगा. अवैध इमरजेंसी लाइट्स वाले वाहनों की पहचान कर उनके उपकरण तुरंत हटाए जाएं. कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि झंडों और फ्लैग रॉड का अनुचित उपयोग ध्वज संहिता का उल्लंघन है और प्रशासन को इस पर सख्ती से कार्रवाई करनी होगी. पुलिस महानिदेशक अनुराग गुप्ता और झारखंड राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के सदस्य सचिव को निर्देश दिया गया है कि वे इन आदेशों के पालन का व्यक्तिगत हलफनामा 11 अगस्त से पहले दाखिल करें.

कमाल की कारस्तानी: जरूरत से ज्यादा खरीद ली गई डेंगू किट

खपाने के लिए वहां भी भेजी जा रही जहां जांच की व्यवस्था ही नहीं

शुभम संदेश। रांची

झारखंड में स्वास्थ्य विभाग द्वारा डेंगू जांच किट की खरीद में बड़ी गड़बड़ी सामने आई है. विभाग ने राज्य भर के मेडिकल कॉलेजों और जिला जनस्वास्थ्य प्रयोगशालाओं (डीपीएचएल) की आवश्यकता से कहीं अधिक संख्या में डेंगू जांच किट की खरीद कर ली. इनमें से कई किट उन जिलों में भेज दी गईं, जहां जांच की बुनियादी सुविधा तक उपलब्ध नहीं है.

स्थिति स्पष्ट होने पर विभाग ने इन किट को अन्य संस्थानों में स्थानांतरित करने का आदेश जारी किया. इसके साथ ही, किट के उपयोग को बढ़ावा देने के लिए बोकारो, गुमला, धनबाद, लोहरदगा और खूंटी जैसे जिलों को एलाइजा रीडर विद वॉशर मशीन भी उपलब्ध करा दी गई. हालांकि इन जिलों में अब तक न तो मशीनें चालू हुई हैं और न ही चिकित्सकों व तकनीशियनों को प्रशिक्षण दिया गया है.

जांच के आदेश की संभावना: इस मामले पर प्रतिक्रिया देते हुए राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) के प्रबंध निदेशक शशि प्रकाश झा ने कहा है कि यदि जरूरत से अधिक किट की खरीद हुई है तो यह जांच का विषय है. यह देखा जाएगा कि किस परिस्थिति में यह निर्णय लिया गया और क्या प्रक्रियाएं अपनाई गईं."

खरीद और उपयोग में बड़ा अंतर

विभाग द्वारा कुल 1.88 लाख डेंगू जांच किट खरीदी गई, जबकि आंकड़ों के अनुसार पिछले एक वर्ष में राज्य में डेंगू जांच के लिए 10 हजार मरीज भी सामने नहीं आए. ऐसे में कई संस्थानों को भेजी गई किट की संख्या इतनी अधिक है कि उनकी उपयोग अवधि (1 से 1.5 वर्ष) समाप्त होने से पहले खपत कर पाना संभव नहीं होगा. कुछ केंद्रों ने अंदेशा जताया है कि इन किटों की खपत में 4 से 5 साल लग सकते हैं, जो कि व्यावहारिक नहीं है.

सीएम के निर्देश पर बीपीएम एल-5 और एल-6 कर्मियों की मांगों पर सरकार ने कार्रवाई शुरू की, महासंघ ने जताया आभार

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के निर्देश पर झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी (जेएसएलपीएस), ग्रामीण विकास विभाग के अंतर्गत पलाश परियोजना में कार्यरत ब्लॉक प्रोग्राम मैनेजर (बीपीएम) एल-5 और एल-6 संवर्ग के कर्मियों की लंबित मांगों पर कार्रवाई शुरू कर दी गई है. झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ द्वारा मुख्यमंत्री से इन कर्मियों की न्यायोचित मांगों को पूरा करने का आग्रह किया गया था, जिस पर त्वरित संज्ञान लेते हुए मुख्यमंत्री के निर्देशन पर उनके वरीय आप्त सचिव सुनील कुमार श्रीवास्तव के हस्ताक्षर से एक पत्र ग्रामीण विकास विभाग के सचिव को आवश्यक कार्रवाई हेतु भेजा गया है. जारी पत्र में बीपीएम एल-5 और एल-6 कर्मियों की प्रमुख मांगों 80,000 मासिक मानदेय, मानव संसाधन नियमावली में लेवल एल-4 में समावेश, वेतन पुनर्संरचना, नई एचआरएनएम नीति लागू करने, स्थायी समायोजन और राज्यकर्मियों के समकक्ष सुविधाएं शामिल की गयी हैं. मुख्यमंत्री के सकारात्मक पहल के लिए उनके प्रति महासंघ के महामंत्री सुनील कुमार साह, अध्यक्ष देव नारायण सिंह मुंडा, संरक्षक गणेश प्रसाद सिंह, मुक्तेश्वर लाल, घरभरन राम, अगस्त क्रांति कुमार, मुक्तेश्वर लाल, घरभरन राम, अगस्त क्रांति कुमार, कमलेश कुमार, रामाशीष पासवान, सुरेश कुमार, सुरेश हाजरा, अंजना सिंह, प्रेम प्रकाश, मुकेश कुमार पांडेय, मो अदिबुल, राजीव मिश्रा, गिरिजेश शर्मा, जन्मंजय बाउरी, मनोज महतो,अरुण महतो, पी टोपनो, धनंजय उरांव, ए मिंज, प्रेरणा सांगा, सुजाता बेक, अमित दुबे,धनेश्वर उरांव ,नवीन कुमार, प्रमोद कुमार,तेज कुमार कंडुलना, अनुज कुमार ने आभार जताया है.

https://epaper.shubhamsandesh.net

शुभम संदेश

एक राज्य - एक अखबार

महामहिम के इस्तकबाल में जुटा धनबाद

- आईआईटी आईएसएम के 45वें दीक्षांत समारोह में करेंगी शिरकत
- एयरपोर्ट से आईआईटी आईएसएम तक सुरक्षा व्यवस्था सख्त

शुभम संदेश। धनबाद

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू के दौरे को लेकर जिले में तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं. आज शुक्रवार को वे आईआईटी आईएसएम के 45वें दीक्षांत समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगी. उनके आगमन से पहले जिला प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था का ट्रायल रन किया. गुरुवार को उपायुक्त आदित्य रंजन और वरीय पुलिस अधीक्षक प्रभात कुमार की अगुवाई में एयरपोर्ट से लेकर आईआईटी आईएसएम तक पूरे रूट पर कारकेड ट्रायल किया गया. इसमें पायलट कार, वीवीआईपी गाड़ियाँ, एम्बुलेंस समेत 50 से ज्यादा वाहन शामिल थे. ट्रायल से पहले सभी ड्राइवरों को जरूरी प्रोटोकॉल समझाया गया और निर्देश दिए गए कि राष्ट्रपति के कार्यक्रम के दौरान क्या करना है और क्या नहीं. इसके अलावा एयरपोर्ट पर एयरफोर्स के हेलिकॉप्टर की लैंडिंग और टेकऑफ का भी रिहर्सल किया गया.

इस मौके पर आईजी क्रांति कुमार गढ़ीदेशी, डीडीसी सादात अनवर, नगर आयुक्त रवि राज शर्मा, ग्रामीण एसपी कपिल चौधरी, सिटी एसपी ऋत्विक श्रीवास्तव, सिविल सर्जन डॉ. आलोक विश्वकर्मा समेत कई प्रशासनिक और पुलिस अधिकारी मौजूद थे. सबकी निगाहें राष्ट्रपति के आगमन पर टिकी हैं और प्रशासन यह सुनिश्चित कर रहा है कि कार्यक्रम बिना किसी खामी के संपन्न हो.

बीबीएमकेयू ने 1 अगस्त की सभी परीक्षाएं की रद्द

बिनोद बिहारी महतो कोयलांचल यूनिवर्सिटी (बीबीएमकेयू) ने राष्ट्रपति के आगमन को लेकर बड़ा फैसला लिया है। यूनिवर्सिटी प्रशासन ने 1 अगस्त (शुक्रवार) को प्रस्तावित यूजी सेमेस्टर 6 और नर्सिंग प्रथम वर्ष की परीक्षाएं रद्द करने की घोषणा की है। यूनिवर्सिटी के अनुसार, यह निर्णय राष्ट्रपति के झारखंड दौरे और उससे जुड़ी सुरक्षा तैयारियों को ध्यान में रखते हुए लिया गया है। प्रशासन का कहना है कि किसी भी प्रकार की सुरक्षा चूक या छात्रों को असुविधा न हो, इसके लिए एहतियातन यह कदम उठाया गया है।

सदर अस्पताल में आज

मेडिसिन	- डॉ नीलम बाला, डॉ पीपी पांडेय
हड्डी रोग	- डॉ मुकेश प्रसाद
सर्जरी	- डॉ संजीव गोलाश
नेत्र रोग	- डॉ सरोजिनी मुर्मू
दंत रोग	- डॉ सुनिता सिन्हा
शिशु रोग	- डॉ मनोज हेंब्रम
मनोरोग	- डॉ मिनाक्षी दुबे
स्त्री एवं प्रसूति रोग	- डॉ संध्या तिवारी
फिजियोथेरेपी	- डॉ दीपाली राय
गायनी इमर्जेंसी	
सुबह 8 से दोपहर 2 बजे तक	- डॉ अपूर्वा दत्ता
दोपहर 2 से रात 8 बजे तक	- डॉ अंजना कुमारी
रात 8 से सुबह 8 बजे तक	- डॉ सुमन
जेनरल इमर्जेंसी	
सुबह 9 से दोपहर 3 बजे तक	- डॉ ईपिल टोपनो
दोपहर 3 से रात 9 बजे तक	- डॉ राकेश रंजन
रात 9 से सुबह 9 बजे तक	- डॉ मंगेश

ब्रीफ खबरें

इग्नू के प्रोफेसर सुबल राय का शव बरामद, फ्लैट में मिले मृत

धनसार। धनसार थाना क्षेत्र टेम्पल रोड स्थित एक अपार्टमेंट में गुरुवार को इग्नू के प्रोफेसर सुबल राय का शव क्षत विक्षत अवस्था में मिला. शव से बदबू आने के बाद स्थानीय लोगों ने इसकी धनसार पुलिस को दी. सूचना पाकर धनसार पुलिस शव को पोस्टमार्टम करा स्वजनों को सौंप दिया. बताया जा रहा है कि प्रोफेसर सुबल अपनी पत्नी के साथ टेम्पल रोड स्थित एक अपार्टमेंट मे भाड़े पर रहते थे. उनकी कोई संतान नहीं थी जबकि उसके दो भाई गांधीनगर में रहते है. सुबल की पत्नी की मौत ढाई साल पूर्व हो गई थी. वहीं सुबल इस अपार्टमेंट में अकेले रहते थे. बुधवार की देर रात इस अपार्टमेंट के आस पास लोगों ने पुलिस को बताया कि एक फ्लैट से बदबू आ रही है. जब पुलिस वहां पहुंच दरवाजा खोला तो देखा कि प्रोफेसर अपने पलंग पर चित अवस्था में मृत पड़े थे. पुलिस का मानना है कि उसकी तबीयत खराब होने के बाद देखरेख करनेवाला कोई नहीं था. इसलिए उसकी मौत हो गई है. इस संबंध में धनसार पुलिस ने स्वजनों की शिकायत पर यूडी केस दर्ज कर लिया है.

सड़क दुर्घटना में हर्ल के ठीकाकर्मी की मौत, बाइक ने मारी थी टक्कर

सिंदरी। गुरुवार की देर शाम पैदल जा रहे हर्ल के ठीकाकर्मी की सड़क दुर्घटना में मौत हो गयी. बाइक सवार के धक्के से घटना हुई. मामले को लेकर बताया जाता है कि सिंदरी के डोमगढ़ निवासी हर्ल के ठीकाकर्मी मनोज साहनी 37 वर्षीय की हर्ल मेटेरियल गेट से महज सौ मीटर की दूरी पर शाम करीब 7 बजे सड़क दुर्घटना में मौत की सूचना से क्षेत्र में मातम पसर गया है. प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार रोहड़ाबाँध की ओर से आ रही तेज रफ्तार बाइक जेएच 10 बीजेड 8978 ने पैदल चल रहे मनोज को जोरदार टक्कर मारी. वह काफी दूर जा कर गिरा. स्थानीय लोगों ने घायल मनोज को इलाज के लिए निजी अस्पताल ले गए और इसकी सूचना सिंदरी पुलिस को भी दे दी. घटना की सूचना पर सिंदरी पुलिस ने बाइक सहित चालक को सिंदरी थाना ले आई है. वहीं मनोज साहनी को चासनाला सीएचसी भेजा गया था.

कतरास-करकेंद मुख्य मार्ग भूमिगत आग की जद में

लोयाबाद : मुख्य सड़क पर 15 फीट लंबी दरार से दहशत

शुभम संदेश। लोयाबाद

कतरास-करकेंद को जोड़ने वाले सेन्द्रा पंजाबी मोड़ के पास स्थित मुख्य मार्ग पर भूमिगत आग और गैस रिसाव का खतरा लगातार गहराता जा रहा है. सड़क पर अब लगभग 15 फीट लंबी और दो इंच चौड़ी दरार उभर आई है. स्थानीय लोगों और राहगीरों में भारी दहशत का माहौल है. इससे पहले मई महीने में भी इसी सड़क से महज 10 मीटर दूर करीब 20 फीट गहरा गोफ बन गया था. जिसमें से आग की लपटें उठती नजर आई थीं. घटना के अगले ही दिन बीसीसीएल प्रबंधन द्वारा गोफ को भराठी कर अस्थाई मरम्मत कराई गई थी. मगर कुछ ही दिनों में उसी स्थान से कुछ कदम आगे एक और छोटी गोफ से गैस रिसाव शुरू हो गया था.

स्थिति और भी गंभीर हो चुकी है. उसी स्थान के पास पांच और नई गोफों से गैस रिसाव शुरू हो चुका है. स्थानीय लोगों का कहना है कि पिछले चार-पांच दिनों से सड़क पर पड़ी दरार और भी तेजी से फैल रही है. वहां खड़े होने पर गर्माहट महसूस होती है,जो भूमिगत आग की पुष्टि करती है.

स्थायी समाधान की मांग

स्थानीय निवासियों और नियमित यात्रियों ने बीसीसीएल व जिला प्रशासन से तत्काल स्थायी समाधान की मांग की है .विशेषज्ञों का कहना है कि यदि इस पर तुरंत कार्रवाई नहीं की गई,तो आने वाले दिनों में सड़क पूरी तरह धंस सकती है, जिससे न केवल जानमाल का खतरा बढ़ेगा,बल्कि कोयला परिवहन व स्थानीय आवागमन पूरी तरह बाधित हो सकता है .

कोल परिवहन पर असर संभव

यह सड़क न केवल आम नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह कतरास से लेकर तेतुलमारी के एरिया 4 व 5, राजगंज, कांको,एट लेन और जीटी रोड से जुड़ने वाली एकमात्र सुगम सड़क मार्ग भी है . इस मार्ग से बीसीसीएल के सैकड़ों कोयला ट्रांसपोर्टिंग ट्रक, स्कूल ऑटो और आम यात्री वाहन चलते हैं . यदि जल्द ही इस समस्या पर ध्यान नहीं दिया गया तो ट्रैफिक पूरी तरह बाधित हो सकता है .

प्रबंधन ने किया था खतरे से इंकार

सिजुआ क्षेत्र के जीएम निर्झर चक्रवर्ती ने स्वीकार किया था कि यह समस्या पुरानी भूमिगत खदानों और वहां लगी आग की वजह से उत्पन्न हो रही है, लेकिन उन्होंने यह भी कहा था कि सड़क को तत्काल कोई खतरा नहीं है . हालांकि अब सड़क की हालत और गैस रिसाव को देखकर स्थानीय लोग जीएम के दावे पर सवाल उठा रहे हैं .

नीरज सिंह हत्याकांड : बहस जारी

'संजीव को फंसाने के लिए दो दिनों तक रची गई साजिश'

- बचाव पक्ष ने की प्राथमिकी तथा मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट की विवेचना

शुभम संदेश। धनबाद

पूर्व डिप्टी मेयर नीरज सिंह समेत चार लोगों की हत्या के मामले में गुरुवार को भी बचाव पक्ष की ओर से बहस जारी रखी गई. सुप्रीम कोर्ट से आए अधिवक्ता एमए नियाजी ने संजीव सिंह की ओर से बहस करते हुए कहा कि इस मामले में दर्ज की गई एफआईआर झूठी है. घटना के बाद दो दिनों तक संजीव सिंह को फंसाने के लिए साजिश रची गई और एक षड्यंत्र के तहत झूठी कहानी गढ़कर संजीव सिंह को नामजद आरोपी बनाया गया. बचाव पक्ष द्वारा प्राथमिकी तथा मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट की विवेचना की गई. वादी अभिषेक सिंह के बयान का हवाला देते हुए बचाव पक्ष ने कहा कि अभिषेक सिंह ने मानसिक ट्रॉमा को एक बहाना बनाया है. उन्होंने अपने बयान में कहा है कि 21 मार्च से 23 मार्च तक हुए ट्रामा में थे पर आदित्य राज से बातचीत के दौरान वे ट्रामा में नहीं थे. प्राथमिकी के अनुसार वादी अभिषेक सिंह घटना के समय कोला कुसमा स्थित विवाह मंडप के समीप थे परंतु उनका मोबाइल टावर लोकेशन निलांचल कॉलोनी बताता है और रघुकुल भी निलांचल कॉलोनी में पड़ता है. इसलिए घटना के समय वादी अभिषेक सिंह रघुकुल में उपस्थित थे. बचाव पक्ष में यह भी तर्क दिया कि अभिषेक सिंह गाड़ी चलाकर घटनास्थल पहुंचे, आदित्य राज से उनकी बातचीत हुई. मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट तथा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बतौर गवाह बने पुलिस को मृत्यु समीक्षा रिपोर्ट में सारी बातें बताई. रात भर अस्पताल में भी थे परंतु पुलिस को लिखित सूचना देते समय वे ट्रामा में चले गए. यह कैसे संभव हो सकता है. बचाव पक्ष में यह भी सवाल उठाया की घटनास्थल से सबसे नजदीक पीएमसीएच था फिर नीरज सिंह को अकेले केंद्रीय अस्पताल क्यों ले जाया गया और बाकी तीन को पीएमसीएच में क्यों भेजा गया. क्या केंद्रीय अस्पताल में नीरज सिंह को ले जाकर कोई कहानी तैयार की जा रही थी. आदित्य राज से बात करने की कहानी बताई गई है, वह आदित्य राज घटना के पूर्व से 23 मार्च तक गिरिडीह में मौजूद था. संजीव सिंह को फंसाने के लिए ही आदित्य राज को बनावटी प्रत्यक्षदर्शी गवाह बनाया गया और उसके लिए केंद्रीय अस्पताल के रिकॉर्ड में छेड़छाड़ की गई. सेंट्रल हॉस्पिटल के रिकॉर्ड से ही यह प्रमाणित होता है कि 15 मिनट के अंदर सेंट्रल अस्पताल में 600 मरीज को भर्ती कर लिया गया, यह कैसे संभव है और फिर रात 11:00 बजे आदित्य राज अस्पताल से फरार हो जाता है. केंद्रीय अस्पताल तथा पुलिस की गठजोड़ करके संजीव सिंह को इस मामले में फंसाया गया है. अदालत ने सुनवाई की अगली तारीख 1 अगस्त निर्धारित की है.

पम्पू तालाब में डूबे युवक की तलाश जारी, परिजनों का हंगामा

धनबाद (शुभम संदेश) ।सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत पम्पू तालाब में एक युवक डूब गया. जिसके बाद स्थानीय लोगों की भीड़ मौके पर जुट गई. फोन पर सूचना पाकर धनबाद पुलिस भी मौके पर पहुंची. डूबे युवक को निकालने की कोशिशें शुरू हुई, हालांकि देर रात तक कोई कामयाबी नहीं मिल पाई थी. घटना के संबंध में बताया जाता है कि हिल कॉलोनी की तरफ से आ रहे बाइक सवार युवक अनियंत्रित होकर तालाब में गिर गया. इसके बाद मौके पर से युवक का चप्पल बरामद हुआ है. वही स्थानीय लोगों ने तालाब में उतरकर युवक को खोजने का प्रयास किया. परंतु तालाब गहरा होने की वजह से युवक बरामद नहीं हुआ है. युवक आमताल निवासी रवि हाड़ी है. रवि हाड़ी के पिता रेलवे कर्मचारी है. रवि अपने पिता को हिल कॉलोनी छोड़कर अपने निवास स्थान आमताल जा रहा था. धनबाद पुलिस ने रवि को निकालने के लिए गोताखोरों को भी बुलाने की बात कही है. हालांकि देर रात परिजनों ने रणधीर वर्मा चौक पर शव निकालने को लेकर हंगामा किया।

लचर व्यवस्था बिजली के खिलाफ सौंपा ज्ञापन

चिरकुंडा। चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्र में विद्युत व्यवस्था की लचर व्यवस्था एवं नियमित बिजली की आपूर्ति नहीं करने व तकनीकी समस्याओं पर जल्द समाधान करने को लेकर भाजपा चिरकुंडा मंडल अध्यक्ष अरविंद सिन्हा के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को विद्युत विभाग के सहायक अभियंता संतोष मंडल से मिला. बताया कि पिछले कुछ समय से बिजली की आपूर्ति अनियमित हो गई है, बार-बार बिजली कटौती और वोल्टेज में उतार चढ़ाव के कारण चिरकुंडा क्षेत्र के लोगों को काफी परेशानी झेलनी पड़ रही है. बिजली की अनियमित आपूर्ति ने दैनिक जीवन को पूरी तरह प्रभावित कर रहा है.

13 अगस्त से बदल जाएगा यूट्यूब बच्चे नहीं देख पाएंगे बड़ों वाले कंटेंट

- एआई पकड़ेगा उम्र वाला झूठ

नई दिल्ली। 13 अगस्त से यूट्यूब में बड़ा बदलाव होने वाला है। गूगल के वीडियो स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म ने नई तैयारी कर ली है। एआई के जरिए यूजर्स की उम्र का पता लगाया जाएगा। यूट्यूब ने बच्चों खास तौर पर टीनएजर्स को अकाउंट बनाने से रोकने के लिए यह नया टूल डेवलप किया है। इस टूल के जरिए बच्चों की उम्र का अंदाजा लगाया जा सकेगा ताकि वो झूठी उम्र दर्ज करके बड़ों वाले कंटेंट न देख पाएंगे। यूट्यूब का यह नया सिस्टम कम उम्र के बच्चों द्वारा गलत उम्र दिए जाने वाली चालाकी को आसानी से पकड़ लेगा।

हाल में आई रिपोर्ट के मुताबिक, यूट्यूब इस टूल को 13 अगस्त को रोल आउट करने जा रहा है। इसे

पहले बीटा वर्जन के लिए रोल आउट किया जाएगा, जिसका टेस्टिंग पूरा होने के बाद इसे फुल फ्लेज रोल आउट किया जाएगा। यूट्यूब के इस फीचर को फिलहाल अमेरिका में टेस्ट किया जाएगा। इसके बाद इसे अन्य देशों में रोल आउट किया जाएगा। कई देशों की सरकारें टेक कंपनियों से ऑनलाइन सेफ्टी पॉलिसी को बेहतर करने के लिए कहा गया है ताकि बच्चे इसका दुरुपयोग न कर सके।

अगस्त और सितंबर में जमकर बरसेगा पानी

नईदिल्ली। भारत मौसम विज्ञान विभाग ने कहा है कि इस साल मानसून के दूसरे हिस्से यानी अगस्त और सितंबर में देश में सामान्य से ज्यादा बारिश होने की संभावना है. मौसम विभाग के प्रमुख डॉ. मृत्युंजय महापात्र के मुताबिक, देश के ज्यादातर हिस्सों में अगस्त में सामान्य और सितंबर में सामान्य से अधिक वर्षा हो सकती है. हालांकि पूर्वोत्तर और उससे सटे पूर्वी भारत, मध्य भारत के कुछ हिस्सों और दक्षिण-पश्चिमी प्रायद्वीपीय क्षेत्रों में कम बारिश की संभावना जताई गई है. न्यूज एजेंसी के मुताबिक 1 जून से 31 जुलाई तक देश में 474.3 मिमी बारिश दर्ज हुई है, जबकि इस अवधि के लिए सामान्य बारिश 445.8 मिमी मानी जाती है.

सावधान | फूड सेफ्टी विभाग की बड़ी कार्रवाई

30 हजार लीटर मिलावटी दूध जब्त कर सड़क पर बहाया

शुभम संदेश। रामगढ़

जिले में खाद्य सुरक्षा विभाग ने मिलावटी दूध के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है. गुप्त सूचना के आधार पर फूड सेफ्टी ऑफिसर दीपश्री की टीम ने हाईवे पर एक दूध टैंकर को पकड़ा, जिसमें लगभग 30 हजार लीटर मिलावटी दूध भरा हुआ था. यह टैंकर ओडिशा से उत्तर प्रदेश की ओर जा रहा था, और रास्ते में रामगढ़ के पास इसकी पिकअप की जा रही थी. जांच में सामने आया

कि टैंकर से दूध निकाल कर उसमें पानी और अन्य केमिकल मिलाकर उसे फिर से टैंकर में भर दिया जा रहा था, ताकि मात्रा बनी रहे और यह मिलावटी दूध बाजार में खपाया जा सके. फूड सेफ्टी अधिकारी दीपश्री ने बताया कि टैंकर का नंबर पीबी 11 सीएम 3311 है और इसकी कुल क्षमता 30 हजार लीटर थी. मौके पर मौजूद टीम ने दूध से सैंपल लेकर फूड लैब भेज दिया है, साथ ही फूड सेफ्टी एक्ट के तहत कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है. मिलावटी दूध के सभी साक्ष्य मिलने के बाद, विभाग ने करीब 20 लाख रुपये मूल्य का यह दूध हाईवे पर बहा दिया, ताकि किसी भी सूरत में यह बाजार में न पहुंचे. फूड सेफ्टी ऑफिसर दीपश्री के मुताबिक, यह पूरा नेटवर्क लंबे समय से सक्रिय था, और इस कार्रवाई के जरिए विभाग ने एक बड़े मिलावट सिंडिकेट पर करारा प्रहार किया है.

नगर निकाय चुनाव से पहले ट्रिपल टेस्ट प्रक्रिया की जांच में जुटा ओबीसी आयोग

शुभम संदेश। जमशेदपुर

झारखंड में आगामी नगर निकाय चुनाव से पहले ओबीसी आरक्षण के मद्देनजर ट्रिपल टेस्ट प्रक्रिया की समीक्षा को लेकर झारखंड राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग की टीम गुरुवार को जमशेदपुर पहुंची. आयोग के अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव के नेतृत्व में टीम ने सर्किट हाउस में जिले के वरीय प्रशासनिक अधिकारियों एवं नगर निकाय के पदाधिकारियों के साथ एक अहम बैठक की.

बैठक में आयोग की टीम ने नगर निकायों की वर्तमान स्थिति, ओबीसी मतदाताओं की संख्या और जातिगत स्थिति पर विस्तार से चर्चा की. टीम

अब वार्ड स्तर पर जाकर ओबीसी समुदाय के वोटरों की संख्या, पहचान और उनकी सामाजिक स्थिति का आकलन कर रही है. इसके तहत वोटर लिस्ट में दर्ज नाम, पिता या पति का नाम और जाति की स्पष्टता की जांच की जाएगी ताकि यह तय किया जा सके कि संबंधित व्यक्ति को राजनीतिक आरक्षण का अधिकार मिल रहा है या नहीं. आयोग के अध्यक्ष जानकी प्रसाद यादव ने बताया कि टीम डोर-टू-डोर सर्वेक्षण करेगी और यह सुनिश्चित करेगी कि जिनका नाम ओबीसी श्रेणी में दर्ज है, उनकी जातीय पहचान स्पष्ट रूप से हो. उन्होंने कहा कि यदि मतदाता सूची में जाति अस्पष्ट पाई जाती है, तो यह राजनीतिक प्रतिनिधित्व में बाधा बन सकती है और ट्रिपल टेस्ट की प्रक्रिया अधूरी रह जाएगी. इसके साथ ही बैठक में इस बात की भी समीक्षा की गई कि पिछड़े वर्ग के लोगों को जाति प्रमाण पत्र बनवाने में कोई प्रशासनिक कठिनाई तो नहीं आ रही है. आयोग यह भी जांच कर रहा है कि आउटसोर्सिंग के माध्यम से की जा रही नियुक्तियों में ओबीसी वर्ग को नियत आरक्षण मिल रहा है या नहीं.

जमशेदपुर दौरे के बाद आयोग की यह टीम सरायकेला-खरसावां और पश्चिमी सिंहभूम जिलों का भी दौरा करेगी और वहां भी नगर निकायों में ट्रिपल टेस्ट की स्थिति की गहन समीक्षा करेगी. इस दौरे में आयोग के अध्यक्ष के साथ सदस्य नरेश वर्मा भी मौजूद रहे.

शुभम संदेश
धनबाद, शुक्रवार, 01 अगस्त 2025

मूसलाधार बारिश ने गांवों में मचाई तबाही

लोयाबाद रानी तालाब के ओवरफ्लो से तीन मकान गिरे, 250 घरों में घुसा पानी, लोगों की बढ़ी परेशानी

शुभम संदेश। लोयाबाद

गुरुवार सुबह हुई तेज बारिश ने लोयाबाद क्षेत्र में भारी तबाही मचा दी. मदनाडीह स्थित रानी तालाब का जलस्तर अचानक इतना बढ़ गया कि तालाब ओवरफ्लो कर गया और पानी सुनामी जैसे तेज बहाव में प्रेमनगर बस्ती और कुम्हार पट्टी की ओर चला गया. तेज बहाव की चपेट में आकर लगभग 250 घरों में पानी घुस गया, जिससे लोगों का सामान पूरी तरह बर्बाद हो गया. तीन मकान पूरी तरह ढह गए, वहीं एक प्राइवेट स्कूल की इमारत भी पानी के दबाव से गिर गई. प्रभावित परिवारों में लल्लू भूइयां, बिनोद बाउरी, मान सिंह, बिनोद दास और कमलेश साव जैसे कई लोगों के घरों को भारी नुकसान हुआ. मान सिंह का फ्रिज, राशन और सारे घरेलू सामान पानी में डूबकर खराब हो गया. घरों में तीन-चार फीट तक पानी भर गया था. वहीं सपना देवी, राखी देवी, मुनिया देवी, पूजा देवी, रीना देवी समेत दर्जनों महिलाओं के घरों में भी घुटनों तक पानी भर गया. बिनोद बाउरी खुद अपने बच्चों के साथ घर से पानी निकालने में जुटे रहे. स्थानीय लोगों का कहना है कि यह स्थिति पुराने इंक्लाइन को बंद किए जाने की वजह से बनी है, जो जीएम बंगले के पीछे था. पहले बारिश का पानी इसी रास्ते भूमिगत चला जाता था, लेकिन इंक्लाइन बंद होने के बाद कोई नया ड्रेनेज सिस्टम नहीं बनाया गया, जिससे अब जलभराव हो रहा है. गनीमत रही कि बारिश के वक्त रानी तालाब के पास के एक स्कूल में पढ़ रहे कक्षा 1 से 3 तक के 67 बच्चों को समय रहते छुट्टी दे दी गई, नहीं तो बड़ी अनहोनी हो सकती थी. घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई और पीड़ितों ने प्रशासन से तत्काल राहत और मुआवजे की मांग की है. लोगों का कहना है कि जलनिकासी की समुचित व्यवस्था नहीं की गई तो भविष्य में इससे भी बड़ी तबाही हो सकती है.

बारिश से बलियापुर में गिरे आधा दर्जन मकान

बलियापुर। लगातार बारिश के कारण बलियापुर क्षेत्र में आधा दर्जन से अधिक कच्चे मकान एवं दीवार ध्वस्त हो गए हैं. गुरुवार को सिंघियाटांड़ के मुकेश महतो का कच्चा मकान गिर गया. पांडेडीह की मिनोती देवी का एकमात्र कच्चा मकान बारिश के कारण गिर गया. पीड़िता के समक्ष परिवार को लेकर रहने की समस्या उत्पन्न हो गई है. सिंदूरपुर निवासी रुद्र नारायण मुखर्जी के घर की बाउंड्री वॉल गिर गया. जगदीश गांव के मुकेश महतो का कच्चा मकान क्षतिग्रस्त हो गया जबकि भिखराजपुर हीरक मोड़ के बगल स्थित बिरसा सर्विस स्टेशन का बाउंड्री वॉल भी ध्वस्त हो गया. परिणामस्वरूप उत्क्रमित उर्दू मध्य विद्यालय भिखराजपुर जाने वाली रास्ता अवरुद्ध हो गया है. सूचना पाकर गांव के सदर मो मुस्ताक आलम समेत काफी संख्या में लोग वहां पहुंचे और जेसीबी लाकर रास्ते की सफाई कर आवागमन शुरू करवाया.

फुलारीटांड़ में मकान गिरा, बाल-बाल बचे

मधुबन। फुलारीटांड़ पंचायत अंर्तगत धसक पट्टी में लगातार कई दिनों हो रहे मुसलाधार वर्षा से गुरुवार की सुबह मोहम्मद शहीद हुसैन का घर व मोहम्मद मेहबूब के घर की चहारदिवारी ढह गई. हादसे में दोनों के परिवार बाल-बाल बच गए. पीड़ित परिवार ने आपदा प्रबंधन से मुआवजा की मांग की है. सूचना पाकर फुलारीटांड के मुखिया प्रतिनिधि दिलीप कुमार विश्वकर्मा पीड़ित परिवार से मिले और जानकारी ली. अंचल अधिकारी से मिलकर हुसैन का घर व मेहबूब की दीवार का मुआवजा दिलाने की बात कही है.

बारिश से टूटी सड़क, ग्रामीण परेशान

बरवाअड्डा। लगातार हो रही बारिश के कारण गोविंदपुर प्रखंड क्षेत्र के मरिचो पंचायत के हरिहरपुर गांव होते हुए जरकाही-बंदरीचुंआ रघुवाडीह गांव को जोड़नेवाली सड़क हरिहरपुर के समीप टूट गई है. इसके कारण ग्रामीणों को आने-जाने में भारी परेशानी हो रही है.वहीं रघुवाडीह गांव को हरिहरपुर मुख्य सड़क से जोडनेवाली पथ आज तक नहीं बनी है. यह सड़क टेंडर प्रक्रिया के मकड़जाल में फंस गई है. ग्रामीणों का कहना है कि दो बार टेंडर होने के बाद भी सड़क निर्माण का कार्य धरातल पर नहीं उतरा है. सिर्फ कागजी प्रक्रिया सड़क निर्माण की बात कही जा रही है. ग्रामीण बताते हैं कि हरिहरपुर शिव मंदिर के समीप कुछ ग्रामीणों द्वारा सड़क का अतिक्रमण कर रखा है, इस कारण सड़क निर्माण में बाधा आ रही है. कुछ दबंग लोगों द्वारा सड़क अतिक्रमण कर लेने के कारण राहगीर परेशान हैं. अतिक्रमण के कारण चारपहिया वाहन का परिचालन बंद है. गोविंदपुर सीओ से शिकायत करने के बाद अतिक्रमणकारियों को नोटिस दी गई थी लेकिन अतिक्रमणकारी नहीं पहुंचे. सीओ ने जल्द सड़क को अतिक्रमण मुक्त करने का भरोसा दिया है.

भौंरा पावर हाउस में घुसा बारिश का पानी, कई केबल डूबे

कई इलाकों में बिजली गुल, पचास हजार की आबादी प्रभावित

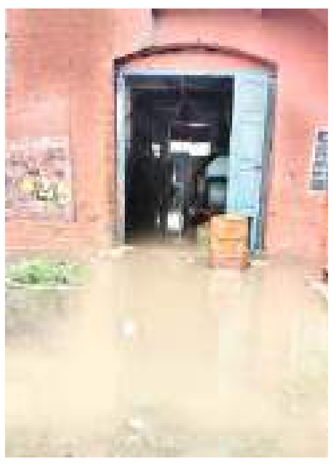

झरिया (शुभम संदेश)। पिछले कई दिनों से हो रही मुसलाधार बारिश से पूर्वी झरिया क्षेत्र के भौंरा पावर हाउस में पानी घुस गया. गुरुवार को सुबह करीब 9 बजे से प्लांट में पानी भरना शुरू हुआ. दर्जनों केबल पानी में डूब गया. फोरमेन संतोष कुमार महतो ने स्थिति गंभीर होते देख सबसे पहले सुबह करीब साढ़े दस बजे जेलगोरा डीजी प्लांट में फोन कर भौंरा में सप्लाई होने वाली प्रोडक्शन व टाउनशिप की बिजली आपूर्ति बंद करवाया. इसके बाद वरीय अधिकारियों को मामले से अवगत कराया. सूचना पर एरिया इंजीनियर रविराज,एरिया सिविल इंजीनियर ऋषिकेश कदम, सेफ्टी ऑफिसर संदीप राय, विवेक सिंह भौरा पावर हाउस पहुंच कर बचाव कार्य शुरू कराया. कई बिजली कर्मी को प्लांट से पानी निकालने में लगाया गया, टूलू पंप भी लगाया गया. एक जेसीबी मशीन भी पानी निकासी में लगाया गया है. पानी भरने से मोहलबनी नगीना बाजार,35 कॉलोनी,नीचे मोहलबनी, गौरखुटी व भौरा गांधीनगर, न्यू क्वार्टर,19 नंबर,13 नंबर,6 नंबर,7 नंबर,16 नंबर परसियाबाद,टैक्सी स्टैंड क्षेत्र में पिछले 10 घण्टा से बिजली आपूर्ति ठप है. इस कारण भौंरा व मोहलबनी के करीब 50 हजार की आबादी उमस भरी गर्मी से परेशान रही.

न्यूज अपडेट

हिलटॉप कांड के आरोपियों के घर पुलिस ने चिपकाया इश्तिहार

मधुबन (शुभम संदेश)। मधुबन थाना व धर्माबांध ओपी सीमा क्षेत्र के चर्चित हिलटॉप आउटसोर्सिंग कंपनी में कांड संख्या 2/25 के नामजद आरोपी के घरों में पुलिस ने ढोल नगाड़ा बजा कर गुरुवार को इश्तिहार चिपकाया. बता दे की मधुबन थाना व धर्माबांध ओपी सीमा क्षेत्र के बाबुडीह स्थित जंगल में हिलटॉप आउटसोर्सिंग कंपनी की चहारदीवारी निर्माण को लेकर गुरुवार 9 जनवरी को आजुसु समर्थक व कारु यादव समर्थको के बीच वर्चस्व स्थापित करने को लेकर गोलीबारी, बमबाजी व गिरिडीह सांसाद चंद्रप्रकाश चोधरी खरखरी स्थित आवासीय कार्यालय में आगजनी व तोड़-फोड़ एवं बाघमारा एसडीपीओ को पथराव कर घायल करने के मामले में अभी तक फरार चल रहे नामजद अभियुक्त नवागढ बस्ती के रोकी मोदक पिता सुदामय मोदक, खरखरी नारायण धोंडा के विजय पासवान पिता राम चरित्र पासवान, धर्माबांध बस्ती के दिनेश रवानी पिता भुवन रवानी, चंदन रवानी पिता शंकर रवानी, चंदन महतो उर्फ शिल्पा पिता प्रहलाद महतो के घर के दरवाजे पर पुलिस ने ढोल नगाड़ा बजा कर इश्तिहार चिपकाया है. मोके पर मधुबन थाना प्रभारी धर्मेंद्र कुमार,कपुरिया ओपी प्रभारी प्रमोद लकड़ा के साथ मधुबन पुलिस के जवान मौजूद थे.

भाजपा नेता ने जलजमाव से दिलायी ग्रामीणों को राहत

निरसा (शुभम संदेश)। निरसा उत्तर पंचायत के श्यामपुर मोड़, नवादा होटल के पास स्थित कॉन्टिनेंटल भाटा क्षेत्र में बारिश के दिनों में लगातार जलजमाव की समस्या से जूझ रहे लोगों को आखिरकार राहत मिली है. बरसात का पानी घरों में घुसने से परेशान स्थानीय लोगों ने मुखिया संघ अध्यक्ष रीता देवी और भाजपा नेता मनोज सिंह को अपनी समस्या से अवगत कराया. समस्या की गंभीरता को देखते हुए दोनों प्रतिनिधि तुरंत मौके पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने तत्काल जेसीबी मशीन मंगवाकर पानी की निकासी का अस्थायी रास्ता बनवाया. भाजपा नेता मनोज ने कहा कि समस्या का स्थायी समाधान किया जाएगा. दो ही दिनों के भीतर ह्यूम पाइप डालकर ड्रेनेज सिस्टम तैयार कर दिया गया, जिससे बारिश का पानी अब आसानी से बाहर निकल सकेगा. स्थानीय लोगों ने मुखिया संघ अध्यक्ष और भाजपा नेता का आभार जताया. मौके पर उत्तर पंचायत समिति सदस्य अमन चौरसिया और मध्य पंचायत समिति सदस्य अर्जुन भुइयां भी उपस्थित थे.

भारत टेलर में घुस कर गुड्डू खान ने की तोड़फोड़

झरिया (शुभम संदेश)। झरिया थाना क्षेत्र के बलियापुर स्टैंड में गुरुवार की दोपहर भारत टेलर नमक कपड़ा सिलाई के दुकान में दो युवकों ने घुसकर मारपीट के बाद तोड़फोड़ की घटना को अंजाम दिया. मामले को लेकर दुकान संचालक प्रभु प्रसाद वर्मा ने बताया कि कुछ दिनों पूर्व झरिया के ऊपर कुली निवासी गुड्डू खान ने एक कपड़ा सिलने को दिया था इसी को लेकर कुछ विवाद हुआ था. जिसके बाद गुड्डू खान ने कपड़े के बदले पैसे देने को कहा, जिसके लिए वे तैयार थे और उसे कहा था कि ठीक है. इसकी जगह दूसरा कपड़ा दे देंगे या पैसा दे देंगे. गुरुवार को वो घर खाना खाने गया था. इस दौरान उनका बड़ा बेटा दुकान पर था, तभी अचानक गुड्डू खान अपने एक साथी के साथ आया और दुकान में घुसकर उनके बेटे के साथ मारपीट कर दी. दुकान के अंदर रखी मशीनों को उठाकर पटक दिया. दुकान के अंदर लगे कांच समेत अन्य सामान को तोड़ दिया. मामले को लेकर थाने में शिकायत की गई है.

झूमा माहता बनी डीएवी स्कूल निरसा की प्राचार्य

निरसा (शुभम संदेश)। धनबाद के निरसा डीएवी स्कूल में झूमा माहाता ने गुरुवार को प्राचार्य के पद पर योगदान किया. पूर्व में वे डीएवी कुसुंडा में पदस्थापित थीं. निवर्तमान प्राचार्य चटोराज का स्थानांतरण महुदा डीएवी स्कूल में हुआ है. नए प्राचार्य का स्वागत विद्यालय के सभी शिक्षक एवं शिक्षिकाओं ने पुष्प गुच्छ भेंट कर किया. नए प्राचार्या के योगदान पर अपनी प्रसन्नता को व्यक्त करते हुए कहा कि उन्हें उम्मीद है कि इनके नेतृत्व में स्कूल का सर्वांगीण विकास होगा. डीएवी स्कूल प्रबंधन समिति नई दिल्ली ने इनकी कुशल क्षमता, बहुमुखी प्रतिभा को देखते हुये डीएवी निरसा की जिम्मेवारी सौंपी है. आशा है उस पर खरा उतरने का प्रयास अवश्य करेंगी. मौके पर विद्यालय के सभी छात्र-छात्राएं, शिक्षक व कर्मी उपस्थित थे.

भाकपा माले का सांगठनिक कार्यक्रम संपन्न

सिन्दरी (शुभम संदेश)। भाकपा माले द्वारा 21 जुलाई से 31 जुलाई 2025 तक आयोजित 11 दिवसीय सांगठनिक कार्यक्रम का सफल समापन गुरुवार को हुआ. समापन दिवस पर पोलित ब्यूरो सदस्य एवं पूर्व विधायक कामरेड आनंद महतो की अध्यक्षता में कार्यकर्ताओं ने अपने विचार साझा किए. कार्यक्रम के दौरान 21 जुलाई को स्व. एके राय और 28 जुलाई को स्व. चारू मजूमदार की पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया. साथ ही पीडीआईएल गेट के गोलंबर पर एके राय की मूर्ति स्थापना हेतु शिलान्यास भी किया गया. अंतिम दिन की बैठक में यह निर्णय लिया गया कि 11 अगस्त को संगठनात्मक कार्यक्रम में सचिव का चुनाव होगा. समापन पर पूर्व विधायक आनंद महतो ने कहा कि कार्यकर्ताओं को जनता का विश्वास जीतने और पार्टी को मजबूत करने के लिए वार्ड स्तर पर सक्रिय रहना होगा. कार्यक्रम को सफल बनाने में सुरेश प्रसाद, राजीव मुखर्जी, विमल कुमार, जितू सिंह, दशरथ ठाकुर, छोटन चटर्जी, सागर मंडल, फूलचंद मरांडी, मिथुन मंडल, राजू मुखर्जी और रघु यादव सहित कई साथियों ने अहम भूमिका निभाई.

ब्रीफ खबरें

पेड़ से झूलता मिला युवक का शव

बरवाअड्डा। गुरुवार को बरवाअड्डा थाना क्षेत्र के जयनगर रजवार टोला में खेत के समीप पेड़ में 35 वर्षीय युवक का अर्धनग्न अवस्था में शव झूलता मिला. शव मिलने से आसपास के गांवों में सनसनी फैल गयी. सूचना पर बरवाअड्डा पुलिस मौके पर पहुंच कर गमछा को फंदा बनाकर फांसी लगाए युवक के शव पेड़ से उतरकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए एसएनएमएमसीएच धनबाद भेज दिया. पास की झाड़ियां में युवक का टी-शर्ट और बाइक कर चाबी मिली. पुलिस द्वारा जांच पड़ताल किए जाने पर मृतक की पहचान बसहा-टुंडी निवासी सुखलाल हेंब्रम के रूप में हुई. परिजनों के अनुसार वह चार दिन पूर्व अपने घर से धनबाद के लिए निकला था. इस संबंध में पुलिस करना है कि प्रथम दृष्टया मामला आत्महत्या का प्रतीत होता है पर पुलिस हर बिंदु को ध्यान में रखकर मामला की जांच पड़ताल करेगी.

13 सेवानिवृत कर्मियों को किया सम्मानित

तेतुलमारी। बीसीसीएल कतरास क्षेत्र संख्या 4 में कार्यरत 13 कर्मियों की सेवानिवृत्ति पर महाप्रबंधक कतरास क्षेत्र, राज कुमार अग्रवाल की अध्यक्षता में सेवानिवृत सभी कर्मियों को कम्पनी प्रदत्त उपहार, सर्टिफिकेट तथा पेंशन भुगतान आदेश की प्रति देकर सम्मानित किया गया. साथ ही सुन्दर,सुखद और स्वस्थ जीवन की शुभकामनाएं दी गई. उक्त अवसर पर कतरास क्षेत्र के सभी श्रम संघ के सम्मानित प्रतिनिधिगण, क्षेत्रीय प्रबंधक (वित्), एच.पी.दीक्षित, क्षेत्रीय प्रबंधक(मा.सं), कतरास क्षेत्र, अशोक कुमार, प्रबंधक(मा.सं), स्वेता कुमारी, वरीय सहायक, दिनेश चन्द्र पाण्डेय, मनोज कुमार, सेवानिवृत होने वाले कर्मियों के परिजन एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित थे.

माननीय सिविल जज सिनियर डिविजन तृतीय का न्यायालय, धनबाद

वित्त केस नं0 - 03/2024

जी0एम0 टाटा स्टील ...... वादी

बनाम्

कलसी देवी एवं अन्य ...... प्रतिवादी

कोर्ट नोटिस

प्रेषित-

जेनरल पब्लिक आफ व लोकालिटी आफ डिगवाडीह, पो0- जामाडोबा, थाना- जोड़ापोखर, जिला-धनबाद।

वजरिये सूचना सर्व साधारण को सुचित किया जाता है कि, उपर्युक्त आवेदक ने उपरोक्त वाद मेरे न्यायालय में दायर किया है।

अतः इस प्रकाशन के माध्यम से सर्व साधारण को निर्देश दिया जाता है कि दिनांक 1.8.2025 को समय 10.30 बजे सुबह मेरे न्यायालय में स्वयं या अपने अधिवक्ता के माध्यम से उपस्थित होकर वाद पत्र में वर्णित सम्पत्ति से संबंधित किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो आपत्ति दर्ज करावें, अन्यथा वाद की डिकी आवेदक के पक्ष में कर दी जाएगी।

इसे ताकिद जानें।

ह/-

सिविल जज सिनियर डिविजन तृतीय, धनबाद।

मधुबन बस्ती में दो घरों से लाखों की चोरी

तीन घरों में चोरी का प्रयास, छानबीन में जुटी पुलिस, ग्रामीणों में दहशत

शुभम संदेश। मधुबन

खरखरी ओपी क्षेत्र के मधुबन बस्ती (टांडी घर) में बुधवार की देर रात दो घरों में चोरी की वारदात और तीन घरों में चोरी के प्रयास से पूरे टोले में दहशत है. चोरों ने दो घरों में बक्सा तोड़कर 12000 हजार नगदी सहित ढाई लाख का जेवरात की चोरी कर ली है. गुरुवार की सुबह घटना की सूचना पर खरखरी ओपी पुलिस टांडी पहुँची और भुक्तभोगी व ग्रामीणों से जानकारी लेते हुए घटनास्थल का निरीक्षण किया. भुक्तभोगी मोजी लाल महतो व मधुसूदन महतो ने पुलिस को नगदी 12000 हजार सहित सोने का चेन, कान की बाली,कंगन,चांदी का पायल व बेटी की शैक्षणिक प्रमाण पत्र की चोरी होने की शिकायत कर करवाई की मांग की. घटना के संबंध में बताया जाता है कि बुधवार की देर रात दो भुक्तभोगी के घर में लगा ताला तोड़कर चोरी का अंजाम दिया. घर वाले उक्त कमरे में ताला लगा कर दूसरे रुम में सो रहे थे. जब सुबह सो के उठे तो घर का ताला टूटा व अंदर का बिखरा हुआ समान देखा. भुक्तभोगी मोजी लाल महतो के घर से चोर बक्से को ही ले गए, जिसमें सात हजार नगदी, दो सोने का चेन ,चांदी का तीन सेट पायल, दो सेट मठिया व बेटी का शैक्षणिक प्रमाण पत्र और मधुसूदन महतो के घर से पांच हजार की नगदी सहित सोने एक सेट, कान का झुमका, हाथ कंगन की चोरी हुई है. चोरों ने पड़ोस के तीन घरों में भी चोरी करने का प्रयास किया, लेकिन दरवाजा अंदर से बंद होने के कारण चोर कामयाब नहीं हो सके. खरखरी ओपी प्रभारी मंगल प्रसाद कुजूर ने बताया कि घटना की शिकायत मिली है, जांच कर करवाई की जाएगी.

बैंक कर्मी के घर ताला तोड़कर नकदी व जेवरात चोरी

धनबाद। पुटकी निवासी राहुल कुमार सिंह ने धनबाद थाने में चोरी की शिकायत की है. बताया है कि वे भूली बैंक आफ इंडिया में कार्यरत हैं. भूली से पुटकी आना जाना मुश्किल है, इस कारण उन्होंने अमर नैना अपार्टमेंट में एक फ्लैट किराए पर लिया है. यहीं से रहकर वे ड्यूटी करते हैं. 27 जुलाई को वे पुटकी चले गए थे और गुरुवार को लौटे तो देखा कि फ्लैट का ताला टूटा हुआ है और उनके अलमीरा में रखे दो सोने की अंगूठी और बीस हजार रुपये नगद की चोरी हो गई है. इसके अलावा भी कई छोटे-छोट सामान गायब हैं. मामले को लेकर धनबाद थाने में शिकायत कर उचित कार्रवाई की मांग की गई है.

रक्षाबंधन पर मायुमं का कार्यशाला

शुभम संदेश। झरिया

रक्षाबंधन के अवसर पर मारवाड़ी युवा मंच झरिया की ओर से महिला इंटर कॉलेज, लाल बाजार में तीन दिवसीय रचनात्मक कार्यशाला का शुभारंभ हुआ. कार्यशाला का उद्देश्य छात्राओं को रचनात्मकता, भारतीय परंपराओं से जोड़ना है. कॉलेज सचिव राजीव सनवंतिया ने इसे छात्राओं के आत्मविश्वास और भविष्य निर्माण के लिए आवश्यक बताया. कार्यक्रम संयोजिका पूनम भुसानिया ने बताया कि प्रथम दिवस पर छात्राओं को क्ले से राखी निर्माण की कला सिखाई गई. पिडिलाइट प्रशिक्षिका भूमि अग्रवाल ने पारंपरिक और आधुनिक राखियों की डिजाइनिंग विधियाँ सिखाईं. गुरुवार के सत्र में कुल 52 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया. कॉलेज प्राचार्या और शिक्षिकाओं का सहयोग कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण रहा. शाखा अध्यक्ष डॉ. मनीष शर्मा ने कहा कि रचनात्मक कौशल आत्मनिर्भरता और व्यक्तित्व विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है.

केंद्रीय शिक्षा मंत्री और सांसद का भाजपाइयों ने किया स्वागत

शुभम संदेश। निरसा बाजार

आईआईटी आईएसएम के 47वें दीक्षांत समारोह में शामिल होने के लिए केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और धनबाद सांसद ढुलू महतो गुरुवार शाम दुर्गापुर एयरपोर्ट पहुंचे. एयरपोर्ट से सड़क मार्ग के जरिए धनबाद जाते समय जैसे ही उनका काफिला निरसा चौक पहुंचा, वहां भाजपा कार्यकर्ताओं ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया. भाजपा कार्यकर्ताओं ने ढोल-नगाड़ों और जयकारों के बीच फूलमालाएं पहनाकर केंद्रीय मंत्री और सांसद का अभिनंदन किया. नेताओं का स्वागत कर स्थानीय कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल देखने को मिला. स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से सांसद प्रतिनिधि प्रशांत बनर्जी, मधुरेंद्र गोस्वामी, पिंटू सिंह, धीरज मिश्रा, गोपाल राय, बृहस्पति पासवान, दीनू ठाकुर, मल्लेश्वरी यादव, वंदना बाउरी, ललिता चौहान, रानी सिंह, नमिता मिश्रा, चंड़ी मिश्रा, भोला गोराई, सजल पांडे, उत्पल बाउरी, कपिल यादव, मुकेश मिश्रा, संजीत रविदास, ब्योमकेश तिवारी, रामनारायण तांती, किशोर गुप्ता, सत्यम कुमार सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता मौजूद थे.

हरिद्वार से बाबाधाम को निकले कांवर का जोरदार स्वागत

1300 किलोमीटर की पैदल यात्रा कर रहा आईआईटी छात्र रोशन

शुभम संदेश। लोयाबाद

सावन के पावन महीने में श्रद्धा और आस्था का अद्भुत नजारा बुधवार की देर शाम लोयाबाद में देखने को मिला. हरिद्वार से पैदल चलकर देवघर जा रहे एक कांवरिया को देखकर स्थानीय लोग भावविभोर हो उठे और उसे रोककर गर्मजोशी से स्वागत-सत्कार किया. करीब 1300 किलोमीटर की कठिन पदयात्रा पर निकले इस शिवभक्त का नाम रोशन कुमार है, जो महज 19 वर्ष का युवा है. वह झारखंड के रामगढ़ जिले के चितरपुर प्रखंड अंतर्गत सोनार टोला का निवासी है. सावन के पहले दिन हरिद्वार से कांवर में 25 लीटर गंगाजल लेकर निकले रोशन का लक्ष्य है कि वह इसे बाबा बैद्यनाथ धाम,देवघर में भोलेनाथ को अर्पित करेगा.

आईटीआई छात्र है, कर रहा रेलवे की तैयारी : रोशन ने बताया कि वह टाटा स्थित एक संस्थान में आईटीआई द्वितीय वर्ष का छात्र है और साथ ही रेलवे की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी भी कर रहा है. उसने कहा मन में अचानक यह इच्छा जगी कि वे हरिद्वार के पवित्र गंगाजल से बाबा बैद्यनाथ को जल अर्पण करूं, कोई मन्नत लेकर यात्रा नहीं कर रहा, लेकिन मन में यह कामना जरूर है कि मेरे माता-पिता सदैव स्वस्थ और खुशहाल रहें. झारखंड समेत पूरे देश में समृद्धि और शांति बनी रहे. बाबा भोलेनाथ सभी की मनोकामनाएं पूर्ण करें. इधर लोयाबाद से गुजरते समय लोगों ने रोशन को रोककर उसे जल,फल और आवश्यक सामग्री भेंट की, साथ ही उसकी दृढ़ आस्था और संकल्प को सलाम किया. लोगों ने कहा कि इतनी कम उम्र में ऐसा निस्वार्थ और कठिन संकल्प आज के युवाओं के लिए एक प्रेरणा का स्रोत है.

छात्रों के हाथ में किताब के बदले फावड़ा

प्रधानाध्यापक ने पुरानी बिल्डिंग के मलबे को हटाने के लिए छात्रों को बनाया मजदूर

जितेन्द्र दूबे

गोड्डा। गोड्डा जिले के महगामा प्रखंड अंतर्गत ग्राम विश्वासखानी प्राथमिक विद्यालय से एक चौंकाने वाला और दुखद मामला सामने आया है. सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसमें स्कूल पहुंचे छोटे-छोटे बच्चों को पढ़ाई के बजाय ईंट-बालू ढोने के काम पर लगाया गया है.

हेडमास्टर पर लगा आरोप

वायरल वीडियो की पड़ताल करने पर पता चला कि विद्यालय में एक पुरानी बिल्डिंग का कुछ हिस्सा गिराया गया था, जिसका मलबा विद्यालय परिसर में पड़ा हुआ था. उसी मलबे को हटाने के काम में बच्चों को लगाया गया था. आरोप है कि

मामला विश्वासखानी प्राथमिक विद्यालय का

विद्यालय के प्रधानाध्यापक ने बड़े बच्चों को यह काम सौंपा था और बड़े बच्चों ने अपने से छोटे बच्चों को काम पर लगा दिया. ऐसे में, छोटे-छोटे बच्चे सुबह-सुबह मजदूरी के काम में लग गए. तहकीकात करने पर यह भी पता चला कि विद्यालय में पढ़ाई के नाम पर शून्य व्यवस्था है. बच्चे सिर्फ भोजन करने के नाम पर ही स्कूल पहुँचते हैं और शिक्षक भी भोजन कराने तक ही नजर आते हैं. पिछले चार दिनों से लगातार स्कूल में पढ़ाई नहीं करवाई जा रही है, बल्कि मासूम बच्चों से मजदूरी जैसे कार्य करवाए जा रहे हैं.

अभिभावकों में निराशा : गरीब परिवारों के माता-पिता अपने बच्चों को एक बेहतर भविष्य की उम्मीद में स्कूल भेजते हैं, यह सोचकर कि उनके बच्चे शिक्षा प्राप्त कर अच्छा करेंगे, लेकिन यहां तो भविष्य के निर्माण की जगह भविष्य से खिलवाड़ हो रहा है.

नए उपायुक्त ने पदभार संभालते ही जिले की बेपटरी हुई व्यवस्था को सुधारने के लिए कई विद्यालयों और स्वास्थ्य केंद्रों का औचक निरीक्षण कर कार्रवाई करने का संदेश दिया था, लेकिन जिले की खराब हो चुकी शिक्षा व्यवस्था को सुधार पाना उतना आसान नहीं लग रहा है.

करंट लगने से मजदूर की मौत, मुआवजे की मांग पर हंगामा

गोड्डा (शुभम संदेश) । गोड्डा शहर के शिवपुर मोहल्ले में एक मकान के निर्माण के दौरान करंट लगने से रिंकू साह नामक मजदूर की मौत हो गई. इस घटना के बाद, मृतक के परिजनों और ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर घंटों हंगामा किया. मजदूरों ने पहले ही मकान मालिक को मुख्य दरवाजे के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तार में करंट की शिकायत की थी, जिस पर मकान मालिक ने आपूर्ति बंद करने का झूठा आश्वासन दिया था. काम के दौरान रिंकू लोहे के गेट के संपर्क में आया और झुलसकर गिर गया. हादसे के बाद मकान मालिक और अन्य मजदूर मौके से भाग गए. सूचना मिलने पर नगर थाना पुलिस ने पहुंचकर ग्रामीणों को शांत कराया. रिंकू साह अपने परिवार में अकेला कमाने वाला सदस्य था.

मशरूम फैक्ट्री के कचरे से ग्रामीण परेशान

शुभम संदेश।गिरिडीह

बेंगाबाद थाना क्षेत्र के धोबनी गांव के नजदीक एक मशरूम फैक्ट्री द्वारा गांव में और निजी जमीन पर जबरन कचरा फेंकने से ग्रामीणों में भारी आक्रोश है. शिकायतों के बावजूद कोई कार्रवाई न होने से लोग परेशान हैं. बेंगाबाद के पूर्व जिला परिषद सदस्य एवं फॉरवर्ड ब्लॉक के जिला संयोजक राजेश यादव ने धोबनी गांव का दौरा कर स्थानीय लोगों से मुलाकात की. उन्होंने जिला प्रशासन से हस्तक्षेप कर दोषियों पर कार्रवाई करने और दलित परिवारों को न्याय दिलाने की मांग की है. स्थानीय निवासी शंकर दास और बिरजू दास ने अपनी जमीन पर फेंके गए कचरे को दिखाते हुए बताया कि मना करने के बावजूद प्रदूषण फैलाने वाला कचरा फेंका गया है. गांव के जिस कुएँ का पानी कई परिवार इस्तेमाल करते हैं, उसके ठीक बगल में भी कचरा फेंका गया है, जिससे कुएँ का पानी प्रदूषित हो गया है. राजेश यादव ने लोगों की समस्याओं से अवगत होने के बाद कहा कि यह एक अत्यंत गंभीर मसला है. उन्होंने आश्चर्य व्यक्त किया कि प्रखंड प्रशासन द्वारा स्थल निरीक्षण और निर्देश दिए जाने के बावजूद कचरा जस का तस मौजूद है, जिससे यह साफ है कि फैक्ट्री चलाने वालों को प्रशासन का कोई डर नहीं है. बातचीत के क्रम में यह भी पता चला कि जिस जमीन पर फैक्ट्री खोली गई है, वह पहले से ही खंडोली डैम के लिए अधिग्रहित है. ऐसे में, किस परिस्थिति में उक्त भूमि की खरीद-बिक्री हुई, यह भी एक जांच का विषय है. राजेश यादव ने कहा कि फैक्ट्री संचालक के मनमाने और दबंग रवैये से दलित परिवार परेशान हैं, जिसका संज्ञान जिला प्रशासन को अवश्य लेना चाहिए. उन्होंने चेतावनी दी कि यदि 10 दिनों के भीतर कचरा नहीं हटाया गया तो प्रभावित परिवार जिला समाहरणालय के समक्ष धरना-प्रदर्शन करने को मजबूर होंगे. मौके पर अन्य लोगों के अलावा शंकर दास, बिरजू दास, कैलाश दास, मीना देवी, सरस्वती देवी, चंद्रिका देवी, शांति देवी, सुनीता देवी, मुंद्रिका देवी, राखी देवी, जकसी देवी एवं अन्य मौजूद थे.

ब्रीफ खबरें

चोरी का मोबाइल बेचने वाला दुकानदार गिरफ्तार

गोड्डा। पुलिस ने चोरी के मोबाइल को खरीदकर बेचने के आरोप में एक दुकानदार को गिरफ्तार किया है. यह कार्रवाई जून में दर्ज हुई एक मोबाइल चोरी की शिकायत के बाद की गई. मेहरमा थाना प्रभारी सौरभ कुमार ठाकुर के अनुसार, चोरी की शिकायत के बाद मिले तकनीकी सबूतों के आधार पर पुलिस ने एक मोबाइल दुकान पर छापेमारी की. इस दौरान, पुलिस ने चोरी हुआ सैमसंग कंपनी का मोबाइल बरामद कर लिया. दुकानदार आशीष कुमार (25) मोबाइल के संबंध में कोई भी वैध दस्तावेज नहीं दिखा पाया, जिसके बाद उसे गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया.

बारिश से मिट्टी का मकान ढहा, लाखों का नुकसान

कसमार (बोकारो)। कसमार प्रखंड के बगदा गांव में बुधवार देर रात मूसलाधार बारिश के कारण जानकी महतो का मिट्टी का मकान ढह गया. हालांकि, समय रहते परिवार और मवेशियों को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया, जिससे कोई हताहत नहीं हुआ. लगातार बारिश के कारण मकान की दीवारें कमजोर हो गई थीं. मकान ढहने से जानकी महतो को लगभग ढाई से तीन लाख रुपये का नुकसान हुआ है. उन्होंने प्रशासन से आपदा प्रबंधन मद के तहत जल्द मुआवजा देने की मांग की है.

गांडेय में किसानों को मिला बादाम बीज

गांडेय (गिरिडीह)। गांडेय प्रखंड की दासडीह पंचायत के चपरा गांव में प्रखंड प्रमुख राजकुमार पाठक, बीडीओ निशांत अंजुम और कृषि पदाधिकारी सुजीत कुमार ने किसानों के बीच बीज का वितरण किया. इस दौरान प्रखंड प्रमुख राजकुमार पाठक ने गांव पहुंचकर लगभग दर्जन भर किसानों को कच्चे बादाम का बीज दिया. उन्होंने कहा कि कृषि विभाग द्वारा किसानों को उच्च किस्म का बीज दिया जा रहा है, जिससे किसान अच्छी उपज कर अपनी आय दोगुनी कर सकते हैं. इस अवसर पर बीटीएम, हीरालाल मुर्मू, दशरथ वर्मा सहित कई किसान मौजूद थे.

कांवरियों का जत्था देवघर रवाना

कसमार। कसमार प्रखंड के खैराचातर गांव से गुरुवार को कांवरियों का एक उत्साही जत्था हर-हर महादेव के जयकारों के बीच बाबाधाम देवघर के लिए रवाना हुआ. रवानगी से पहले, कांवरियों ने स्थानीय सिंहपुर शिवालय में पूजा-अर्चना की. गांव के लोगों ने शुभकामनाएं देकर उनकी विदाई की. इस जत्थे में अमर कुमार जायसवाल, संतोष कुमार जायसवाल, अनमोल कुमार मिट्ठू, राहुल कुमार, अंश कुमार जायसवाल, पन्नालाल रजवार आदि शामिल हैं.

बेटियों के जन्म पर खुश हों उल्लास मनाएं : उपायुक्त

शुभम संदेश।बोकारो

उपायुक्त कुलदीप चौधरी के मार्गदर्शन में समाज कल्याण विभाग द्वारा सदर अस्पताल स्थित मातृ-शिशु वार्ड में 'बधाई हो बेटी हुई है...' कार्यक्रम की शुरुआत एक भव्य समारोह के साथ की गई. इस पहल का उद्देश्य बेटियों के जन्म पर खुशी और उल्लास को बढ़ावा देना है, क्योंकि समाज में बदलाव के लिए मानसिकता में बदलाव जरूरी है. कार्यक्रम में उपायुक्त कुलदीप चौधरी, उनकी धर्मपत्नी डॉ. प्रतिमा झा, उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, सिविल सर्जन डॉ. ए. बी. प्रसाद, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी रवि कुमार, जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता, सदर अस्पताल उपाधीक्षक डॉ. एन.पी. सिंह समेत अन्य अधिकारी और उनकी पत्नियां उपस्थित थीं. उपायुक्त और उनकी पत्नी डॉ. प्रतिमा झा ने नवजात बेटियों के अभिभावकों को उनके घर बेटी होने की बधाई दी. इस खुशी को साझा करते हुए सभी पदाधिकारियों ने अभिभावकों को मिठाई खिलाई और उन्हें प्रसव के बाद की आवश्यक मेडिकल किट और बच्चों से संबंधित किट प्रदान की. समारोह को जीवंत बनाने के लिए पारंपरिक ढोल-नगाड़ों की धुन भी बजाई गई, जिससे अस्पताल में उत्सव का माहौल बन गया.

बेटियों को बोझ नहीं, सौभाग्य समझें : डीसी

उपायुक्त कुलदीप चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि बेटी के जन्म को बोझ नहीं, सौभाग्य समझें. उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि हम अपनी मानसिकता में बदलाव लाएं और बेटियों के जन्म को खुशी व उल्लास से मनाएं. उन्होंने जिलेवासियों से अपील की कि वे बेटियों को शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, सुरक्षा जैसे सभी क्षेत्रों में समान अवसर दें. उपायुक्त ने कहा कि मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजना जैसे कार्यक्रम महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने का एक माध्यम है और अभिभावकों को अपनी बेटियों को आगे बढ़ने की पूरी आजादी देनी चाहिए. उनकी धर्मपत्नी डॉ. प्रतिमा झा ने भी कहा कि बेटा-बेटी में भेदभाव नहीं होना चाहिए और दोनों को समान शिक्षा, संरक्षण और स्नेह मिलना चाहिए. उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार ने कहा कि समाज तभी प्रगति कर सकता है जब बेटा और बेटी दोनों को बराबरी का मौका मिले. उन्होंने अभिभावकों को अपनी बेटियों को भी हर क्षेत्र में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया. जिला समाज कल्याण पदाधिकारी डॉ. सुमन गुप्ता ने बताया कि 'बधाई हो बेटी हुई है...' कार्यक्रम के तहत शहरी व ग्रामीण स्तर पर जन जागरुकता के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए जाएँगे. उन्होंने कहा कि जब करनी हो समाज की रक्षा, तो करो बेटी की सुरक्षा.

पूर्व विधायक ज्योतिंद्र प्रसाद का निधन

गिरिडीह (शुभम संदेश) । गिरिडीह विधानसभा के पूर्व विधायक ज्योतिंद्र प्रसाद का गुरुवार सुबह निधन हो गया. उनके आकस्मिक निधन से पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई है. ज्योतिंद्र प्रसाद ने 1990 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा था और निर्वाचित हुए थे, जिसमें उन्होंने कॉम्युनिस्ट नेता ओमिलाल आजाद को हराया था. 1995 के चुनाव में वे भाजपा के चंद्रमोहन प्रसाद से हार गए थे. उनके निधन पर मंत्री सुदिव्य कुमार सोनू, पूर्व मंत्री चंद्रमोहन प्रसाद, पूर्व विधायक निर्भय शाहबादी, पूर्व विधायक लक्ष्मण स्वर्णकार, महादेव दुबे समेत अन्य लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया.

सेवानिवृत्त शिक्षक कृष्णदेव राय का निधन

कसमार (शुभम संदेश) । क्षेत्रनाथ उच्च विद्यालय, हरनाद के सेवानिवृत्त हिंदी शिक्षक कृष्णदेव राय का बुधवार देर रात निधन हो गया. उनके निधन से कसमार और जरीडीह प्रखंड में शोक की लहर दौड़ गई है. राय ने लगभग चार दशक तक हरनाद हाई स्कूल में पढ़ाया और सिंहपुर इंटर कॉलेज की स्थापना में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. उन्होंने सैकड़ों युवाओं को बी.एड. करने में भी मदद की, जिससे कई लोग आज शिक्षक बन पाए हैं. उनकी विशुद्ध हिंदी शैली और अन्य विषयों पर भी उनकी अच्छी पकड़ के लिए उन्हें जाना जाता था. उनके निधन पर पूर्व विधायक डॉ. लंबोदर महतो सहित सैकड़ों लोगों ने गहरा शोक व्यक्त किया है. स्वर्गीय राय अपने पीछे तीन पुत्रों सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं.

न्यूज अपडेट

बारिश में ढहा मकीना खातून का घर

तिसरी (शुभम संदेश) । तिसरी प्रखंड की बेलवाना पंचायत के परसनवा गांव में मकीना खातून (पति अफसर हुसैन) का कच्चा मकान बारिश में ढह गया है. उनके पास रहने के लिए कोई सुरक्षित जगह नहीं है, जिससे उनके जीवन पर खतरा मंडरा रहा है. इस संबंध में प्रखंड बीस सूत्री अध्यक्ष मो. मुनिबुद्दीन ने महिला के घर जाकर स्थिति का जायजा लिया. उन्होंने प्रखंड विकास पदाधिकारी से प्राथमिकता के आधार पर महिला को आवास देने की मांग की. मुनिबुद्दीन ने बताया कि इस परिवार की आर्थिक स्थिति बहुत दयनीय है और घर में कोई कमाऊ सदस्य नहीं है. फिलहाल, उनका एकमात्र सहारा झारखंड सरकार की महत्त्वाकांक्षी मंईयां सम्मान योजना है, जिससे उनका घर चल रहा है. उन्होंने इस बात पर चिंता जताई कि ऐसे जरूरतमंद लोगों को अभी तक अबुआ आवास का लाभ नहीं मिला है. पंचायत की मुखिया नाजमा खातून ने बताया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए अबुआ आवास की स्वीकृति तो मिल चुकी है, लेकिन जिला स्तर से इसका भुगतान अभी रुका हुआ है.

आजसू ने पकड़ा प्रतिबंधित मांगुर मछली का ट्रक

डुमरी (शुभम संदेश) । आजसू पार्टी के कार्यकर्ताओं ने कुलगो टोल प्लाजा के पास से प्रतिबंधित थाई मांगुर मछली से लदे एक ट्रक को पकड़ा और पुलिस को सौंप दिया. पुलिस ने ट्रक को जब्त कर मध्य प्रदेश के चालक कमलेश बागरी को हिरासत में ले लिया है. आजसू के प्रखंड अध्यक्ष सतीश महतो ने बताया कि गिरिडीह सांसद चंद्रप्रकाश चौधरी से मिली सूचना पर उन्होंने ट्रक (आरजे 09 जीएफ 1357) को रोका और उसमें अवैध मछली पाई. थाना प्रभारी प्रणीत पटेल ने बताया कि बरामद मछली के सैंपल को जाँच के लिए रांची भेजा जा रहा है. रिपोर्ट में मांगुर मछली की पुष्टि होने पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी.

गैरमजरूआ जमीन पर अतिक्रमण, जांच के आदेश

डुमरी (शुभम संदेश) । डुमरी के अंचल अधिकारी ने थाना प्रभारी को पत्र भेजकर एक गैरमजरूआ जमीन पर हो रहे अतिक्रमण की जांच करने का निर्देश दिया है. राजस्व उप निरीक्षक की रिपोर्ट के अनुसार, मौजा परसाबेडा के खाता संख्या 45, प्लॉट संख्या 693 की एक एकड़ जमीन पर यूनुस अंसारी और अब्दुल गफ़ार द्वारा अवैध रूप से मकान बनाया जा रहा है. सीओ ने थाना प्रभारी को तत्काल निर्माण कार्य रोकने और शांति व्यवस्था बनाए रखने का आदेश दिया है. इस बीच, स्थानीय लोगों और मुखिया हसमुद्दीन अंसारी का दावा है कि यह जमीन एक धार्मिक स्थल का है, जहां प्राचीन काल से दुर्गा मंदिर स्थित है और मेला लगता है.

मरांग बुरु बचाओ संघर्ष मोर्चा का गठन

गिरिडीह (शुभम संदेश) । मरांग बुरु बचाओ संघर्ष मोर्चा की बैठक में एक नई केंद्रीय समिति का गठन किया गया है, जिसमें अध्यक्ष फागु बेसरा, उपाध्यक्ष रामलाल मुर्मू, रामचंद्र हांसदा, जशाई मार्डी, महासचिव हीरालाल मांझी, कोषाध्यक्ष सोमाय टुडू, उप कोषाध्यक्ष एतवारी हेम्ब्रम, अशोक मुर्मू, सचिव सोनाराम मांझी, विष्णु किस्कु, रमेश हेम्ब्रम, रमेश टुडू, एतो बास्के, महावीर मुर्मू, मुख्य प्रवक्ता दुर्गाचरण मुर्मू, प्रवक्ता दिलीप मुर्मू, सुधीर बास्के, बुधन हेम्ब्रम, प्रो. एस.के. मुर्मू को बनाया गया. इसके अलावा सुरेंद्र टुडू, बिंदु सोरेन, भगवान दास किस्कु, बोदनारायण मांझी, शनिचर बेसरा, महेश मरांडी, मंटू मुर्मू, मंगू किस्कु, हरिमोहन टुडू, राजेश किस्कु, बंशीलाल मरांडी, मंझी हेम्ब्रम, सुशोक सोरेन, शिबू मुर्मू, अनिल टुडू, बाबूराम सोरेन, जयवीर सोरेन, नवीन मुर्मू, सुंदर मोहन हेम्ब्रम, दुलाल हांसदा, रामकिशोर मुर्मू, पन्नालाल मुर्मू, रमेश मुर्मू, प्रदीप सोरेन, किसुन हेम्ब्रम, राजेश मुर्मू, महेश मरांडी, हरि टुडू, पिथो मार्डी, राजेश हांसदा, शंकर सोरेन, रंजीत, रवि लिंडा, महावीर मुर्मू, ओमप्रकाश टुडू, सुरेश मुर्मू, बिरजू मरांडी, सुरेश हेम्ब्रम, अबुन टुडू, जीतलाल किस्कु, प्रदीप हेम्ब्रम और बिनीलाल टुडू को कार्यकारिणी सदस्य बनाया गया है.

कॉलेज में मनी तुलसीदास और प्रेमचंद की जयंती

जमुआ (शुभम संदेश) । लंगटा बाबा कॉलेज में राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) के तहत गोस्वामी तुलसीदास और प्रेमचंद जयंती समारोह का आयोजन किया गया. प्राचार्य प्रो. कमलनयन सिंह और एनएसएस कार्यक्रम पदाधिकारी प्रो. भुवनेश्वर राम ने संयुक्त रूप से कार्यक्रम का नेतृत्व किया. प्राचार्य ने तुलसीदास को भक्ति और उनकी कालजयी रचना रामचरितमानस के लिए याद किया. प्रो. भुवनेश्वर राम ने कहा कि इन दोनों महान साहित्यकारों ने अपनी रचनाओं जैसे हनुमान चालीसा, गोदान, गबन और सेवासदन से साहित्य जगत पर गहरी छाप छोड़ी है. कार्यक्रम में प्रो. नंद गोपाल राय और प्रो. अवधेश कुमार गोस्वामी ने दोनों साहित्यकारों के जीवन और योगदान पर विस्तृत चर्चा की. इस अवसर पर कई शिक्षक और एनएसएस के स्वयंसेवक उपस्थित रहे.

तरंग के तीसरे दिन सूफियाना रंग में रंगा डीपीएस

बोकारो (शुभम संदेश) । डीपीएस बोकारो के सांस्कृतिक उत्सव 'तरंग' के तीसरे दिन गुरुवार को अंतर-सदन समूहगान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इसमें सभी सदनों के विद्यार्थियों ने कव्वाली प्रस्तुत कर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया. इस प्रतियोगिता में सतलज सदन ने 'आजा तेनु अखियां उडीक दिया' की प्रस्तुति के साथ प्रथम स्थान हासिल किया. झेलम सदन को द्वितीय, जबकि गंगा और यमुना हाउस को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने छात्रों के प्रदर्शन की सराहना करते हुए उन्हें अपनी प्रतिभा पहचानने और लगातार प्रयास करते रहने के लिए प्रेरित किया. उन्होंने कहा कि असफलता से घबराना नहीं चाहिए, क्योंकि यह सफलता का ही एक हिस्सा है.

बोकारो में मना सावन पंजाबी हरियाली तीज

बोकारो (शुभम संदेश) । सावन के महीने में पंजाबी संस्कृति के महत्व को दर्शाते हुए, गुरुवार को बोकारो में पहली बार सावन पंजाबी हरियाली तीज महोत्सव धूमधाम से मनाया गया. यह आयोजन सेक्टर 12 बी, आवास संख्या 3088 में सेक्टर 2 गुरुद्वारा के प्रमुख सुरजीत सिंह और गुरमेल सिंह द्वारा संयुक्त रूप से किया गया. सुरजीत सिंह ने बताया कि यह महोत्सव पंजाब और हरियाणा में काफी धूमधाम से मनाया जाता है और बोकारो में इसे पहली बार मनाया जा रहा है. उन्होंने कहा कि हरियाली तीज महोत्सव के दौरान विवाहित महिलाएं सावन माह में जब अपने ससुराल से मायके आती हैं तो अपनी सखियों के साथ मिलकर नृत्य, गान और सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ इसे पूरे उत्साह से मनाती हैं. इस दिन महिलाएं विभिन्न प्रकार के पकवान बनाती हैं, झूले झूलती हैं और नए-नए रंग-बिरंगे कपड़े पहनकर सोलह श्रृंगार करती हैं.

बोकारो स्टील प्लांट के आधुनिकीकरण पर निर्णायक कार्रवाई की मांग

बोकारो (शुभम संदेश) । जनता मजदूर सभा के महासचिव साधुशरण गोप ने धनबाद के सांसद ढुल्लू महतो से बोकारो स्टील प्लांट (बीएसएल) के आधुनिकीकरण में हो रही देरी पर निर्णायक कार्रवाई की मांग की है. गोप ने कहा कि यह परियोजना कभी समय पर पूरी नहीं हुई है. गोप ने बताया कि बीएसएल के आधुनिकीकरण के लिए 20,000 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है. साथ ही, बोकारो जनरल अस्पताल को सुपर स्पेशलिटी बनाने के लिए कंसल्टेंट कंपनी एचएससीसी नवंबर तक अपनी रिपोर्ट देगी. गोप ने चिंता जताई कि प्रबंधन की धीमी गति से आम जनता और बीएसएल दोनों को आर्थिक नुकसान होगा. सांसद ढुल्लू महतो ने आश्वासन दिया है कि वह मजदूरों, विस्थापितों और आधुनिकीकरण से जुड़े सभी मामलों को निर्णायक फोरम पर रखेंगे. उन्होंने कहा कि अब विचार और वार्ता का नहीं, निर्णय का समय है.

सेंट जेवियर स्कूल बोकारो में मना लोयोला दिवस

शुभम संदेश।बोकारो

सेंट जेवियर स्कूल में संत इग्नेशियस लोयोला दिवस श्रद्धा और समर्पण के साथ मनाया गया. संत इग्नेशियस, जो कि जेसुइट समाज के संस्थापक थे, उनकी शिक्षा, सेवा और आध्यात्मिकता के आदर्शों को याद करते हुए लोयोला हाउस के विद्यार्थियों ने विशेष प्रार्थना सभा और प्रेरणादायक गतिविधियों में भाग लिया. यह दिन नोवेना प्रार्थनाओं के नौ दिवसीय आयोजन के अंतिम दिन के रूप में भी खास रहा. समारोह की शुरुआत एक मधुर प्रातःकालीन भजन से हुई, जिसके बाद विद्यार्थियों ने प्रेरक उद्धरणों, भावनात्मक कविता और आध्यात्मिक नाटक के माध्यम से संत इग्नेशियस के जीवन और उनके सिद्धांतों को जीवंत किया. शिक्षकों के लिए एक विशेष मास का भी आयोजन किया गया. इस कार्यक्रम का उद्देश्य केवल संत इग्नेशियस लोयोला को श्रद्धांजलि देना नहीं था, बल्कि विद्यार्थियों के हृदय में सेवा, त्याग और विनम्रता जैसे गुणों को जागृत करना भी था. शिक्षकों के लिए एक क्विज का भी आयोजन किया गया, जिसमें उन्होंने पूरे उत्साह के साथ हिस्सा लिया. इस अवसर पर, सेंट जेवियर स्कूल में 35 साल सेवा देने वाले गुरजीत पोपली और 34 साल सेवा देने वाले क्रिस्ट किरण टोप्पो को नम आँखों से विदाई दी गई. इस विशेष अवसर पर फादर निर्मल, फादर मनोज, और फादर अरुण मिंज, एस.जे. उपस्थित रहे. साथ ही, हाई स्कूल के उप-प्रधानाचार्य दीपक चौधरी भी अपनी उपस्थिति थे. कार्यक्रम का समापन फादर अरुण मिंज, एस.जे. के प्रेरणादायक शब्दों से हुआ. उन्होंने प्रतिभागियों के समर्पण और प्रयासों की सराहना की. उन्होंने नोवेना के महत्व पर प्रकाश डाला और कहा कि नोवेना का हर एक दिन हमें सकारात्मक सीख देता है, जिसे हमें छात्र जीवन में अपनाकर आगे बढ़ना चाहिए. फादर अरुण ने लोयोला हाउस के विद्यार्थियों को उनके मेहनत और उत्तम आयोजन के लिए प्रशंसा की.

एससी/एसटी एक्ट में दो गिरफ्तार

शुभम संदेश।बेंगाबाद (गिरिडीह)

बेंगाबाद थाना क्षेत्र के मंझलाटोल गांव में जमीन विवाद को लेकर हुई मारपीट और जातिसूचक गाली-गलौज के मामले में बेंगाबाद पुलिस ने दो नामजद आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में गिरिडीह जेल भेज दिया है.

गिरफ्तार किए गए आरोपियों में मंझलाटोल गांव के निवासी सुखी सिंह और डेगन सिंह शामिल हैं. यह मामला 2 फरवरी को शुरू हुआ था, जब जमीन विवाद को लेकर दो पक्षों के बीच तनाव पैदा हुआ था. पुलिस के हस्तक्षेप से उस समय स्थिति को शांत कर दिया गया था. इसके बाद पीड़ित पक्ष के सहदेव दास ने बेंगाबाद थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई थी. उन्होंने आरोप लगाया था कि विवाद के दौरान दूसरे पक्ष के लोगों ने उनके साथ मारपीट की और जातिसूचक शब्दों का इस्तेमाल कर अभद्र व्यवहार किया.

छह आरोपी अब भी फरार, पुलिस कर रही छापेमारी : शिकायत के आधार पर बेंगाबाद थाना में एससी/एसटी अत्याचार निवारण अधिनियम और अन्य धाराओं के तहत थाना कांड संख्या 29/2025 दर्ज की गई थी, जिसमें कुल आठ लोगों को नामजद अभियुक्त बनाया गया था. थाना प्रभारी के अनुसार, फरार चल रहे छह अन्य अभियुक्तों की गिरफ्तारी के लिए लगातार छापेमारी की जा रही है. पुलिस ने भरोसा दिलाया है कि जल्द ही बाकी आरोपियों को भी गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया जाएगा.

चोरी की 14 बाइक बरामद, दो गिरफ्तार

डुमरी (गिरिडीह)। निमियाघाट पुलिस ने मोटरसाइकिल चोरी के एक मामले का खुलासा करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और उनके पास से 14 चोरी की बाइकें बरामद की हैं. 20 जुलाई को निमियाघाट में बाइक चोरी होने के बाद पुलिस ने जाँच शुरू की. सीसीटीवी फुटेज के आधार पर एक संदिग्ध अपराधी सुनील ठाकुर को मधुपुर में पकड़ा गया. पूछताछ में उसने चोरी की बात स्वीकार की और बताया कि वह बाइकें गिरिडीह के किशन यादव और सचिन कुमार राय को बेचता था. पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके ठिकानों से कुल 14 बाइकें बरामद कीं. दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है. यह छापेमारी एसडीपीओ सुमित प्रसाद के नेतृत्व में हुई, जिसमें निमियाघाट और डुमरी थाने के पुलिसकर्मी शामिल थे.

मधुबन में मना भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस

शुभम संदेश।गिरिडीह

गिरिडीह के जैन समाज के सर्वोच्च तीर्थस्थल सम्मेद शिखर मधुबन में भगवान पार्श्वनाथ का मोक्ष कल्याणक दिवस धूमधाम से मनाया गया. इस अवसर पर देश-विदेश से आए करीब 25 हजार भक्तों ने निर्वाण लाडू अर्पित किया.

भारी बारिश के बावजूद भक्तों में दिखा उत्साह : गाजे-बाजे के साथ हजारों भक्तों की टोली झूमते हुए अहले सुबह पारसनाथ पहाड़ी पर चढ़ाई के लिए निकल पड़ी. मूसलाधार बारिश के बावजूद भक्तों का उत्साह देखते ही बन रहा था. जय जिनेंद्र और नमोकार के मंत्रोच्चार करते हुए भक्तों की टोलियाँ मधुबन बाज़ार से पहाड़ की ओर चढ़ाई शुरू कीं. पूरा मधुबन उत्सव के रंग में डूबा हुआ था. पहाड़ पर स्थित पार्श्वनाथ टोंक पहुंचकर भक्तों ने भगवान पार्श्वनाथ के मंदिर में विधि-विधान के साथ पूजा-अर्चना की और करीब 31 किलो का निर्वाण लाडू अर्पित किया. मोक्ष कल्याणक दिवस को लेकर पूरे मधुबन को विशेष रूप से सजाया गया था. गुजरात, मुंबई, राजस्थान, झारखंड, बिहार सहित कई राज्यों और अमेरिका व जर्मनी जैसे देशों से भी श्रद्धालु इस आयोजन में शामिल होने पहुंचे थे. आयोजन को देखते हुए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए थे. हालांकि, भीड़ अधिक होने के कारण मधुबन के बाजार में ट्रैफिक जाम की समस्या से लोगों को परेशानियों का सामना करना पड़ा.

मरांग बुरु बचाओ संघर्ष मोर्चा की बैठक संपन्न

गिरिडीह। जिले के मधुबन में मरांग बुरु बचाओ संघर्ष मोर्चा की दो दिवसीय बैठक गुरुवार को संपन्न हो गई. इस बैठक में मरांग बुरु (पारसनाथ पर्वत) को बचाने के लिए आदिवासी समाज के लोगों ने विशेष चर्चा की और एक केंद्रीय समिति का गठन किया. बैठक में यह निर्णय लिया गया कि मरांग बुरु आदिवासी संथाल समाज के लोगों का ईस्ट देवता है और वे इसे युगों-युगों से ईश्वर के रूप में पूजते आ रहे हैं. मरांग बुरु और पहाड़ की चोटी पर पवित्र जुग जाहेरथान (सरना स्थल) और तलहटी में दिशोम मांझी थान स्थित है. इन पवित्र स्थानों को बचाने के लिए देश के समस्त आदिवासी समाज को एकजुट होकर संघर्ष करना होगा. मोर्चा ने कहा कि मरांग बुरु संपूर्ण संथाल समाज के लिए सबसे बड़ा एवं महत्वपूर्ण धार्मिक तीर्थ स्थल है. मरांग बुरु बचाओ संघर्ष मोर्चा संथालों की आस्था को संरक्षित करने के लिए हमेशा संघर्षरत रहेगा और सभी कानूनी लड़ाईयां सुप्रीम कोर्ट तक लड़ेगा. मोर्चा के सदस्यों ने बताया कि वे प्रमंडल स्तरीय बैठक करेंगे और सभी आदिवासी स्वशासन व्यवस्था (मांझी परगनैत), समाजसेवी, बुद्धिजीवी और गणमान्य लोगों को मरांग बुरु बचाओ संघर्ष मोर्चा से जोड़ेंगे.

ब्रीफ खबरें

मुंशी प्रेमचंद की 145 वीं जयंती मनाई

धनबाद। पीके राय मेमोरियल कॉलेज धनबाद में एनएसएस इकाई एक और दो के द्वारा मुंशी प्रेमचंद की 145 वीं जयंती मनाई गई. महाविद्यालय के पुस्तकालय सभागार में एक विशेष संगोष्ठी का आयोजन किया गया. जिसमें छात्र-छात्राओं ने बढ़कर भागीदारी निभाई. संगोष्ठी की अध्यक्षता डीके चौबे (हिंदी विभाग) के द्वारा की गई, उन्होंने इस अवसर पर प्रेमचंद के व्यक्तित्व का मार्मिक चित्रण छात्रों के समक्ष रखा तथा साहित्यिक जीवन कितना महत्वपूर्ण है, उस पर प्रकाश डाला. इनके अलावा डॉ० मुनुन शरन (अर्थशास्त्र विभाग) ने प्रेमचंद की ईदगाह कहानी का सार आदर्श वाक्य में प्रस्तुत किया तथा शिक्षक शर्मिला कुमारी (एनएसएस ईकाई प्रोग्राम ऑफिसर) ने भी प्रेमचंद पर अपनी बात रखी. छात्र-छात्राओं में काजल कुमारी, आकाश सिंह, केशव कुमार हेलिवाल ने भी प्रेमचंद के साहित्य पर प्रकाश डाला तथा उनके व्यक्तित्व का चित्रण प्रस्तुत किया. मंच संचालन का कार्य एनएसएस वालंटियर केशव कुमार हेलिवाल द्वारा किया गया.

सेवानिवृत रेलकर्मियों को समापक भुगतान

धनबाद। धनबाद मंडल में जुलाई माह में सेवानिवृत होने वाले कर्मचारियों का समापक भुगतान किया गया. इस माह में कुल 41 सेवानिवृत्ति के मामले आए थे, जिनमें सभी कर्मचारियों का समापक भुगतान कर दिया गया है. विदित हो कि धनबाद मंडल में सेवानिवृत कर्मचारियों के समापक भुगतान को प्राथमिकता दी जाती है. मंडल प्रशासन सेवानिवृत कर्मचारियों के हितों की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध है. उल्लेखनीय है कि धनबाद मंडल में सेवानिवृत कर्मचारियों के समापक भुगतान की प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने के लिए कई कदम उठाए गए हैं. मंडल प्रशासन सेवानिवृत कर्मचारियों की समस्याओं का समाधान करने के लिए हमेशा तैयार रहता है. इस अवसर पर अपर मंडल रेल प्रबंधक विनीत कुमार द्वारा सेवानिवृत कर्मचारियों को सम्मानित किया गया एवं उनकी सेवाओं के लिए धन्यवाद दिया गया और उनके भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं गई.

फुलारीटांड़ भुइयां टोला में नहीं हुई गोफ की भराई

आक्रोशित ग्रामीणों ने किया बीसीसीएल के खिलाफ प्रदर्शन

शुभम संदेश। मधुबन

बरोरा क्षेत्र के फुलारीटांड पंचायत अंतर्गत भुइयां टोला में बने गोफ की भराई नहीं होने को लेकर गुरुवार को ग्रामीणों का गुस्सा फूट पड़ा. मुखिया प्रतिनिधि दिलीप कुमार विश्वकर्मा के नेतृत्व में दर्जनों महिला, पुरुष और बच्चे गोफ स्थल पर जुटे और बीसीसीएल प्रबंधन के खिलाफ जोरदार नारेबाजी करते हुए विरोध प्रदर्शन किया. ग्रामीणों ने बताया कि दो दिन पहले हुई मूसलाधार बारिश के बाद हिरामन भुइयां के घर के पास लगभग एक मीटर परिधि और 30 फीट गहराई का गोफ बन गया है, जिसमें पानी भरा हुआ है. इससे आसपास के लोग भय और दहशत में हैं. सूचना मिलने पर मुखिया प्रतिनिधि ने एएमपी कोलियरी के पीओ काजल सरकार को इसकी जानकारी दी थी. उनके निर्देश पर बुधवार को बीसीसीएल की टीम ने स्थल का निरीक्षण किया और वरीय अधिकारियों को रिपोर्ट देने की बात कही. लेकिन गुरुवार तक कोई कार्रवाई नहीं होने से नाराज ग्रामीणों ने कहा कि यदि जल्द भराई कार्य शुरू नहीं किया गया, तो उग्र आंदोलन किया जाएगा. उन्होंने चेतावनी दी कि किसी भी अप्रिय घटना की जिम्मेदारी बीसीसीएल प्रबंधन की होगी. ग्रामीणों की मांग है कि बरसात के मौसम को देखते हुए गोफ की त्वरित भराई कर आसपास के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित की जाए.

सोहेल हत्याकांड में चार को उम्र कैद

बीस हजार जुर्माना, नहीं देने पर एक साल अतिरिक्त कारावास

शुभम संदेश। धनबाद

वासेपुर निवासी 20 वर्षीय मोहम्मद सोहेल की हत्या धारदार हथियार से करने के मामले में गुरुवार को जिला एवं सत्र न्यायाधीश दशम मनीष की अदालत ने सजा की बिंदु पर अपना फैसला सुनाया. अदालत ने जेल में बंद मो सद्दाम अंसारी ऊर्फ कासिम, मो शकील अंसारी उर्फ बलिस्टर, मो गुलाम मुस्तफा अंसारी उर्फ मिस्टर व मो शाकिब अंसारी उर्फ भोलू को उम्र कैद एवं बीस बीस हजार रूपये जुर्माना की सजा सुनाई है. जुर्माना की राशि अदा नहीं करने पर इन्हें एक एक साल की अतरिक्त कारावास की सजा काटनी होगी. अभियोजन का संचालन अपर लोक अभियोजक भरत राम ने किया. इस हत्याकांड को लेकर आरा मोड़ मटकुरिया निवासी मोहम्मद अकबर ने बैंक मोड़ थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी. प्राथमिकी के मुताबिक 16 अक्टूबर 2022 को अकबर को फोन पर खबर मिली कि उसका पुत्र मोहम्मद सोहेल (20) जो वासेपुर के गुड़िया खान व जूली खान के घर में रहता था. उसने आरोप लगाया है कि चारों अभियुक्तों ने मिलकर उसके पुत्र सोहेल की हत्या गनी कॉलोनी मारूफगंज सन राइज स्कूल के गली में धारदार हथियार से गला रेतकर कर दी है. मृतक पिछले पांच साल से गुड़िया खान व जूली खान के घर में रहता था. जब भी सोहेल के पिता मो अकबर गुड़िया व जूली दोनों सगी बहन है, घर जाकर अपने पुत्र के बारे में पूछते थे तो दोनों बहन कहती थी कि यहां सोहेल नहीं है जबकि वह वहीं रहता था. पुलिस ने अनुसंधान के उपरांत 16 जनवरी 2023 को अदालत में चारों अभियुक्तों के खिलाफ आरोप पत्र समर्पित किया था. अदालत ने 4 मार्च 2023 को चारों अभियुक्तों के खिलाफ आरोप गठित कर केस का विचारण शुरू किया. केस विचारण के दौरान अभियोजन ने 18 गवाहों की गवाही कराई थी.

एमपीएल के विरोध में कामगार यूनियन करेगा 2 को आंदोलन

निरसा। गुरुवार को एमपीएल कामगार यूनियन की बैठक निरसा गुरुदास भवन पार्टी कार्यालय में महेश मंडल के अध्यक्षता में संपन्न हुई. यूनियन सचिव महेश मंडल ने कहा कि पिछले दिनों दिए गए 10 सूत्री मांग पत्र पर एमपीएल प्रबंधन द्वारा कुछ भी पहल नहीं किया गया. जिससे एमपीएल कामगारों में काफी आक्रोश है. एमपीएल के तानाशाही के विरोध में 2 अगस्त शनिवार को अनिश्चितकालीन आंदोलन की घोषणा की गई. पिछले वर्ष एमपीएल प्रबंधन ने अपने कर्मचारियों को बोनस के रूप में गिफ्ट दिया था, लेकिन एमपीएल के अधीन कंपनियों के कामगारों को कुछ भी नहीं. जिससे कामगारों में काफी आक्रोश है. बैठक में दुर्गा पूजा का बोनस 8.33 % से बढ़ाकर 20% करने, 21000 रू से अधिक वेतनमान वाले कामगारों का जिनका ईएसआईसी नहीं है उसे स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध कराना, सभी कामगारों को प्रमोशन, इंडवेल कंपनी में पीएफ में उचित अंशदान जमा कराना, सभी कामगारों को रात्रि भत्ता दिया जाने की मांग एमपीएल प्रबंधन से दुहराने का निर्णय लिया गया.

कार्यालय अधीक्षक की सेवानिवृत्ति पर उपायुक्त ने किया सम्मान

शुभम संदेश। धनबाद

राजस्व शाखा के कार्यालय अधिक्षक एस.एम. तनवीर, विकास शाखा के कार्यालय अधीक्षक ओम प्रकाश सिंह तथा गोपनीय शाखा के अनुसेवक भोला प्रसाद गुरुवार को सेवानिवृत हुए. इस अवसर पर समाहरणालय में आयोजित विदाई समारोह में उपायुक्त आदित्य रंजन ने तीनों के उज्जवल भविष्य की कामना की. साथ ही उनके अच्छे स्वास्थ्य की कामना की. उपायुक्त ने कहा कि सेवानिवृत तीनों कर्मचारियों से समय - समय पर मार्गदर्शन लिया जाएगा जिससे उनके लंबे अनुभव का लाभ जिला प्रशासन को मिलता रहे. मौके पर उप विकास आयुक्त सादात अनवर, एडीएम लॉ एंड ऑर्डर हेमा प्रसाद, निदेशक डीआरडीए राजीव रंजन के साथ साथ राजस्व, विकास और गोपनीय शाखा के अन्य पदाधिकारी व कर्मचारी उपस्थित थे.

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने प्रदान की रेलवे सैलरी पैकेज के 1 करोड़ की राशि

शुभम संदेश। धनबाद

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने रेलवे सैलरी पैकेज के अंतर्गत एक दुखद हादसे में दिवंगत रेलवे कर्मचारी देवाशीष सरक की पत्नी सुरेखा माजी को 1 करोड़ की दुर्घटना बीमा राशि प्रदान की है. देवाशीष सरक एसबीआई की महुदा शाखा में रेलवे सैलरी पैकेज के तहत वेतन खाता धारक थे. 11 नवंबर 2024 को एक दुर्घटना में निधन हो गया था. इस विशेष पैकेज में शामिल दुर्घटना बीमा सुविधा के अंतर्गत महुदा शाखा ने त्वरित कार्रवाई करते हुए उनका दावा संसाधित किया और 29 जुलाई को 1 करोड़ की बीमा राशि उनकी पत्नी के खाते में जमा कर दी. इस अवसर पर उपमहाप्रबंधक (बीएंडओ) विजय कुमार ने मृतक की पत्नी सुरेखा माजी को स्मृति चेक सौंपा. कार्यक्रम में मीनाक्षी, क्षेत्रीय प्रबंधक रवि रंजन, मुख्य प्रबंधक (डीवीएएस) संतोष कुमार ओझा, शाखा प्रबंधक (महुदा), और अभिषेक बनर्जी, प्रबंधक (कॉर्पोरेट सैलरी) शामिल थे. स्टेट बैंक ऑफ देवाशीष सरक के परिवार के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करता है और हरसंभव सहायता प्रदान करने का आश्वासन देता है.

धनबाद क्लब में 2 अगस्त को सावन के रंग जूही के संग

शुभम संदेश। धनबाद

गुरुवार को हीरापुर एल सी रोड स्थित धनबाद क्लब में क्लब की महिला सदस्यों ने प्रेस वार्ता आयोजित कर आगामी 2 अगस्त को क्लब के ओयस्टर हॉल होने वाले कार्यक्रम सावन के रंग जूही के संग के संदर्भ में मीडिया को विस्तृत जानकारी दी. ममता चौधरी ने बताया की इस सावन के इस एक्सक्लूसिवली फॉर लेडिज कार्यक्रम सेलिब्रेट वाइब्रेंट कलर्स ऑफ मानसून विथ म्यूजिक कलर्स एंड टुगेदरनेस में कोशिश है कि ज्यादा से ज्यादा महिलाएं इस समारोह में शामिल हों. कार्यक्रम में क्लब की महिला सदस्यों समेत अन्य संस्था की महिला गेस्ट भी आमंत्रित हैं. सदस्यों के लिए मात्र 100 रुपये तथा गेस्ट के लिए मात्र 200 रूपये का एंट्री फी रखा गया है. कार्यक्रम में सबसे पहला कार्यक्रम शिव तांडव होगा, तत्पश्चाप रैंप शो होगा जिसमें कोई भी प्रतिभागी भाग ले सकतीं है.विजेता प्रतिभागी को पुरस्कृत किया जायेगा. इसके बाद संगीतमय हाउज़ी गेम और लकी ड्रॉ होंगे. बेहतरीन गायक गीतों की प्रस्तुति करेंगे. स्वादिष्ट व्यंजन के साथ लाइव गीत संगीत भी होंगे. प्रेस वार्ता में ममता चौधरी, किरण गोयनका, सपना अग्रवाल, अंजना चौधरी, आशा डोकानिया, इफत नूरी, बरनाली गुप्ता, नीना छाबड़ा, बरनाली मुखर्जी, अर्चना सिंह, निधि मुंजाल, डॉली गुप्ता के साथ धनबाद क्लब के कोषाध्यक्ष विशाल कक्कड़, जॉइंट सेक्रेटरी रवि भूवानिया और इस इवेंट के डायरेक्टर सिद्धांत शाहबादी उपस्थित थे.

आसनसोल

तृणमूल श्रमिक ने किया रेल प्रशासन के खिलाफ प्रदर्शन

- दुकानदारों का पुनर्वास किए बिना रेलवे की दुकानों को न कराये खाली

शुभम संदेश। पुरुलिया

पुरुलिया ज़िले के आद्रा रेलवे नगर में रेल प्रशासन की कई गतिविधियों के ख़िलाफ़ तृणमूल कांग्रेस के मज़दूर संगठन ने बुधवार को हज़ारों तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं और समर्थकों के साथ आद्रा बंगाली समिति से एक विशाल जुलूस निकाला और आद्रा नगर का भ्रमण करते हुए आद्रा डीआरएम कार्यालय का घेराव कर प्रदर्शन किया. इस प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व तृणमूल वर्कर्स ऑर्गनाइजेशन के रघुनाथपुर नंबर 1 ब्लॉक अध्यक्ष तूफान कुमार रॉय ने किया. प्रतिनिधिमंडल में तृणमूल कांग्रेस के पूर्व जिला अध्यक्ष सौमेन बेलथरिया, पूर्व कॉमेंटर जॉय बनर्जी, जिला परिषद सदस्य सरस्वती बाउरी और कई तृणमूल कांग्रेस नेता शामिल थे. कार्यकर्ताओं के भारी विरोध को देखते हुए रेलवे के अधिकारियों के द्वारा बड़ी संख्या में रेलवे पुलिस और राज्य पुलिस बलों को नियुक्त किया गया था. ब्लॉक अध्यक्ष तूफान कुमार रॉय ने कहा कि हमने अपनी मांगों को लिखित रूप में रेलवे अधिकारियों तक पहुँचाया. रेलवे अधिकारियों ने हमारी मांगों को सुना और कहा कि वे उच्च अधिकारियों को इससे अवगत कराएँगे. उन्होंने यह भी कहा कि अगर हमारी मांगें नहीं मानी गईं तो हम बड़ा आंदोलन करने को मजबूर होंगे. पूर्व जिला अध्यक्ष सौमेन बेलथरिया ने कहा कि हमने रेलवे अधिकारियों से सभी मांगों पर चर्चा की और उन्हें समझाया कि रेलवे पर केवल भाजपा का शासन नहीं है. आपको जनता के बारे में सोचना चाहिए, वरना और भी बड़ा आंदोलन करेंगे. उल्लेखनीय है कि प्रमुख मांगों में आद्रा रेल नगरी के दुकानदारों का पुनर्वास किए बिना रेलवे की दुकानों को खाली न कराये जाने, आद्रा रेल नगरी में ओवरब्रिज और अंडरपास बनने तक रेलवे क्रॉसिंग को बंद नहीं किये जाने, आद्रा रेलवे अस्पताल की स्वास्थ्य सेवाएं बहाल किये जाने आदि शामिल थी.

सेल के अधिकारियों से मिले डिप्लोमा इंजीनियर्स, सौंपा ज्ञापन

शुभम संदेश। बर्नपुर

सेल में कार्यरत युवा डिप्लोमा इंजीनियर कर्मचारियों के फ्यूचर ग्रोथ के मुद्दे को लेकर डिप्लोमा इंजीनियर्स फेडरेशन ऑफ इस्पात डेफ़ी (सेल के सभी यूनिट के डिप्लोमा प्रतिनिधि) सेल कॉरपोरेट कार्यालय दिल्ली में कार्यपालक निदेशक (मानव संसाधन) बीएस पोपली एवं मुख्य महाप्रबंधक, (मानव संसाधन) हरि मोहन झा से मिले. वर्तमान जूनियर इंजीनियर पद एस-9 ग्रेड से नीचे लाकर सेक्शन इंजीनियर पदनाम एस-9 ग्रेड में देने कि मांग की. साथ ही वर्तमान ई-0 गैर कार्यपालक से कार्यपालक प्रोमोशन पालिसी (जूनियर मैनेजर प्रोमोशन पालिसी) में बदलाव कि मांग करते हुए डिप्लोमा इंजीनियरों को एस-6 ग्रेड से ई-0 परीक्षा की पात्रता देने पर विस्तृत चर्चा की. इसके अलावा ई-0 परीक्षा में डिप्लोमा इंजीनियरों के उच्च योग्यता ओर अनुभव के अंकों की गिनती उनके जॉइनिंग डेट से करने तथा बीटेक कर रहे सेल कर्मचारियों को एजुकेशन इंसेंटिव 10,000 रु से बढ़ाकर 50,000 रुपए करने पर भी जोर दिया गया. प्रतिनिधिमंडल में आईएसपी से लव कुमार मन्ना, गौतम नंदी, मीर मुशर्रफ अली, बीएसएल से संदीप कुमार, डीएसपी से नंद किशोर घोष वैराग्य, गौरव शर्मा, बीएसपी से राजेश शर्मा, तारकेश्वर, आरएसपी से तन्मय समल मौजूद थे.

न्यूज अपडेट

झालदा की जिया नेशनल योग चैंपियनशिप आंध्र प्रदेश के लिए हुई चयनित

पुरुलिया (शुभम संदेश)। एबीवाईएसए द्वारा बोलपुर के भारत सेवाश्रम संघ में आयोजित राज्य चैम्पियनशिप योग प्रतियोगिता 2025 में झालदा की जिया कांडू ने सबका ध्यान अपनी ओर खींचा. झालदा योग एवं संस्कृति संघ और झालदा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय की छात्रा जिया ने 'कलात्मक एकल' वर्ग में प्रथम स्थान प्राप्त कर राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता में अपना स्थान पक्का कर लिया है. प्रशिक्षक पार्थ मोदक ने बताया कि राष्ट्रीय प्रतियोगिता आंध्र प्रदेश में आयोजित की जाएगी. ज़िया ने ज़िला स्तरीय प्रतियोगिता में भी प्रथम स्थान प्राप्त किया था. फिर, राज्य स्तर पर अपनी सफलता जारी रखते हुए, वह राष्ट्रीय स्तर पर पहुँची. झालदा गर्ल्स हायर सेकेंडरी स्कूल में जिया को उसनकी उपलब्धि के लिए सम्मानित किया गया. स्कूल की प्रभारी शिक्षिका अपर्णा चटर्जी और प्रमुख समाजसेवी बलराम मंडल ने जिया को बधाई दी और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की. जिया की इस सफलता पर पूरे झालदा को गर्व है.

संविधान उत्सव में भाग लेंगे पत्रकार विकास शर्मा

कुल्टी (शुभम संदेश)। बराकर निवासी पत्रकार विकास कुमार शर्मा आगामी 2 अगस्त से तीन दिवसीय राष्ट्रीय स्तरीय संविधान उत्सव में भाग लेंगे. मध्य भारत की सामाजिक संस्था विकास संवाद द्वारा गांधी आश्रम सेवाग्राम वर्धा, महाराष्ट्र में आयोजित उक्त कार्यक्रम में देश भर से आमंत्रित 150 बुद्धिजीवी जिनमें शोधकर्ता, पत्रकार, अध्यापक, अधिवक्ता तथा गैर सरकारी संगठनों के प्रतिनिधि शामिल होंगे. कार्यक्रम के मुख्य वक्ताओं में बंबई हाई कोर्ट के न्यायमूर्ति गौतम शिरीष पटेल, दिल्ली के वरिष्ठ पत्रकार राशिद किदवई, भारतीय जनसंचार संस्थान के प्रोफेसर डॉ आनंद प्रधान, सुप्रीम कोर्ट ऑफ इंडिया के वरिष्ठ अधिवक्ता संजय पारिक अपने विचार रखेंगे और प्रतिभागियों की संविधान को लेकर समझ को विकसित करने में मदद करेंगे. विकास संवाद के निदेशक सचिन जैन ने बताया कि इस कार्यक्रम के माध्यम से हमारी कोशिश है कि संविधान के उत्सव में हम अधिक से अधिक उन लोगों, प्रयासों व संकल्प को जुटा सकें जो देश भर में संवैधानिक मूल्यों को गति तथा दिशा देने के लिए काम कर रहे हैं.

सेवानिवृत्त कर्मचारियों के सम्मान में समारोह

सांकतोड़िया (शुभम संदेश)। ईसीएल मुख्यालय के संकल्प हॉल में गुरुवार को सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों के सम्मान में समारोह का आयोजन किया गया. समारोह में कंपनी के विभिन्न विभागों से सेवानिवृत्त होने वाले पांच कर्मचारियों को सम्मानित किया गया. सेवानिवृत्त होने वालों में जसविंदर सिंह घुमन (राजभाषा),असित वरन खवास (ई एंड एम) बैद्यनाथ कर्मकार (सांकतोड़िया अस्पताल), गोपाल रविदास (सांकतोड़िया अस्पताल),जी चंद्रैया (ई एंड टी) डिपार्टमेंट शामिल है. ईसीएल के निदेशक गुंजन कुमार सिन्हा (मानव संसाधन) ने सेवानिवृत्त कर्मियों को अंगवस्त्र, श्रीफल, स्मृति चिन्ह व प्रशस्ति पत्र प्रदान किया. सिन्हा ने कहा कि सेवानिवृत्त हो रहे कर्मी केवल सहकर्मी नहीं, बल्कि कोल इंडिया परिवार की मजबूत नींव रहे हैं. हम उनके समर्पण व योगदान को हमेशा याद रखेंगे. इस दौरान सेवानिवृत्त कर्मियों ने अपने अनुभव साझा किये.

ईसीएल ने किया उपभोक्ता सम्मेलन का आयोजन

सांकतोड़िया (शुभम संदेश)। कोल इंडिया लिमिटेड की अनुषंगी कंपनी ईसीएल ने गुरुवार को ईसीएल अध्यक्ष-सह-प्रबंध निदेशक सतीश झा की गरिमामयी अध्यक्षता में एक व्यापक उपभोक्ता सम्मेलन का आयोजन किया. इस कार्यक्रम में आयात-आधारित कोयला बिजली संयंत्रों, केंद्रीय एवं राज्य विद्युत उत्पादन कंपनियों, स्वतंत्र विद्युत उत्पादकों (आईपीपी) और अन्य सम्मानित उपभोक्ताओं के प्रतिनिधियों सहित विभिन्न हितधारकों की सक्रिय भागीदारी देखी गई. बैठक का प्राथमिक उद्देश्य खुले संवाद को बढ़ावा देना, फीडबैक एकत्र करना और 'आत्मनिर्भर भारत' और राष्ट्र के लिए ऊर्जा सुरक्षा के व्यापक दृष्टिकोण के अनुरूप विश्वसनीय कोयला आपूर्ति, बढ़ी हुई पारदर्शिता और सहयोगी साझेदारी के लिए ईसीएल की प्रतिबद्धता को और मजबूत करना था. अध्यक्ष सतीश झा ने गुणवत्तापूर्ण कोयला उत्पादन, समय पर डिलीवरी और उत्तरदायी ग्राहक सेवा पर ईसीएल के फोकस को दोहराया.

श्री मारवाड़ी विद्यालय में मनी महाकवि तुलसी दास की जयंती

शुभम संदेश। बराकर

बराकर श्री मारवाड़ी विद्यालय में गुरुवार को महाकवि तुलसी दास के जयंती धूमधाम से मनायी गयी. छात्र-छात्राओं ने संत तुलसीदास के तस्वीर पर पुष्प अर्पित कर नमन किया. छात्र-छात्राओं ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए. विद्यालय में मुख्य अतिथि स्कूल के अध्यक्ष अजय प्रताप सिंह, स्कूल शिक्षक प्रभारी दीपिका राय सहित शिक्षक शिक्षिकाओं ने कवि संत तुलसी दास को श्रद्धांजलि देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया. कार्यक्रम का संचालन स्कूल के शिक्षक जैनेन्द्र पाण्डे एवं पिंटू कुमार प्रियदर्शिनी ने किया. कार्यक्रम में स्कूल छात्राओं ने रामायण के कई दृश्यों को नाट्य के रूप में प्रस्तुत कर सभी का मन मोह लिया. इस दौरान नाटकीय दृश्य में रामायण की मुख्य पात्र के रूप में चर्चित, कैकयी, मंथरा एवं सूर्पनखा के दृश्य शामिल थे. वहीं बच्चों के बीच प्रश्नमंच प्रतियोगिता का भी आयोजन हुआ. सही जवाब देने वाले बच्चों को पुरष्कृत कर सम्मानित किया गया. कार्यक्रम को सफल बनाने में स्कूल के पीआई जितेश सिंह, चंदन झा, शिक्षक सुदर्शन कुमार सुधांशु, चैताली चौधरी, अभिजीत भगत, संदीप मुखर्जी, राजेश बर्णवाल सहित सभी शिक्षकों का अहम योगदान रहा.

बराकर शिव शक्ति समिति शिव धाम ने कराया अखंड कीर्तन

बराकर (शुभम संदेश)। बराकर शिव शक्ति समिति शिव धाम मंदिर नदी तट की ओर से चौबीस घंटा व्यापी हरिनाम संकीर्तन गुरुवार को प्रारंभ हुआ. दोपहर बाबा भोले के भव्य श्रृंगार के साथ पूजा अर्चना की गई. पंडितों ओर विद्वानों द्वारा मंत्रोच्चार के साथ चौबीस घंटा व्यापी अखंड का शुभारंभ किया गया. इस दौरान स्थानीय पार्षद प्रतिनिधि, पूर्व पार्षद पप्पू सिंग, सामाजिक संस्था के लोग मुख्य रूप से शामिल हुए. मंदिर कमिटी की ओर से गणमान्य लोगों को सम्मानित किया गया. आयोजन समिति ने बताया कि शुक्रवार को पूर्णाहुति की जाएगी. उसके पश्चात मंदिर कमिटी की ओर से महा प्रसाद का आयोजन किया जाएगा. कार्यक्रम में बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित हुए और अखंड कीर्तन में भाग लिया. मंदिर कमिटी के सचिव अमरजीत गुप्ता ने बताया कि बाबा का श्रृंगार ,प्रसाद हवन, ओर चौबीस घंटा व्यापी अखंड कीर्तन में श्रद्धालुओं उत्साह से शामिल हो रहे है.

पश्चिम बर्धमान जिला तृतीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन

शुभम संदेश। बर्नपुर

जिला स्कूल खेल एवं क्रीड़ा परिषद्, पश्चिम बर्धमान के तत्वावधान में गुरुवार को बर्नपुर बॉयज़ हाई स्कूल में तृतीय जिला स्तरीय टेबल टेनिस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया. इस प्रतियोगिता में उन प्रतिभाशाली विद्यार्थियों ने भाग लिया, जिन्होंने पूर्व में उप-मंडल स्तरीय चयन प्रतियोगिता में सफलता प्राप्त की थी. प्रतियोगिता में कुल 18 छात्र/छात्राएं विजयी घोषित किए गए, जो अब आगामी माह सिलीगुड़ी में आयोजित होने वाली राज्य स्तरीय स्कूल गेम्स में पश्चिम बर्धमान जिला का प्रतिनिधित्व करेंगे. इस अवसर पर कई गणमान्य अतिथियों की उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा बढ़ाई, जिनमें प्रमुख रूप से आईएसपी के सीजीएम (एचआर), जितेन्द्र कुमार, एजीएम (एचआर-शिक्षा) ट्यूलिप लकड़ा, जिला स्कूल खेल एवं क्रीड़ा परिषद्, पश्चिम बर्धमान के सचिव कौशिक सरकार, राष्ट्रीय स्कूल गेम्स (बॉक्सिंग) के संयोजक परमजीत सिंह, आईएसपी की प्रबंधक (शिक्षा), मीता ढल, धाल, बर्नपुर बॉयज़ हाई स्कूल के उप प्रधानाध्यापक मोहम्मद कुद्दूस खान आदि शामिल थे. इसके अतिरिक्त विद्यालय के शिक्षकगण, कर्मचारी, अभिभावक, प्रशिक्षक और छात्र-छात्राओं की बड़ी संख्या में अभिभावकों की भी उपस्थिति रही. इस दौरान आयोजकों ने सभी प्रतिभागियों को शुभकामनाएं दीं और राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए विजेताओं को बधाई दी.

मत्स्य पालन आजीविका का बेहतर जरिया

आज भारत मत्स्य उत्पादक देश के रूप में उभर रहा है। एक समय था, जब मछलियों को तालाब, नदी या सागर के भरोसे रखा जाता था। बदलते वैज्ञानिक परिवेश में इसके लिए कृत्रिम जलाशय बनाए जा रहे हैं, जहां वे सारी सुविधाएं उपलब्ध होती हैं जो प्राकृतिक रूप में नदी, तालाब और सागर में होती हैं। छोटे शहरों और गांवों के वे युवा, जो कम शिक्षित हैं वे भी मछली पालन उद्योग लगा कर अच्छी आजीविका अर्जित कर सकते हैं। देश के लाखों लोगों का चूल्हा इसी उद्योग से जलता है। मछली पालन उद्योग ज्यादातर तटीय इलाकों पर ही फलता-फूलता है।

आर्थिक सुदृढ़ता में सहायक

मत्स्य पालन ने वर्ष 2008 में भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 1 प्रतिशत से अधिक का योगदान दिया। भारत में मछली पकड़ने के व्यवसाय में लगभग 14.5 लाख लोग जुड़े हुए हैं। विश्व के लगभग आधे देश भारत में पैदा होने वाली मछली का उपभोग करते हैं। इस प्रकार यह उद्योग आर्थिकी को सुदृढ़ करने के साथ-साथ रोजगार भी देता है। पिछले कुछ दशकों के दौरान भारतीय मत्स्य पालन और जलीय कृषि शिल्प में सुधार देखा गया है। मछली पकड़ने से आर्थिक लाभ के लिए भारत सरकार ने विशेष आर्थिक पैकेज अपनाया है। इसके लिए हिंद महासागर का 370 किलोमीटर और 2 लाख वर्ग किलोमीटर से अधिक का क्षेत्र इसमें शामिल किया गया है।

प्रमुख प्रशिक्षण संस्थान

- अंतरदेशीय मत्स्य संस्थान, केरल
- केंद्रीय संस्थान मत्स्य प्रौद्योगिकी, कोच्चि
- केंद्रीय मत्स्य समुद्री और इंजीनियरिंग प्रशिक्षण संस्थान जुहु, मुंबई
- मत्स्य पालन केंद्रीय तटीय इंजीनियरिंग संस्थान, बंगलूर
- सेंट्रल इन्लैंड फिशरीज रिसर्च इंस्टीच्यूट बैरकपुर, कोलकाता
- सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी, कोचीन
- सेंट्रल इंस्टीट्यूट फेश वाटर एक्वाकल्चर भुवनेश्वर, ओडिशा
- डायरेक्टरेट ऑफ कोल्ड वाटर फिशरीज रिसर्च इंस्टीच्यूट भीमताल, उत्तराखंड
- पंजाब एग्रीकल्चर यूनिवर्सिटी, लुधियाना
- इसके अलावा भारत में 19 मत्स्य पालन से संबंधित कालेज हैं और एक मत्स्य पालन विश्वविद्यालय (सीआईएफई) इस क्षेत्र में प्रचार-प्रसार कर रहा है।

शैक्षणिक योग्यता

मत्स्य पालन में तकनीकी ज्ञान का विशेष महत्व होता है। तकनीकी कौशल का होना अनिवार्य है, लेकिन अगर अभ्यर्थी ने बीएससी मेडिकल साइंस अथवा जूलॉजी जैसे विषयों में विधिवत शिक्षा प्राप्त की हो तो सुविधा रहती है। इस क्षेत्र में डीएफएसए और एमएससी की डिग्री भी होती है।

वेतनमान

मत्स्य पालन में आमदनी इस बात पर निर्भर करती है कि आपने मछली पालन को किस स्तर पर अपनाया हुआ है और किस प्रजाति की मछली को पालन के लिए चुना है। वैज्ञानिक तरीके से मछली पालन करने पर प्रति महीने एक लाख तक आमदनी हो सकती है।

चुनौतियां कम नहीं

इस व्यवसाए से जुड़े लोग जोखिम भरी जिंदगी जीते हैं। समुद्र की लहरों से जूझने का जज्बा रखने वाले लोग ही इस करियर में कामयाब होते हैं। कभी-कभी तो ऐसे समाचार भी सुनने को मिलते हैं कि पाकिस्तान या दूसरे किसी देश ने हमारे मछुआरों को कैद कर लिया यानी कि मछली पकड़ते हुए दूसरे देश की हद में निकल जाते हैं और फिर घुसपैठ का आरोप लगाकर दूसरे देश द्वारा गिरफ्तार कर लिए जाते हैं। इस क्षेत्र में अपना रोजगार शुरू करने वाले को तालाब बनाने पर काफी खर्च करना पड़ता है। कभी-कभी तो ऋण लेने की नौबत भी आ जाती है। इसके अलावा कई बार मछलियां किसी बीमारी का शिकार हो जाती हैं, तो फिश फारम चलाने वालों को बड़ा आर्थिक नुकसान भी झेलना पड़ता है।

इमिटेशन ज्वेलरी उद्योग का अच्छा पर्याय

आजकल इमिटेशन ज्वेलरी ने 9 हजार करोड़ के उद्योग की सीमा लांघ ली है। अमीर लोगों में इमिटेशन ज्वेलरी का ट्रेंड इन दिनों बहुत बढ़ा है। इसलिए इस क्षेत्र में भी कॅरियर की संभावनाएं बढ़ गई हैं।

आजकल इमिटेशन ज्वेलरी ने 9 हजार करोड़ के उद्योग की सीमा लांघ ली है। अमीर लोगों में इमिटेशन ज्वेलरी का ट्रेंड इन दिनों बहुत बढ़ा है। इसलिए इस क्षेत्र में भी कॅरियर की संभावनाएं बढ़ गई हैं। इस क्षेत्र में अब प्रीमियम क्वालिटी रेंज आ गई है जिसमें गोल्ड, सिल्वर व प्लेटिनिम ज्वेलरी का समावेश है। इस क्षेत्र की विशेषता यह है कि इसके सभी प्रोडक्ट्स, फैंसी होने के कारण मटेरियल को बहुत ज्यादा महत्व न होकर सारा फोकस फैशन, पॉलिश व फिनिशिंग पर बहुत ज्यादा होता है। इस कारण इस इमिटेशन ज्वेलरी उद्योग में मार्जिन ऑफ प्रॉफिट भी बहुत है।

सोने की दिनोंदिन बढ़ती कीमतें, चोरी के डर के चलते इस इमिटेशन ज्वेलरी का बिजनेस बहुत लोकप्रियता हासिल कर रहा है। हर व्यक्ति अपना कॅरियर बनाना चाहता है आवश्यकता होती है अच्छा और दमदार पर्याय ढूढ़ निकालने का। आजकल इमिटेशन ज्वेलरी ने 9 हजार करोड़ के उद्योग की सीमा लांघ ली है। अमीर लोगों में इमिटेशन ज्वेलरी का ट्रेंड इन दिनों बहुत बढ़ा है। इसलिए इस क्षेत्र में भी कॅरियर की संभावनाएं बढ़ गई हैं। आजकल इस युग में नकली का बोलबाला है। असली कुछ मिलता ही नहीं। यहां तक कि जहर भी नकली आने लगा है। खाने के बाद भी आदमी जिन्दा बच जाता है।

इस क्षेत्र में अब प्रीमियम क्वालिटी रेंज आ गई है जिसमें गोल्ड, सिल्वर व प्लेटिनिम ज्वेलरी का समावेश है। इस क्षेत्र की विशेषता यह है कि इसके सभी प्रोडक्ट्स, फैंसी होने के कारण मटेरियल को बहुत ज्यादा महत्व न होकर सारा फोकस फैशन, पॉलिश व फिनिशिंग पर बहुत ज्यादा होता है। इस कारण इस इमिटेशन ज्वेलरी उद्योग में मार्जिन ऑफ प्रॉफिट भी बहुत है। सोने की दिनोंदिन बढ़ती कीमतें, चोरी के डर के चलते इस इमिटेशन ज्वेलरी का बिजनेस बहुत लोकप्रियता हासिल कर रहा है। अब समाज का हर वर्ग न सिर्फ धनी और उच्च बल्कि मध्यम वर्ग भी इस तरफ आकर्षित होने लगा है। इस व्यवसाय में खास धूम मचाने वाले पूरे विश्व में सिर्फ दो ही देश है- पहला भारत और दूसरा चीन।

इस इमिटेशन ज्वेलरी के निर्माण में चीन पहले क्रमांक पर है। भारत में इस व्यवसाय में 900 हजार करोड़ का लेन-देन होता है और लगभग पांच लाख लोगों को इस क्षेत्र में रोजगार भी उपलब्ध हो रहा है। परन्तु बड़े अफसोस के साथ कहना पड़ता है कि बीते दो सालों में चीन ने भारत से 30 प्रतिशत व्यवसाय छीन लिया है। इस प्रकार का कब्जा भारत में इमिटेशन ज्वेलरी के लिए खतरे की घंटी साबित हो सकता है। इमिटेशन ज्वेलरी के आन-लाइन विक्रय का प्रतिशत मात्र एक है। अभी इसमें काफी सुधार लाने की आवश्यकता है। अनुमानतः इस उद्योग को घरेलू उद्योग में गिना जा सकता है। क्योंकि 20 से 30 लाख तक का रॉ मटेरियल लाकर घर में ही चार-पांच महिलाएं मिलकर ज्वेलरी का काम शुरू कर सकती हैं। इस ज्वेलरी का निर्यात कर पाना भी संभव हो सकेगा। जब उसके निर्माण में नए-नए डिजाइन का इस्तेमाल करें। इस उद्योग में हर साल 20 प्रतिशत की वृद्धि भी संभव हो सकती है। यदि हम भारत की ही बात करें तो सिर्फ महानगरी मुंबई में ही तीन हजार से अधिक उद्योजक इस व्यवसाय से जुड़े हैं।

ये सभी व्यवसायी उत्पादन, ट्रेडिंग निर्यात प्रोसेसिंग, रॉ मटेरीयल इत्यादि क्षेत्रों से जुड़े हैं। इन सब का टर्न ओव्हर से 1 लेकर 50 करोड़ तक का है। मुंबई की तर्ज पर ही यह उद्योग गुजरात और राजस्थान में भी फल-फूल रहा है। यदि उद्योजकों ने नई कनीक का लाभ उठाते हुए ई-कामर्स के माध्यम से पूरे विश्व में ज्वेलरी का विक्रय किया तो वो दिन दूर नहीं जब इस इमिटेशन ज्वेलरी का ग्राहक हाथों हाथ झेल लेगा। इस व्यवसाय को यदि आज का तरुण वर्ग या तरुणियां अपनाना चाहती हैं तो उन्हें पांच कामगार 500 वर्गफुट जगह, ई-कामर्स वेबसाईट का ज्ञान और मार्केटिंग का टेक्ट मालूम होना आवश्यक है।

कम लागत

इस व्यवसाय को शुरू करने के लिए लागत (कैपिटल) 20 से 30 लाख रुपए अनुमानित हो सकती है। इस ज्वेलरी में 20 से 25 प्रतिशत नफा सहज रूप से प्राप्त किया जा सकता है। यह व्यवसाय अच्छा चल जाए तो लागत को देखते हुए एक साल में एक कोटि तक पहुंचा सकता है। इमिटेशन ज्वेलरी का मार्केट, यूरोप, अफ्रीका, अमेरिका और एशियाई देशों में बहुत बड़े प्रमाण पर होता है। यदि युवाओं ने मेहनत और लगन के साथ व्यवसाय किया तो न सिर्फ यह शहरों तक सीमित रहेगा बल्कि गांव, कस्बों तक फैलाया जा सकता है। इस उद्योग के शुरू होने के साथ-साथ रोजगार के अवसर भी उपलब्ध हो सकते हैं। हम चाहेंगे युवा बेझिझक इस क्षेत्र में आएं। अच्छा कैरियर बनाएं, नाम कमाएं, निर्णय उन्हें लेने दें।

कोर्स के दौरान

तेज़ी से बढ़ते इस क्षेत्र की डिमांड लोगों को इसमें करियर बनाने के लिए आकर्षित कर रही है। ज्वेलरी डिज़ाइन कोर्स के दौरान अलग-अलग पत्थरों, ज्वेलरी बनाने में कलर कॉम्बिनेशन, डिज़ाइन थीम, प्रेज़ेंटेशन, फ्रेमिंग, कॉस्ट्म ज्वेलरी आदि सिखाया जाता है।

तकनीकी शिक्षा

ज्वेलरी डिज़ाइन कोर्स के दौरान कम्प्यूटर एडेड ज्वेलरी सॉफ्टवेयर, जैसे- ज्वेल कैड, ऑटो कैड, 3 डी स्टूडियो आदि के बारे में टेक्निकल नॉलेज भी दिया जाता है। इसके साथ ही फोटोशॉप, कोरल ड्रॉ, वेट एंड मेटल कम्पोजिशन के बारे में भी बताया जाता है।

प्रमुख संस्थान

- जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया, मुंबई।
- सेंट जेवियर्स कॉलेज, मुंबई।
- जैमस्टोन्स आर्टिसन्स ट्रेनिंग स्कूल, जयपुर।
- इंडियन जैमोलॉजी इंस्टीट्यूट, नई दिल्ली।
- जैम एंड ज्वेलरी एक्सपोर्ट प्रमोशन काउंसिल, जयपुर।
- नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ फैशन टेक्नोलॉजी, नई दिल्ली।
- ज्वेलरी डिज़ाइन एंड टेक्नोलॉजी इंस्टीट्यूट, नोएडा।
- एसएनडीटी यूनिवर्सिटी, मुंबई।

ग्लोबल मार्केट और फैशन के प्रति रुचि होना बहुत ज़रूरी

ज्वेलरी डिज़ाइन में करियर बनाने के लिए सबसे पहले इस क्षेत्र के प्रति लगाव और ज्वेलरी डिज़ाइन का सेंस होना बहुत ज़रूरी है। इसके साथ ही क्रिएटिव, कल्पनाशील, न्यू ट्रेंड का सेंस, फैशन सेंस आदि के साथ मेहनती होना बहुत आवश्यक है। ज्वेलरी डिज़ाइन में करियर बनाने की सोच रहे हैं, तो धैर्य को अपना साथी बना लें। इस काम में ईमानदारी भी बहुत ज़रूरी होती है। ख़ासतौर पर अगर आप किसी गोल्ड, डायमंड जैसी धातुओं से ज्वेलरी बनाने में लगे हैं, तो थोड़ी सी भी लापरवाही आपके व्यक्तित्व पर प्रश्न चिह्न लगा सकती है। ग्लोबल मार्केट और फैशन के प्रति रुचि होना बहुत ज़रूरी है।

रोजग़ार के अवसर

ज्वेलरी डिज़ाइन में आगे बढने के लिए बहुत स्कोप है। कोर्स करने के बाद आप फुल टाइम किसी कंपनी के साथ जुडक़र काम शुरु कर सकते हैं। ज्वेलरी डिज़ाइन हाउस, एक्सपोर्ट हाउस, फैशन हाउस आदि जगहों पर आप काम शुरु कर सकते हैं। इसके साथ ही अगर आप आर्थिक रूप से मज़बूत हैं, तो ऑफिस-कम होम से भी काम शुरु कर सकते हैं। घर से काम शुरु करने के कई फ़ायदे होते हैं। घर के काम के अलावा आप अपने करियर को भी संवार सकते हैं। इतना ही नहीं दिन में किसी ऑफिस में काम करके आप घर पर पार्ट टाइम इस काम को जारी रख सकते हैं। आप अगर किसी कंपनी से फुल टाइम नहीं जुडऩा चाहते तो फ्रीलांस के तौर पर काम शुरू कर सकते हैं। इससे आप मनमुताबिक़ पैसा कमा सकते हैं।

खुद को दूसरे से कम न आंकिए

सफलता का पहला मंत्र है प्रयत्न करना। यदि आप प्रयत्न करने को तत्पर हो जाते हैं, तो आधी सफलता तो आपको मिल गई समझो। कहा भी तो है कि अच्छी शुरुआत यानी आधी सफलता। सफलता का दूसरा मंत्र है कि अपने मन में हीन भावना न आने दें।

सफलता मिलने की आशा नहीं है, तो इस का मतलब यह नहीं कि कोशिश ही न करें। असफलता मिलने की उम्मीद के कारण कोई कार्य ही न करें। कार्य करें और अपनी ओर से पूर्ण मेहनत के साथ कार्य करें। पर अगर मन में जरा-सी भी शंका हो तब उस शंका का निवारण जरूरी है। दरअसल प्रयत्न और भीतर की आवाज सुनने में एक तरह से संतुलन बैठाना होता है और जिसने सही तरीके से संतुलन बिठा लिया, उसकी सफलता की दर बढने की संभावना रहती है, क्योंकि वह अपनी गलतियों को स्वयं के सामने रखने का माद्दा रखता है। कई बार ऐसा होता है कि स्टूडेंट्स दूसरों के ओपिनियन के आधार पर अपने बारे में गलत राय बना लेते हैं। याद रखिए जो कामयाब हैं वे इसलिए कि वे अपने को किसी से कम नहीं आंकते। वे हमेशा अपनी बेहतर चीजों पर फोकस करते हुए अपना सेल्फ कान्फिडेंस बढ़ाते रहते हैं और अपनी पर्सनेलिटी को चमकाते रहते हैं। इसलिए अपने भीतर झांकिए और दूसरों से अपने को बिलकुल कम मत आंकिए कई स्टूडेंट्स इस प्रॉब्लम से जूझते दिखाई देते हैं। न तो उनका फिजिकल अपीरियंस अच्छा है न उनकी चाल न उनकी आवाज अच्छी है और न एटीच्यूड। वे दूसरों की धारणा पर अपने बारे में राय बना लेते हैं और परेशान रहते हैं। वे अपनी स्टडी, कैरियर और लाइफ से नाखुश रहते हैं। इसलिए वे कोशिश करते हैं कि वे कुछ और हो जाएं। कामयाब होने की पहली सीढ़ी है अपने को स्वीकार करना, अपने को प्यार करना और अपनी गलतियों को भुला देना। इसकी आज से ही शुरुआत कर दीजिए। यहां दी जा रही कुछ टिप्स को अपनाएं और आगे बढ़ जाएं। गौरतलब है कि सबसे पहली बात तो यह है कि अपने बारे में तमाम नापसंद बातों को भूल जाएं। आपको लगता है कि न तो आप स्मार्ट हैं और न ही हंबल, यह सब निगेटिव थिंकिंग का रिजल्ट है। इसलिए अपने बारे में अच्छी बातें सोचिए। अपने बारे में दूसरों की राय को ज्यादा महत्त्व मत दीजिए और अपने को सफल होते देखने की आदत डालिए।

आत्मविश्वास बड़ाने का एक आसान और सहज तरीका है अपने को आईने में देखना। आईने के समाने खड़े होकर अपने से लगातार कहते रहिए कि आप यूनिक हैं, हैंडसम हैं या ब्यूटीफुल हैं। सेल्फ कान्फिडेंस हासिल करने के बाद उस तरफ बढने की कोशिश करिए, जो आप हासिल करना चाहते हैं। अपने बारे में तमाम अच्छी बातें या अपनी क्वालिटीज को लिख लें और कमजोरियों को भी लिख लें। यदि आपको लगता है कि आप जल्द ही इमोशनल हो जाते हैं या हर्ट हो जाते हैं तो उसकी जड़ों को समझने की कोशिश करिए। इससे आप अपने ही बारे में बेहतर अंडरस्टैंडिंग बना पाएंगे। दुनिया में तमाम ऐसे उदाहरण हैं कि जिनके पास खूब पैसा और शोहरत थी, लेकिन वे कभी अपनी जिंदगी में खुश नहीं रह पाए। जाहिर है खुशी बाहर नहीं, भौतिक सुख-सुविधाओं में नहीं। यह पूरी तरह आप पर निर्भर है कि आप खुश रहना चाहते हैं कि दुखी। इसलिए अपने भीतर सदा ग्रीनर साइड ही देखें। अपने बारे में हमेशा सकारात्मक सोचें। क्योंकि आपकी सोच ही आपकी जिंदगी का आईना होती है। मनुष्य जैसा सोचता है, वैसा ही बन जाता है। तो क्यों न ऐसा सोचा जाए कि आप अच्छे बन जाएं। नकारात्मक सोच आपको असफलता के धुंधलके में ले जाती है। कोई आपको लाख सलाह दे, पर जब तक आप स्वयं अपने मन को नकारात्मक सोचने से मना नहीं करेंगे, तब तक कुछ नहीं होगा। सफलता का सफर सकारात्मकता से शुरू हो कर उपलब्धियों पर आकर खत्म होता है और असफलता का तो कोई सफर ही नहीं होता। असफलता खुद-ब खुद आपके द्वार आ जाती है। और यदि आप कुछ करें तो यही असफलता सफलता में तबदील हो सकती है। सफलता का पहला मंत्र है प्रयत्न करना। यदि आप प्रयत्न करने को तत्पर हो जाते हैं, तो आधी सफलता तो आपको मिल गई समझो। कहा भी तो है कि अच्छी शुरुआत यानी आधी सफलता। सफलता का दूसरा मंत्र है कि अपने मन में हीन भावना न आने दें। अपने को दूसरों से हमेशा बेहतर समझें। आप यह मानकर चलें कि जो काम आप कर सकते हैं, वह कोई दूसरा नहीं कर सकता। आप अपने आप को इस विश्व का अद्वितीय इनसान समझें। यह धारणा आप में आत्मविश्वास पैदा करेगी। ध्यान रहे कि इस दरमियान अपने ऊपर अभिमान को हावी न होने दें। क्योंकि यदि आप के मन में अहंकार घर कर गया तो आप सब कुछ गंवा बैठेंगे।

मंथन

झारखंड में सभी आदिवासी प्रतिभा को पंख देने की पहल

झारखंड सरकार द्वारा 300 आदिवासी छात्र-छात्राओं को नीट और जेईई जैसी प्रतिष्ठित प्रतियोगी परीक्षाओं की मुफ्त कोचिंग देने की योजना स्वागतयोग्य और दूरगामी सोच की पहल है. यह न सिर्फ शिक्षा के क्षेत्र में सामाजिक न्याय को साकार करने का प्रयास है, बल्कि इससे राज्य के आदिवासी समाज की युवा पीढ़ी को मुख्यधारा में आगे लाने का मार्ग भी प्रशस्त होगा. झारखंड सरकार की योजना के अनुसार, 11वीं और 12वीं कक्षा के छात्रों को दो बैचों में विभाजित कर, मेडिकल और इंजीनियरिंग की तैयारी करवाई जाएगी. इस कोचिंग के लिए रांची के हिंदपीढ़ी क्षेत्र में स्थित कल्याण विभाग की इमारतों को अस्थायी केंद्र बनाया गया है, जहां आवास और भोजन की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी. साथ ही भवन निर्माण का प्रस्ताव भी तैयार है, जिससे यह योजना स्थायी ढांचे की ओर अग्रसर दिख रही है. यहां यह उल्लेखनीय है कि योजना का लाभ पूरी तरह मेरिट के आधार पर मिलेगा और कोचिंग एजेंसी का चयन ओपन टेंडर प्रक्रिया से किया जा रहा है, जिससे पारदर्शिता और गुणवत्ता सुनिश्चित होती है. हालांकि चयन प्रक्रिया की अंतिम रूपरेखा अभी तय नहीं हुई है, फिर भी विभाग की सक्रियता और संकल्प स्पष्ट है. जहां तक सुरक्षा संबंधी चिंताओं का प्रश्न है, कल्याण सचिव द्वारा स्थल का निरीक्षण और आश्वासन सकारात्मक संकेत देता है. ऐसे समय में जब शिक्षा में असमानता बढ़ती जा रही है, यह योजना वंचित वर्ग के लिए आशा की किरण बनकर उभरी है. जरूरत है इसे ईमानदारी से लागू करने की, ताकि आदिवासी युवाओं की प्रतिभा को नया आकाश मिल सके.

नजरिया

कट्टरपंथ की अंधी आंधी में फंसी देश की युवा चेतना

झारखंड की एक और युवती की आतंकी लिंक में गिरफ्तारी ने न सिर्फ राज्य को झकझोर दिया है, बल्कि देश की सुरक्षा एजेंसियों के लिए भी एक गंभीर चेतावनी की तरह है. कोडरमा की शमा परवीन की गिरफ्तारी यह दिखाती है कि आतंकी संगठन अब सोशल मीडिया के माध्यम से विचारों की घुसपैठ कर रहे हैं, और युवाओं को गुमराह करने के लिए डिजिटल प्लेटफॉर्म को हथियार बना रहे हैं. गुजरात एटीएस की ओर से की गई यह गिरफ्तारी सिर्फ एक व्यक्ति की गिरफ्तारी नहीं है, बल्कि यह कट्टरपंथी नेटवर्क की उस जड़ को उजागर करती है जो भारत में शरिया कानून लागू करने जैसे खतरनाक मंसूबे पाले हुए हैं. सोशल मीडिया से युवाओं को उकसाना, पाकिस्तान में बैठे आतंकियों से सीधा संपर्क और भारत विरोधी साजिशों में सक्रिय भागीदारी-ये सभी संकेत स्पष्ट करते हैं कि देश के भीतर ही एक वैचारिक युद्ध छिड़ा हुआ है. इस घटनाक्रम से यह भी साफ है कि झारखंड जैसे अपेक्षाकृत शांत राज्यों को भी अब आतंकी संगठनों ने टारगेट बनाना शुरू कर दिया है. यह सामूहिक चुनौती है -सिर्फ सुरक्षा एजेंसियों की नहीं, समाज और परिवारों की भी. कट्टरपंथ के बीज अक्सर अकेलेपन, भ्रम और गलत सूचना की जमीन में उगते हैं. हमें सतर्क रहकर, संवाद और शिक्षा के जरिए इस वैचारिक जहर को रोकना होगा. शमा परवीन की गिरफ्तारी केवल एक चेहरा उजागर करती है-असली लड़ाई उस मानसिकता से है, जो युवाओं को हथियार में बदलने पर तुली है.

मानव तस्करी के खिलाफ आरपीएफ की लड़ाई

मनोज यादव

मानव तस्करी के खिलाफ आरपीएफ निभा रहा अपनी महती भूमिका.

एक साथ मिल कर सुरक्षा की ओर मानव तस्करी के खिलाफ लड़ाई केवल आरपीएफ का कर्तव्य नहीं है, यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है. हम सब को मिल कर इसे आगे बढ़ाना है.

21 जुलाई 2025 को न्यू जलपाईगुड़ी रेलवे स्टेशन पर एक सामान्य अपराह्न था. ट्रेनों की हलचल, घोषणाएं और भागते यात्री उस अंधेरे पहलू को छिपाने में व्यस्त थे, जो अक्सर खुलेआम नजर आता है – मानव तस्करी. एक खुफिया सूचना पर, रेलवे सुरक्षा बल की महिला उप निरीक्षक सारिका कुमारी, आरपीएफ और जीआरपी अधिकारियों के साथ कार्रवाई करने में जुट गईं. ट्रेन नंबर 13245 डीएन के कई कोचों में एक चुपचाप समन्वित तलाशी शुरू हुई और जो उन्होंने पाया, वह चौंकानेवाला था. 56 युवा लड़कियां, जो अपने सफर के उद्देश्य को लेकर उलझन और अनिश्चितता में थीं, दो व्यक्तियों, जितेंद्र पासवान और चंद्रिमा कर द्वारा बेंगलुरु में मोटर पार्ट्स और मोबाइल कंपनियों में काम पर भेजे जाने के नाम पर यात्रा कर रही थीं. इन लड़कियों को विभिन्न कोचों में फैला दिया गया था, ताकि ध्यान न जाए. पूछताछ में लड़कियां अपनी यात्रा या रोजगार के बारे में कोई ठोस जानकारी नहीं दे सकीं और न ही उनके माता-पिता को यात्रा के उद्देश्य का कोई पता था. उनके कोच और बर्थ नंबर उनके हाथों पर स्याही से लिखे गए थे.

यह एक डरावना संकेत था कि तस्करी का यह अपराध किस हद तक संगठित हो चुका है. तस्करों के पास कोई वैध दस्तावेज नहीं थे और उन्होंने किसी भी सटीक व्याख्या का जवाब नहीं दिया. सभी कानूनी प्रक्रियाओं का पालन करते हुए दोनों आरोपियों को तस्करी के संबंधित कानूनों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया और बचाई गई लड़कियों को सत्यापन के बाद रिहा कर दिया गया. जीवन की रक्षा में आरपीएफ के लिए यह केवल एक और दिन था, जो चुपचाप और दृढ़ता से सेवा करने में व्यस्त था. अपनी कई जिम्मेदारियों – यात्री सुरक्षा, रेलवे संपत्ति की रक्षा और आदेश बनाए रखने के साथ – पिछले एक दशक में एक और भूमिका ने अधिक महत्वपूर्ण रूप धारण किया हैः मानव तस्करी को रोकना. भारतीय रेलवे, अपनी 13,000 ट्रेनों, 7,500 स्टेशनों और रोजाना 23 मिलियन यात्री संख्याओं के साथ, एक ऐसी नस की तरह है जो देश के दूरदराज के कोनों को शहरी केंद्रों से जोड़ती है. खुफिया जानकारी आधारित अभियानों और पुलिस, एनजीओ और अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय के माध्यम से, आरपीएफ ने खुद को मानव तस्करी के खिलाफ राष्ट्रीय लड़ाई में एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी के रूप में स्थापित किया है. एक तस्करी-मुक्त नेटवर्क की ओर मानव तस्करी के खिलाफ आरपीएफ की भूमिका रातों-रात नहीं आई. इसकी विकास यात्रा रणनीतिक, संरचित और प्रतिबद्ध रही है. यह परिवर्तन 2020 में शुरू हुआ, जब ऑपरेशन 'नन्हे फरिश्ते' की शुरुआत की गई, जिसका उद्देश्य उन बच्चों को बचाना था जो खो गए थे, या फिर जिनके साथ शोषण हो रहा था. शुरू में बच्चों पर केंद्रित इस ऑपरेशन ने तस्करी के एक व्यापक तंत्र का पर्दाफाश किया, जिससे यह साफ हो गया कि केवल बच्चों को ही नहीं, बल्कि महिलाओं और अन्य कमजोर वयस्कों को भी इन तस्करी नेटवर्क्स के माध्यम से शिकार बनाया जाता है. ऑपरेशन नन्हे फरिश्ते एक महत्वपूर्ण हस्तक्षेप साबित हुआ, जिसमें पिछले चार और आधे सालों में 64,000 से अधिक बच्चों को बचाया गया – 43,493 लड़के और 20,411 लड़कियां.

बचाए गए बच्चों को बाल कल्याण समितियों (सीडब्ल्यूसी) के सामने पेश किया जाता है, ताकि उन्हें पुनर्वास या सुरक्षित संस्थागत देखभाल मिल सके. इसकी सफलता के बाद, 2022 में आरपीएफ ने ऑपरेशन आहट की शुरुआत की और पूरे भारतीय रेलवे नेटवर्क में 750 एंटी-ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट्स स्थापित किए. ये यूनिट्स खुफिया-आधारित अभियान, निगरानी ऑपरेशन और एनजीओ और पुलिस के साथ समन्वित बचाव अभियानों का संचालन करती हैं. आरपीएफ की पहचान प्रणाली अब मानव खुफिया जानकारी को डिजिटल निगरानी के साथ जोड़ती है.रेलवे के फ्रंटलाइन कर्मचारी–टिकट निरीक्षक, कुली व ऑनबोर्ड हाउसकीपिंग कर्मचारी इन अपराधों की पहचान करने के लिए संवेदनशील और प्रशिक्षित किए गए हैं. इसके अलावा, डेटा विश्लेषण, सीसीटीवी निगरानी और एआई-पावर्ड चेहरे की पहचान प्रणाली (एफआरएस) का उपयोग करके तस्करों और संभावित पीड़ितों की पहचान की जाती है. सोशल मीडिया और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स से शिकायतें और अलर्ट भी प्राप्त होते हैं, जिनसे त्वरित कार्रवाई की जाती है.

मापनीय प्रगति, 2021 से 2025 के बीच 54 महीने में, आरपीएफ ने 2,912 मानव तस्करी पीड़ितों को बचाया, जिनमें 2,600 से अधिक बच्चे और 264 वयस्क शामिल हैं. इस अवधि में 701 तस्करों को गिरफ्तार किया गया. इसके अतिरिक्त, आरपीएफ ने बांग्लादेश और म्यांमार के अवैध प्रवासियों की पहचान करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, जिनमें से कई तस्करी के रिंग्स का हिस्सा थे. इन आंकड़ों से अधिक महत्वपूर्ण बात यह है कि ये केवल सांख्यिकी नहीं हैं, बल्कि यह उन नेटवर्क्स को नष्ट करने, शोषण की चेन को तोड़ने और जीवन को सुरक्षा में बहाल करने के ठोस कदम हैं. पहली रक्षा पंक्तिबचाव और अभियोजन महत्वपूर्ण हैं. रोकथाम एक प्रभावी मानव तस्करी विरोधी रणनीति की आधारशिला बनी हुई है. आरपीएफ ने रेलवे पारिस्थितिकी तंत्र में एक जन जागरूकता अभियान भी शुरू किया है, ताकि हर यात्री चौकस बन सके. रेलवे स्टेशनों पर छोटे नाट्य कार्यक्रम, पोस्टर्स, बैनर, स्टैंडियों और सार्वजनिक घोषणाओं के माध्यम से यह संदेश फैलाया जा रहा हैः क्योंकि हर बच्चे को स्वतंत्र होने का हक है.₹ इसके अतिरिक्त, समुदाय के साथ साझेदारी, सोशल मीडिया अभियानों, और हेल्पलाइन नंबर 1098 और 112 की त्वरित क्रियावली यह सुनिश्चित करती है कि तस्करी की घटनाओं की जानकारी मिलते ही कार्रवाई की जाए. एक साथ मिलकर सुरक्षा की ओर मानव तस्करी के खिलाफ लड़ाई केवल आरपीएफ का कर्तव्य नहीं है, यह एक सामूहिक जिम्मेदारी है. और जब हर ट्रेन एक सुरक्षित स्टेशन पर पहुंचती है, बिना किसी जीवन के शोषण का शिकार हुए, तो हम एक कदम और नजदीक पहुंच जाते हैं, एक सुरक्षित और स्वतंत्र भारत की ओर. - **लेखक आईपीएस अधिकारी और रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) के महानिदेशक हैं.**

आज का इतिहास

- 1883 : ग्रेट ब्रिटेन में अंतर्देशीय डाक सेवा शुरू.
- 1916 : भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष एनी बेसेंट ने होम रूल लीग की शुरुआत की.
- 1920 : गांधी जी ने असहयोग आंदोलन शुरू किया.
- 1932 : फ़िल्म अभिनेत्री मीना कुमारी का जन्म.
- 1957 : राष्ट्रीय पुस्तक न्यास की स्थापना.
- 1995 : हब्बल दूरबीन ने शनि के एक और चन्द्रमा की खोज की.
- 2004 : श्रीलंका ने भारत को हराकर क्रिकेट का एशिया कप जीता.
- 2021: बैडमिंटन खिलाड़ी वीपी संधू ने चीन की जियाओ को हराकर तोक्यो ओलंपिक की का कांस्य पदक जीता.
- 2021: भारत की पुरुष हॉकी टीम ने तोक्यो में ग्रेट ब्रिटेन को हरा कर 49 साल बाद ओलंपिक के सेमीफाइनल में जगह पाई.
- 2021: भारत ने अगस्त के महीने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाली.

आप कुछ भी कर सकते हैं, प्रयास तो करके देखें

चिंतन

बहुत पुरानी बात है. एक गांव में दो छोटे-छोटे अपने लड़के घर से कुछ दूर खेल रहे थे. खेलने में वे इतने मगन थे कि उन्हें पता ही नहीं चला कि वे भागते-भागते कब एक सुनसान जगह पहुंच गए. उसी जगह पर एक पुराना कुआं भी था, और उनमें से एक छोटा लड़का गलती से उस पुराने कुएं में जा गिरा. दूसरा छोटा लड़का इस घटना से एकदम से डर गया और मदद के लिए जोर-जोर से चिल्लाने लगा, पर उस सुनसान जगह कहां कोई मदद को आने वाला था. फिर लड़के ने देखा कि कुएं के करीब ही एक पुरानी बाल्टी और रस्सी पड़ी हुई है, उसने तेजी दिखाते हुए तुरंत रस्सी का एक सिरा वहां गड़े एक पत्थर से बांधा और दूसरा सिरा नीचे कुएं में फेंक दिया. कुएं में गिरे लड़के ने रस्सी पकड़ ली, अब वह अपनी पूरी ताकत से उसे बाहर खींचे लगा, अथक प्रयास के बाद वो उसे ऊपर तक खींच लाया और उसकी जान बचा ली. दोनों काफी खुश थे कि बिना किसी की मदद से वो बच कर वापस आ गए.

जब दोनों ने गांव में जाकर अपने साथ घटी घटना की बात बताई, तो किसी ने भी उनकी बातों पर यकीन ही नहीं किया. गांव का एक आदमी बोला -तुम एक बाल्टी पानी तो निकाल नही सकते, इस बच्चे को कैसे बाहर खींच सकते हो. तुम कोरी झूठ बोल रहे हो. तभी एक बुजुर्ग बोला-यह पूरी तरह सही बात कह रहा हैं क्योंकि वहां पर इसके पास और कोई दूसरा रास्ता भी नही था, और वहां इसे कोई यह कहने वाला नही था कि तुम ऐसा नही कर सकते हो. इस लिए इसने कर डाला.

दोस्तों, जिंदगी में अगर सफलता चाहते हो, तो उन लोगो की बात मानना छोड दो, जो यह कहते हैं कि तुम इसे नही कर सकते. दुनिया में अधिकतर लोग इसलिए सफल नही हो पाते क्योंकि वे ऐसे लोगो की बातों में आ जाते हैं जो ना तो खुद कामयाब होते हैं और ना इस बात में यकीन करते हैं कि दूसरे कामयाब हो सकते हैं. इसलिए अपने दिल की सुनें,आप सब कुछ कर सकते हैं जो आप करना चाहते हैं, आपको भगवान ने विशिष्ट शक्तियों के साथ पैदा किया हैं, अतः स्वयं पर संशय करना छोड़ें और सफलता की और बढ़ चलें.

X इंडिया पर ट्रेंडिंग

1. #malegaonblastcase
2. Trump
3. साध्वी प्रज्ञा
4. #IndiaInTop3Solar
5. गोस्वामी तुलसीदास
6. मुंशी प्रेमचंद
7. #KingdomReview
8. कर्नल पुरोहित
8. जलियांवाला बाग
10. #NariShaktiWithDhami

बहुरंग

सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की 'परम सुंदरी' अब 29 अगस्त को रिलीज होगी

फिल्मी पर्दे पर जल्द ही कई नई जोड़ियां नजर आने वाली हैं और उन्हीं में से एक है सिद्धार्थ मल्होत्रा और जाह्नवी कपूर की जोड़ी. दोनों पहली बार साथ नजर आएंगे फिल्म 'परम सुंदरी' में. इस फिल्म को पहले 25 जुलाई को रिलीज किया जाना था, लेकिन अजय देवगन की 'सन ऑफ सरदार 2' से टक्कर टालने के लिए मेकर्स ने इसकी रिलीज फिलहाल के लिए टाल दी थी. हालांकि उस वक्त फिल्म की नई रिलीज डेट की घोषणा नहीं हुई थी, मगर अब मेकर्स ने नई तारीख का ऐलान कर दिया है, जिससे दर्शकों की उत्सुकता और भी बढ़ गई है.

दिनेश विजान के प्रोडक्शन हाउस मैडॉक फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म 'परम सुंदरी' अब 29 अगस्त को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है. इसकी घोषणा प्रोडक्शन हाउस ने सोशल मीडिया पर फिल्म का नया मोशन पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, दिनेश विजान लेकर आ रहे हैं साल की सबसे दिल छू लेने वाली प्रेम कहानी 'परम सुंदरी'. देखिए इसे 29 अगस्त से सिर्फ सिनेमाघरों में. 'परम सुंदरी' का टीजर मई में रिलीज किया गया था, जिसमें सिद्धार्थ मल्होत्रा उत्तर भारत के लड़के परम के किरदार में नजर आए थे, जबकि जाह्नवी कपूर को एक साउथ इंडियन लड़की सुंदरी के रूप में पेश किया गया था. टीज़र में सोनू निगम की आवाज में एक खूबसूरत गाने की झलक भी देखने-सुनने को मिली थी. टीज़र के बाद से ही फिल्म को लेकर दर्शकों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिला, हालांकि अब भी फिल्म के बड़े पर्दे पर उतरने के लिए दर्शकों को थोड़ा और इंतज़ार करना होगा.'परम सुंदरी' का निर्माण कर रहे दिनेश विजान पहले ही 'स्त्री-2' और 'छावा' जैसी हिट फिल्मों से अपना जादू दिखा चुके हैं. इस बार वो दर्शकों के सामने एक नई और दिल छू लेने वाली प्रेम कहानी लेकर आ रहे हैं.

कभी सोचा नहीं था कि अभिनेता बनूंगा: सिद्धांत

2018 में रिलीज हुई फिल्म धड़क ने दर्शकों के दिलों में एक खास जगह बना ली थी. अब उसी संवेदनशील भावभूमि पर आधारित इसका अगला भाग धड़क-2 एक और दिल को छू जाने वाली प्रेम कहानी लेकर आ रहा है. इस बार फिल्म का निर्देशन शाजिया इक़बाल ने किया है और मुख्य भूमिकाओं में नजर आएंगे तृप्ति डिमरी और सिद्धांत चतुर्वेदी. फिल्म में प्रेम, सामाजिक भेदभाव और आत्म-संघर्ष जैसे मुद्दों को बेहद मार्मिक और संवेदनशील तरीके से पेश किया गया है. 'धड़क-2' एक अगस्त को सिनेमाघरों में दस्तक देने जा रही है.फिल्म की रिलीज से पहले सिद्धांत चतुर्वेदी ने 'हिन्दुस्थान समाचार' को एक इंटरव्यू में इस फिल्म और अपने करियर को लेकर खुलकर बातचीत की. पेश हैं. इस खास बातचीत के कुछ प्रमुख अंश...

सवाल. फिल्म में काम करने का प्रस्ताव मिलने पर आपकी पहली प्रतिक्रिया क्या थी?

जब मैंने इस फिल्म की कहानी पहली बार सुनी, तब इसका कोई नाम नहीं था. यह अनटाइटल्ड थी, लेकिन इसकी कहानी इतनी गहराई और प्रभाव से भरी हुई थी कि मैंने और तृप्ति, दोनों ने बिना देर किए हामी भर दी. यह महज़ एक रोमांटिक कहानी नहीं है, बल्कि इसमें सामाजिक भेदभाव की कई परतें भी जुड़ी हैं. मेरे लिए यह फिल्म एक आध्यात्मिक यात्रा जैसी है, जो दो अलग-अलग जातियों से आने वाले किरदारों के प्रेम को बेहद संवेदनशीलता के साथ दर्शाती है. मुझे लगा कि इस कहानी में कुछ कहने लायक है, कुछ महसूस करने लायक है और यही बात मुझे इससे जुड़ने के लिए प्रेरित कर गई.

सवाल. क्या आज के युवा दर्शक इस कहानी से जुड़ पाएंगे?

बिलकुल! मैं तो यह पूरे विश्वास के साथ कहूंगा कि 'धड़क-2' हर उस युवा की कहानी है, जो अपने सपनों को हकीकत में बदलने के लिए कठिन रास्तों से गुजरता है. यह सिर्फ एक प्रेम कथा नहीं, बल्कि एक ऐसे सफर की झलक है, जो भारत के लाखों युवाओं के दिल की बात कहती है. जब कोई युवा अपने गांव या छोटे कस्बे से बड़े शहर की ओर कदम बढ़ाता है, तो उसके भीतर ढेर सारी उम्मीदें और एक नया जीवन गढ़ने का जुनून होता है. वो यह उम्मीद करता है कि उसकी पहचान, उसकी जाति या उसकी सामाजिक पृष्ठभूमि उसके लिए कोई बाधा नहीं बनेगी. वह चाहता है कि उसे एक इंसान की तरह देखा जाए, उसकी काबिलियत और भावनाओं को समझा जाए, ना कि उसे उसके नाम या ठिकाने से परिभाषित किया जाए. यह फिल्म उन्हीं जज़्बातों, संघर्षों और सवालों का आइना है. इसमें न केवल प्रेम की मासूमियत है, बल्कि उस सामाजिक ढांचे की जटिलताएं भी हैं, जो अक्सर इंसानों को बाँटने का काम करती हैं. मुझे लगता है कि आज का युवा इन विषयों को लेकर बेहद जागरूक है. वह समानता और सम्मान की तलाश में है, और यही वजह है कि मुझे पूरा भरोसा है कि यह फिल्म उनके दिल को छुएगी. 'धड़क-2' सिर्फ एक फिल्म नहीं, बल्कि एक भावनात्मक और सामाजिक दस्तावेज़ है, जिसमें हर संवेदनशील दर्शक खुद को खोज पाएगा.

सवाल. क्या आपने कभी थिएटर भी किया है?

स्कूल के दिनों में मैंने कुछ थिएटर परफॉर्मेंस जरूर की थीं, लेकिन वो काफी सीमित थीं. मैंने बहुत ज़्यादा मंच पर अभिनय नहीं किया. सच कहूं तो, उस समय मुझे कभी यह एहसास नहीं हुआ था कि मैं एक दिन अभिनेता बन जाऊंगा. हां, मुझे नई चीज़ों को आज़माने और खुद को चुनौती देने में हमेशा मज़ा आता रहा है. यही उत्सुकता शायद धीरे-धीरे मुझे अभिनय की ओर ले आई.

सवाल. आज के समय में 'आदर्श प्रेम कहानी' जैसी कोई चीज मौजूद है?

मेरे लिए तो आदर्श प्रेम कहानी की तलाश आज भी जारी है. मैं हमेशा से इस बात में विश्वास करता आया हूं कि प्यार इस दुनिया की सबसे खूबसूरत और ज़रूरी भावना है, इसके बिना जीवन कहीं न कहीं अधूरा लगता है. ज़रूरी नहीं कि पहला प्यार ही आखिरी या सच्चा हो. कई बार हम ज़िंदगी में अलग-अलग लोगों से मिलते हैं, उनसे कुछ अनुभव लेते हैं, और फिर कहीं जाकर कोई ऐसा मिलता है जो वाकई हमारे लिए बना होता है, जो हमें पूरी तरह समझता है और स्वीकार करता है.आज की पीढ़ी को चाहिए कि वो प्रेम को केवल एक भावना नहीं, बल्कि एक ज़िम्मेदारी और एक यात्रा के रूप में समझे. उसे निभाना आना चाहिए, सच्चे मन से, ईमानदारी से. मेरा मानना है कि अगर आप खुद के प्रति सच्चे हैं, अपनी भावनाओं के प्रति ईमानदार हैं, तो सच्चा प्यार एक न एक दिन ज़रूर आपकी ज़िंदगी में दस्तक देगा. मैं इसी सोच में यकीन करता हूं और आज भी उसी प्यार की राह देख रहा हूं, जो सिर्फ दिल से जुड़ता है, किसी शर्त या स्वार्थ के बिना.

सन ऑफ सरदार-2 की हिट की राह में रोड़ा बनी सैयारा

अहान पांडे और अनीत पड्डा जैसे नए चेहरों से सजी 'सैयारा' ने बॉक्स ऑफिस पर ऐसी तूफानी दस्तक दी कि किसी को इसकी उम्मीद नहीं थी. फिल्म ने रिलीज होते ही तहलका मचा दिया और इसकी जबरदस्त सफलता को देखते हुए अजय देवगन तक को अपनी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'सन ऑफ सरदार-2' की रिलीज डेट आगे खिसकानी पड़ी. अब जब 'सैयारा' का जलवा कायम है, तो एक अगस्त को तय की गई नई रिलीज डेट पर भी असमंजस के बादल मंडराने लगे हैं. रिपोर्ट्स की मानें तो अजय देवगन और उनकी टीम की योजना 'सन ऑफ सरदार-2' को देशभर में लगभग 3,500 स्क्रीन्स पर रिलीज करने की थी. लेकिन अब यह आंकड़ा घटकर 2,500 स्क्रीन्स तक सिमटने की आशंका जताई जा रही है. इस गिरावट की सबसे बड़ी वजह है 'सैयारा' और 'महावतार नरसिम्हा' जैसी फिल्मों का ज़बरदस्त प्रदर्शन. दोनों ही फिल्में फिलहाल बॉक्स ऑफिस पर शानदार कमाई कर रही हैं और थिएटर मालिकों को अच्छा मुनाफा दे रही हैं. ऐसे में सिनेमाघर इन्हें हटाने के मूड में फिलहाल नहीं हैं, जिससे अजय की फिल्म की स्क्रीन शेयरिंग पर सीधा असर पड़ सकता है. सूत्रों की मानें तो 'सन ऑफ सरदार-2' के डिस्ट्रीब्यूटर्स की मांग है कि फिल्म को कुल शो टाइमिंग्स का 60 प्रतिशत हिस्सा मिले, लेकिन थिएटर मालिक इस पर पूरी तरह सहमत नहीं हैं. फिलहाल, अधिकतर सिंगल स्क्रीन सिनेमाघर सिर्फ दिन में दो शो देने को तैयार हैं, जबकि नॉन-नेशनल चेन सिनेमा हॉल्स भी इसी दिशा में झुकते नजर आ रहे हैं.

फिल्मी खबर

फरहान की फिल्म में नजर आएंगे सनी देओल

'गदर-2' की सफलता के बाद सनी देओल ने फिर बॉलीवुड में दबदबा साबित कर दिया है. अब वह एक के बाद एक बड़े प्रोजेक्ट्स का हिस्सा बनते जा रहे हैं. वह नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' में हनुमान की भूमिका निभा रहे हैं और जल्द ही 'बॉर्डर-2' में भी नजर आने वाले हैं. सनी ने अब फरहान अख्तर और रितेश सिधवानी की 'एक्सेल एंटरटेनमेंट' के साथ हाथ मिलाया है. वह इस बैनर के तहत एक एक्शन थ्रिलर फिल्म में नजर आएंगे. सनी देओल पहली बार फरहान और रितेश सिधवानी की प्रोडक्शन कंपनी एक्सेल एंटरटेनमेंट के साथ काम करने जा रहे हैं. दोनों पक्षों के बीच इस प्रोजेक्ट को लेकर बातचीत चल रही थी, जो अब फाइनल हो गई है. यह एक बड़े बजट की एक्शन थ्रिलर फिल्म होगी, जिसकी कहानी सनी को काफी पसंद आई है. उन्होंने फिल्म के लिए हामी भर दी. फिल्म में उनका किरदार दमदार होगा. तमिल फिल्मों में सहायक निर्देशक के रूप में काम कर चुके बालाजी को इस एक्शन थ्रिलर फिल्म के निर्देशन की कमान सौंपी जा सकती है. अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा, तो फिल्म की शूटिंग दिसंबर 2025 तक शुरू होने की संभावना है. सनी की कई बड़ी फिल्में भी लाइन में हैं. वह वरुण धवन, दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी के साथ 'बॉर्डर-2' में नजर आएंगे, जो 3 जनवरी, 2026 को रिलीज़ होगी.

आचार्य प्रणव मिश्रा

मोबाइल नंबर 8210075897

मेष : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा. मान-सम्मान में वृद्घि होगी. अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे. नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेंगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी. कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. शुभांक-5-6-9

वृष : अपनी गतिविधियों पर पुनर्विचार करें. वैचारिक द्वन्द्व और असंतोष बना रहेगा. किसी सूचना से पूर्ण निर्णय सम्भव. सुख आरोग्य प्रभावित होगा. प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे. आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी. स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा. शुभांक-2-6-8

मिथुन : यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा. कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे. सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी. आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी. यात्रा शुभ रहेगी. अपने काम पर पैनी नजर रखिए. विरोधी नुकसान की कोशिश करेगा. शुभांक-4-7-9

कर्क : लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. मध्याह्न पूर्व समय आपके पक्ष का रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे. परिश्रम से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. पर प्रपंच में ना पड़कर काम पर ध्यान दीजिए. यात्रा शुभ रहेगी. शुभांक-1-3-5

सिंह : दुर्लभ स्वप्न साकार होंगे. आलस्य का त्याग करें. पुरुषार्थ का सहारा लें. मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे. भावनाओं का उद्वेग बढ़ेगा. शुभांक-2-6-8

कन्या : विवाद समाप्त होंगे. शुभ संदेशों से मन खिला-खिला रहेगा. परेशानियां स्वतः ही दूर होती प्रतीत होगी. अध्ययन में रुचि पैदा होगी. अभिभावकों के प्रति उत्तरदायित्व निभाने होंगे. समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा. स्वविवेक से कार्य करे. जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा. शुभांक-3-7-8

तुला : भ्रातृपक्ष में विरोध होने की संभावना है. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. परिश्रम प्रयास से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी. व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी. बुरी संगति से बचें. नौकरी में सावधानीपूर्वक कार्य करें. अपनों का सहयोग प्राप्त होगा. शुभांक-3-5-7

वृश्चिक : आवेश में आना आपके हित में नही होगा, इसलिए व्यवहार व वाणी पर नियंत्रण रखें. पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी. अपने अधीनस्त लोगों से कम सहयोग मिलेगा. बाहरी सहयोग की अपेक्षा रहेगी. सलाह उपयोगी सिद्घ होगी. विपरीत परीस्थितियों में भी हानि नहीं होगी. शुभांक-5-6-8

धनु : व्यापार व नौकरी में स्थिति अच्छी रहेगी. आलस्य का त्याग करें. कार्यसिद्घि होने में देर नहीं लगेगी. आर्थिक लाभ उत्तम रहेगा. शैक्षणिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी. परिवार में किसी मांगलिक कार्य पर वार्ता होगी. स्वास्थ्य उत्तम रहेगा. लेन-देन में अस्पष्टता ठीक नहीं. स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा. शुभांक-2-6-8

मकर : समय पक्ष का बना रहेगा. कारोबारी काम में प्रगति बनती रहेगी. लेन-देन में आ रही बाधा दूर करने का प्रयास होंगे. धार्मिक कार्य में समय और धन व्यय होगा. अपना काम दूसरों के सहयोग से पूरा होगा. ले देकर की जा रही काम की कोशिश ठीक नहीं. पुराने मित्र से मिलन होगा. स्वविवेक से कार्य करें. शुभांक-4-6-7

कुंभ : मेहमानों का आगमन होगा. राजकीय कार्यों से लाभ. पैतृक सम्पत्ति से लाभ. पुरानी गलती का पश्चाताप होगा. विद्यार्थियों को लाभ. दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा. परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा. कारोबारी काम में नवीन तालमेल और समन्वय बन जाएगा. शुभांक-3-5-8

मीन : जीवनसाथी अथवा दोस्तों के साथ साझे में किए जा रहे काम में लाभ मिल जाएगा. एकाकी वृत्ति त्यागें. हित के काम में आ रही बाधा मध्याह्न पश्चात् दूर हो जाएगी. अपने काम आसानी से बनते चले जाएंगे. साथ ही आगे के लिए रास्ता भी बन जाएगा. इच्छित कार्य सफल होंगे. जीवन जीने का नाम, चलते रहो सुबहो शाम शुभांक-2-5-7

ब्रीफ न्यूज

हादसे में तीन इंजीनियरिंग छात्रों की मौके पर मौत

लखीसराय। जमुई बॉर्डर के तेतरहाट थाना क्षेत्र में जमुई से लौट रहे इंजीनियरिंग छात्रों से भरे एक ऑटो को तेज़ रफ्तार वाहन ने जबरदस्त टक्कर मार दी. टक्कर इतनी भयानक थी कि ऑटो कई मीटर तक घसीटता चला गया. इस दर्दनाक हादसे में तीन छात्रों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य गंभीर रूप से घायल हो गए. हादसे के बाद घटनास्थल पर अफरा-तफरी मच गई. स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद तेतरहाट थाना की टीम मौके पर पहुंची और घायलों को गंभीर हालत में नजदीकी अस्पताल भेजा गया.

महागठबंधन की बैठक से छोड़ दिल्ली गए मुकेश

पटना। बिहार की राजनीति में एक बार फिर हलचल तेज हो गई है. विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के सुप्रीमो मुकेश सहनी के अचानक दिल्ली रवाना होने और महागठबंधन की अहम बैठक में गैरहाजिर रहने से नए राजनीतिक समीकरणों की अटकलें तेज हो गई हैं. मंगलवार को सहनी ने सोशल मीडिया पर ट्वीट कर घोषणा की कि उनकी पार्टी आगामी 2025 विधानसभा चुनाव में 60 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि बाकी सीटों पर सहयोगी दलों को समर्थन देगी. इस घोषणा के ठीक बाद उनके दिल्ली जाने से राजनीतिक गलियारों में हलचल मच गई है.

विकास योजनाओं का सीएम नीतीश ने किया शिलान्यास

मुजफ्फरपुर। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने मुजफ्फरपुर में करीब 570 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाली विभिन्न विकास योजनाओं का शिलान्यास किया. इनमें दो बड़ी परियोजनाएं – रेल ओवरब्रिज और आरसीसी पुल शामिल हैं, जो क्षेत्रवासियों की वर्षों पुरानी समस्याओं का समाधान करेंगी. सीएम सड़क मार्ग से मुजफ्फरपुर पहुंचे और सबसे पहले माड़ीपुर पावर हाउस के पास प्रस्तावित 167 करोड़ रुपये की लागत वाले रेल ओवरब्रिज का शिलान्यास किया. यह ओवरब्रिज जाम से जूझ रहे इस क्षेत्र के लोगों को बड़ी राहत देगा और यातायात व्यवस्था को सुगम बनाएगा.

जेल में बंद बाहुबली राजद विधायक रीतलाल से राजद ने किया किनारा

जज के सामने गिड़गिड़ाते हुए मांगी इच्छामृत्यु

संवाददाता।पटना

सिविल कोर्ट में पेशी के दौरान राजद विधायक और बाहुबली नेता रीतलाल यादव ने जज के सामने गिड़गिड़ाते हुए इच्छामृत्यु की मांग कर सनसनी फैला दी. उन्होंने कहा, "हुजूर, मुझे इच्छामृत्यु दे दीजिए. मुझ पर लगातार केस दर केस लादा जा रहा है. मेरा कोई पैरवी करने वाला नहीं बचा. मैं थक चुका हूं." रीतलाल यादव फिलहाल भागलपुर सेंट्रल जेल में बंद हैं और उन्होंने खुद को फिर से बेऊर जेल में शिफ्ट करने की गुहार लगाई है.

दानापुर के राजद विधायक रीतलाल यादव का कहना है कि न तो पार्टी के किसी नेता ने उनसे अब तक मुलाकात की है और न ही लालू प्रसाद या तेजस्वी यादव की ओर से कोई बयान आया है. उनका आरोप है कि उन्हें राजनीतिक षड्यंत्र के तहत फंसाया जा रहा है और अब पार्टी ने भी उनसे किनारा कर लिया है. माना जा रहा है कि चुनावी माहौल में राजद ऐसा कोई कदम नहीं उठाना चाहती जिससे पार्टी की छवि पर असर पड़े. रीतीलाल की पत्नी रिंकू देवी ने 2 जुलाई को विधानसभा अध्यक्ष से मिलकर अपने पति की हत्या की साजिश की आशंका जताई थी. उन्होंने एक पुलिस अधिकारी पर गंभीर आरोप लगाए और कहा कि यदि उन्होंने नाम लिया तो उनकी और बच्चों की भी हत्या हो सकती है. उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि रीतलाल को जेल में मानसिक और शारीरिक प्रताड़ना दी जा रही है और इलाज तक नहीं मिल रहा.

अब विधायक की पत्नी रिंकू देवी की नौकरी भी खतरे में आ गई है. पुलिस मुख्यालय ने शिक्षा विभाग को पत्र लिखकर उनके खिलाफ कार्रवाई की सिफारिश की है. आरोप है कि वह सरकारी शिक्षक होते हुए भी 2017 से एक कंस्ट्रक्शन कंपनी में बिजनेस पार्टनर हैं, जो नियमों का उल्लंघन है. दानापुर के एक बिल्डर से 50 लाख की रंगदारी मांगने के मामले में रीतलाल ने 17 अप्रैल को सरेंडर किया था. इसके बाद उन्हें बेऊर जेल में रखा गया, लेकिन 1 मई को भागलपुर सेंट्रल जेल भेज दिया गया. उनके चार करीबी समर्थकों के ठिकानों पर भी छापेमारी की गई है. इसके अलावा, प्रशासन अब रीतलाल और उनके भाई पिंकू यादव की संपत्ति की जांच कर रहा है. पीएमएलए एक्ट के तहत अवैध रूप से अर्जित संपत्तियों को जब्त करने की तैयारी हो रही है. पुलिस को अब तक 100 से अधिक फ्लैट और जमीन के प्लॉट मिले हैं जो कथित तौर पर गलत तरीके से खरीदे गए हैं. भागलपुर जेल में बंद रीतलाल को पटना कोर्ट में पेशी के लिए हर बार करीब 500 किलोमीटर की यात्रा करनी पड़ती है. पटना से भागलपुर की दूरी लगभग 247 किलोमीटर है, जिससे परिजनों के लिए भी नियमित मुलाकात संभव नहीं हो पा रही है. पुलिस का तर्क है कि भागलपुर शिफ्ट करने का मकसद यह है कि जेल से आपराधिक गतिविधियां न संचालित हो सकें. रीतीलाल यादव की हालत और उनके आरोपों ने बिहार की सियासत में हलचल मचा दी है, लेकिन फिलहाल राजद की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है.

बिहार में अब छोटे टुकड़ों में होगी घाटों की नीलामी

पटना। बिहार सरकार ने राज्य में बढ़ते अवैध बालू खनन पर लगाम लगाने के लिए बड़ा कदम उठाया है. उप मुख्यमंत्री एवं खान व भूतत्व मंत्री विजय कुमार सिन्हा ने निर्देश दिया है कि अब बालू घाटों की नीलामी छोटे-छोटे टुकड़ों में की जाएगी. सरकार का मानना है कि लंबे समय से खाली पड़े या सरेंडर किए गए घाटों से न तो राजस्व मिल रहा है और न ही वैध खनन हो पा रहा है, जिससे अवैध खनन को बढ़ावा मिल रहा है. राज्य में फिलहाल 147 बालू घाटों की नीलामी लंबित है. इनमें जमुई, औरंगाबाद, जहानाबाद, रोहतास, नालंदा और भोजपुर जैसे जिले शामिल हैं, जहां सबसे अधिक घाट या तो सरेंडर कर दिए गए हैं या खाली पड़े हैं. उप मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि जिन्होंने कई घाटों का बंदोबस्त लिया और फिर घाट सरेंडर किए हैं, उन्हें नोटिस भेजा जाएगा. उन्होंने सवाल उठाया कि जब कोई दो घाट नहीं चला पा रहा तो बाकी घाटों का संचालन कैसे करेगा?

तेजस्वी यादव का नीतीश सरकार पर तीखा हमला

बिहार में क्रिमिनल ही चला रहे सरकार

शुभम संदेश।हाजीपुर

बिहार की राजनीति में गर्मी बढ़ाते हुए नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने एक बार फिर राज्य की कानून-व्यवस्था और सरकार पर जोरदार हमला बोला है. हाजीपुर के जढ़ूआ में एक रिंग सेरेमनी में शामिल होने पहुंचे तेजस्वी ने कहा, ₹बिहार में लॉ एंड ऑर्डर की नहीं, क्रिमिनल डिसऑर्डर की बात होनी चाहिए. अपराधी ही अब सरकार चला रहे हैं. तेजस्वी यादव ने सत्तारूढ़ गठबंधन के नेताओं पर सीधे आरोप लगाते हुए कहा कि भाजपा के विजय सिन्हा और सम्राट चौधरी खुद अपराधी हैं. उन्होंने दावा किया कि बिहार में एक सप्ताह के भीतर 100 से अधिक हत्याएं हो चुकी हैं, लेकिन मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ₹अचेत अवस्था₹ में हैं और कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो रही है. भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी तेजस्वी ने सरकार को घेरा. उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य में 80 हजार करोड़ रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है, जिसकी पुष्टि हाल ही में सामने आई कैग रिपोर्ट में हुई है. उन्होंने तंज कसते हुए कहा, ₹एक इंजन भ्रष्टाचार में है और दूसरा इंजन अपराध में लिप्त है. यही है डबल इंजन सरकार की असली तस्वीर.₹ तेजस्वी के इस तीखे बयान से बिहार की सियासत में नई हलचल पैदा हो गई है. पहले से ही विपक्ष सरकार को अपराध और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेर रहा है और अब तेजस्वी यादव के इस आक्रामक रुख से राजनीतिक तापमान और चढ़ने की पूरी संभावना है.

बीमा भारती से करीब चार घंटे तक गहन पूछताछ

पटना। फरवरी 2024 में नीतीश कुमार सरकार के विश्वास मत प्रस्ताव के दौरान विधायकों को प्रलोभन देने के आरोपों की जांच आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने तेज कर दी है. इसी कड़ी में बुधवार को पूर्व मंत्री और राजद नेता बीमा भारती से करीब चार घंटे तक गहन पूछताछ की गई. ईओयू ने परबत्ता के जदयू विधायक डॉ. संजीव, पश्चिम चंपारण नरकटियागंज के विधायक फजले हक अंसारी और मनेर के विधायक मोनू कुमार को भी नोटिस भेजकर पूछताछ के लिए तलब किया है. सूत्रों के अनुसार, डॉ. संजीव को अगस्त के पहले सप्ताह में ईओयू कार्यालय में हाजिर होकर बयान दर्ज कराने को कहा गया है, जबकि अन्य दोनों विधायकों को अलग-अलग तिथियों पर पूछताछ के लिए बुलाया जाएगा. बीमा भारती से पूछताछ के दौरान ईओयू अधिकारियों ने विश्वास मत के दिन उनकी लोकेशन को लेकर सवाल किए. उन्होंने बताया कि वे पश्चिम बंगाल में माता के दर्शन को गई थीं, लेकिन जब झारखंड में मौजूदगी के सबूत सामने रखे गए तो वे असहज हो गईं. उन्होंने कुछ सवालों के जवाब दिए, जबकि कई सवालों को टाल गईं. बाहर निकलने पर पत्रकारों से बातचीत में बीमा भारती ने खुद को निर्दोष बताते हुए कहा, "मुझे फंसाया जा रहा है. यह साजिश है, सरकार को अस्थिर करने का प्रयास मैंने नहीं किया." उल्लेखनीय है कि यह मामला हरलाखी के जदयू विधायक सुधांशु शेखर के बयान के आधार पर फरवरी में कोतवाली थाने में दर्ज हुआ था और बाद में गंभीरता को देखते हुए ईओयू को सौंपा गया. अब जांच एजेंसी पूरे मामले की तह तक जाने की तैयारी में है.

न्यूज अपडेट

1 से लागू होगी 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना

पटना। बिहार सरकार की महत्वाकांक्षी 125 यूनिट मुफ्त बिजली योजना 1 अगस्त से पूरे राज्य में लागू हो रही है. राज्य मंत्रिमंडल ने इस योजना को 18 जुलाई को मंजूरी दी थी, जिसके तहत जुलाई महीने से ही 125 यूनिट तक बिजली मुफ्त दी जाएगी, लेकिन इसका वास्तविक लाभ उपभोक्ताओं को अगस्त से मिलेगा. मुख्यमंत्री विद्युत उपभोक्ता सहायता योजना के तहत राज्य के करीब 1.86 करोड़ बिजली उपभोक्ताओं को 125 यूनिट तक मुफ्त बिजली मिलेगी. इसमें लगभग 60 लाख स्मार्ट प्रीपेड उपभोक्ता भी शामिल हैं. आंकड़ों के अनुसार, राज्य में 1.67 करोड़ उपभोक्ता ऐसे हैं जो प्रति माह औसतन 125 यूनिट या उससे कम बिजली का उपयोग करते हैं, उन्हें इस योजना का सीधा लाभ मिलेगा. सरकार के अनुसार, इस योजना से शहरी उपभोक्ताओं को औसतन 550 रुपये और ग्रामीण उपभोक्ताओं को करीब 306 रुपये प्रति माह की सीधी बचत होगी.

पटना मेट्रो: अब 23 अगस्त को होगा उद्घाटन

पटना। पटना मेट्रो रेल परियोजना के उद्घाटन की तारीख में बदलाव किया गया है. पहले यह उद्घाटन 15 अगस्त को प्रस्तावित था, जिसे अब 23 अगस्त को कर दिया गया है. पटना मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन और दिल्ली मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन ने इस बदलाव की पुष्टि की है. परियोजना के पहले चरण में अब 5 के बजाय केवल 3 स्टेशनों से मेट्रो सेवा की शुरुआत की जाएगी. हालांकि पीएमआरसी ने इन स्टेशनों के नामों की आधिकारिक घोषणा नहीं की है, लेकिन सूत्रों के अनुसार मलाही पकड़ी, भूतनाथ और न्यू आईएसबीटी स्टेशन से सेवा शुरू होने की संभावना है, क्योंकि इनके सिविल कार्य 80% पूरे हो चुके हैं. खेमनीचक और जीरो माइल स्टेशन को बाद में जोड़ा जाएगा. यह निर्णय तकनीकी तैयारियों और भीड़ प्रबंधन को ध्यान में रखते हुए लिया गया है. प्राथमिक कॉरिडोर (कॉरिडोर-II) मलाही पकड़ी से न्यू आईएसबीटी तक 6.49 किमी लंबा एलिवेटेड खंड है. ट्रैक बिछाने और ट्रायल रन की प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूरी हो चुकी है. अब केवल सिग्नलिंग और सुरक्षा परीक्षण बाकी है.

टाटी नदी में डूबने से 60 वर्षीय बुजुर्ग की मौत

नवादा। जिले के वारसलीगंज थाना क्षेत्र के गंगटा गांव में मंगलवार को एक दर्दनाक हादसा हो गया. गांव के 60 वर्षीय दिनेश राम की टाटी नदी में डूबने से मौत हो गई. बताया जाता है कि दिनेश राम नदी के किनारे किसी काम से गए थे, तभी अचानक उनका पैर फिसल गया और वे नदी में जा गिरे. इस दौरान किसी ने उन्हें डूबते हुए नहीं देखा, जिससे समय रहते उनकी मदद नहीं हो सकी. घटना की जानकारी सबसे पहले गांव के बच्चों ने दी, जिसके बाद स्थानीय लोगों ने तुरंत पुलिस को सूचित किया. सूचना मिलते ही वारसलीगंज थाना प्रभारी रूपेश कुमार सिंह अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे और मामले की जांच की. ग्रामीणों की मदद से बुजुर्ग को नदी से बाहर निकाला गया, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी. पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल नवादा भेजा. पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया. इस दुखद हादसे के बाद दिनेश राम के घर में कोहराम मच गया है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है. गांव में शोक का माहौल है.

पटना एम्स में विधायक चेतन आनंद के साथ मारपीट

पटना। पटना एम्स में गुरुवार को शिवहर विधानसभा से विधायक चेतन आनंद के साथ मारपीट और बदसलूकी की गंभीर घटना सामने आई है. जानकारी के अनुसार चेतन आनंद एक मरीज से मुलाकात करने अस्पताल पहुंचे थे, जहां सुरक्षा में तैनात एक गार्ड से उनकी किसी बात को लेकर कहासुनी हो गई. यह कहासुनी इतनी बढ़ गई कि दोनों के बीच हाथापाई की नौबत आ गई. विधायक चेतन आनंद ने आरोप लगाया है कि सुरक्षाकर्मी ने न सिर्फ उनके साथ अभद्र व्यवहार किया, बल्कि धक्का-मुक्की और मारपीट भी की. घटना के बाद चेतन आनंद ने स्थानीय थाने में मामले की लिखित शिकायत दर्ज कराई है. पुलिस मामले की जांच में जुट गई है, वहीं एम्स प्रशासन ने भी घटना की गंभीरता को देखते हुए आंतरिक जांच शुरू कर दी है. घटना के बाद अस्पताल परिसर में हल्का तनाव का माहौल देखा गया. मरीजों और उनके परिजनों में भी भय का माहौल व्याप्त हो गया. चेतन आनंद पूर्व सांसद आनंद मोहन सिंह और वर्तमान सीतामढ़ी सांसद लवली आनंद के पुत्र हैं. वर्ष 2020 में वे राजद के टिकट पर शिवहर से विधायक चुने गए थे, हालांकि बाद में वे पार्टी से बागी हो गए.

कारोबार

ट्रंप के भारी टैक्स लगाने से बाजार में रही हलचल

नयी दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय सामान पर 25% का भारी टैक्स लगाने का ऐलान किया है. इस कदम से भारत के कपड़ा और दवा जैसे कई उद्योगों में अस्थिरता फैल गई है. सुबह के कारोबार में सेंसेक्स और निफ्टी करीब 1% गिर गए, लेकिन बाद में बाजार में सुधार हुआ. सेंसेक्स 300 अंक से अधिक बढ़कर और निफ्टी 24,900 के पार पहुंच गया. ट्रंप ने स्पष्ट किया है कि यह टैक्स दर अंतिम नहीं है और भविष्य में इसमें बदलाव संभव है. अमेरिका की ट्रेड डील टीम अगले महीने भारत आकर इस मामले पर बातचीत करेगी.

अमेरिका टैरिफ लगाने से कई सेक्टर प्रभावित होंगे

नयी दिल्ली। अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत से आने वाले सामान पर 1 अगस्त से 25% टैरिफ लगाने का ऐलान किया है. इसके साथ ही, रूस से तेल खरीदने के कारण भारत पर पेनल्टी लगाने की भी धमकी दी गई है. इस कदम से भारत के कई महत्वपूर्ण सेक्टरों पर गंभीर असर पड़ सकता है, खासकर इलेक्ट्रॉनिक्स, दवाइयां, गहने और ऑटो पार्ट्स बनाने वाली कंपनियों को बड़ा नुकसान होने की संभावना है. चीन के बाद अमेरिका भारत का दूसरा सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है.

भारतीय रत्न में श्रमिकों पर बेरोजगारी का खतरा

नयी दिल्ली। भारतीय रत्न और आभूषण उद्योग अमेरिकी सरकार द्वारा 25 प्रतिशत टैरिफ बढ़ाने के कारण गंभीर संकट में है. 1 अगस्त से लागू इस नए टैरिफ से देश के हाथ से बने आभूषणों के निर्यात पर भारी प्रभाव पड़ने की संभावना है. अखिल भारतीय रत्न एवं आभूषण घरेलू परिषद के अध्यक्ष राजेश रोकड़े ने बताया कि इस कदम से भारतीय आभूषण अमेरिका में बिकने में मुश्किलों का सामना कर सकते हैं और बाजार में उनकी मांग कम हो सकती है. उन्होंने कहा कि पहले जब टैरिफ 10 प्रतिशत था, तब भी करीब 50 हजार श्रमिक बेरोजगार होने की आशंका थी.

टाटा ट्रस्ट्स ने टाटा संस से मांगा एसपी ग्रुप के लिए एग्जिट प्लान

आरबीआई की लिस्टिंग डेडलाइन के बीच टाटा संस ने 30 हजार करोड़ का कर्ज चुकाया

एजेंसी।नयी दिल्ली

देश के सबसे बड़े औद्योगिक समूह टाटा ग्रुप की होल्डिंग कंपनी टाटा संस को लेकर एक बड़ा फैसला सामने आया है. टाटा ट्रस्ट्स, जो टाटा संस में सबसे बड़ी हिस्सेदार है, ने चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन को निर्देश दिया है कि वे टाटा संस के सबसे बड़े माइनॉरिटी शेयरहोल्डर शापूरजी पलोनजी (एसपी) ग्रुप के लिए एक एग्जिट प्लान तैयार करें. यह पहली बार है जब टाटा ट्रस्ट्स ने इस मसले पर खुलकर कदम उठाया है.

टाटा ट्रस्ट्स का यह रुख इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि रतन टाटा के कार्यकाल के दौरान एसपी ग्रुप द्वारा पेश किया गया ऐसा ही प्रस्ताव ठुकरा दिया गया था. उस समय एसपी ग्रुप चाहता था कि टाटा संस की संपत्ति और देनदारियों को उसकी 18.37% हिस्सेदारी के हिसाब से विभाजित किया जाए, लेकिन ट्रस्ट्स ने इसे अस्वीकार कर दिया था. इस नए घटनाक्रम के पीछे एक बड़ी वजह भारतीय रिजर्व बैंक का वह आदेश है, जिसमें कहा गया है कि टाटा संस को 30 सितंबर तक स्टॉक मार्केट में लिस्ट होना होगा. अगर कंपनी लिस्ट होती है, तो एसपी ग्रुप को अपनी हिस्सेदारी बेचने का सहज रास्ता मिल जाएगा. मगर टाटा ट्रस्ट्स नहीं चाहते कि टाटा संस पब्लिक कंपनी बने. वे इसे प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के रूप में ही बनाए रखना चाहते हैं. लिस्टिंग से बचने की तैयारी में टाटा संस ने पिछले दो साल और दस महीने में करीब 30,000 करोड़ रुपये का कर्ज चुका दिया है. इसके अलावा कंपनी ने अपने सभी प्रेफरेंस शेयर भी वापस ले लिए हैं. टाटा संस ने आरबीआई से यह भी अनुरोध किया है कि उसे कोर इन्वेस्टमेंट कंपनी का दर्जा न दिया जाए. इस पर आरबीआई में विचार चल रहा है.टाटा ट्रस्ट्स और एसपी ग्रुप के बीच टाटा संस की वैल्यू को लेकर भी मतभेद रहे हैं. ट्रस्ट्स, एसपी ग्रुप की हिस्सेदारी का मूल्यांकन बुक वैल्यू और इलिक्विडिटी डिस्काउंट के आधार पर करते हैं, जबकि एसपी ग्रुप का मानना है कि वैल्यूएशन मार्केट वैल्यू के अनुसार होना चाहिए. वर्तमान में एसपी ग्रुप पर भारी कर्ज है और उसने टाटा संस में अपनी पूरी हिस्सेदारी कर्जदाताओं के पास गिरवी रख दी है. टाटा संस को उसके शेयर खरीदने का पहला अधिकार प्राप्त है, लेकिन यह प्रक्रिया जटिल हो सकती है. टाटा और एसपी ग्रुप के रिश्ते तब से तनावपूर्ण हो गए जब साइरस मिस्त्री को टाटा संस के चेयरमैन पद से हटाया गया था. इसके बाद मामला सुप्रीम कोर्ट तक पहुंचा, जहां टाटा ग्रुप को जीत मिली और कोर्ट ने मिस्त्री को हटाने तथा टाटा संस को प्राइवेट कंपनी बनाए रखने के फैसले को वैध बताया. अब टाटा ट्रस्ट्स की कोशिश है कि आरबीआई से बातचीत कर टाटा संस की मौजूदा स्थिति को बनाए रखा जाए और एसपी ग्रुप को एक सम्मानजनक एग्जिट का रास्ता दिया जाए,

एनसीडीसी को 2000 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता मंजूर की गई

नयी दिल्ली। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने वर्ष 2025-26 से 2028-29 तक चार वर्षों की अवधि के लिए राष्ट्रीय सहकारी विकास निगम (एनसीडीसी) को 2000 करोड़ रुपये की अनुदान सहायता मंजूर की है. यह जानकारी केंद्रीय सूचना और प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने दी. इस अनुदान से एनसीडीसी को सहकारी समितियों को ऋण देने और उनकी कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए संसाधन जुटाने में मदद मिलेगी. एनसीडीसी इस अवधि में खुले बाजार से अतिरिक्त 20,000 करोड़ रुपये जुटाने का लक्ष्य रखेगा. सरकार ने बताया कि इस योजना के तहत नई परियोजनाओं की स्थापना, संयंत्रों के विस्तार, और सहकारी समितियों को ऋण प्रदान करने के लिए निधियों का उपयोग किया जाएगा. इस पहल से देशभर में डेयरी, पशुधन, मत्स्य पालन, चीनी, कपड़ा, खाद्य प्रसंस्करण, भंडारण और कोल्ड स्टोरेज जैसे विभिन्न क्षेत्रों में सक्रिय 13,288 सहकारी समितियों के 2.9 करोड़ सदस्यों को लाभ होगा. विशेष रूप से श्रम और महिलाओं के नेतृत्व वाली सहकारी समितियों को इस योजना से महत्वपूर्ण समर्थन मिलेगा.

राहत की खबर भारत $4.19 ट्रिलियन की जीडीपी के साथ चौथे नंबर पर है

भारत बनेगा तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था

एजेंसी।नयी दिल्ली

अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा भारतीय सामान पर 25% टैरिफ और रूस से तेल खरीदने पर अतिरिक्त जुर्माना लगाने की चेतावनी के बीच भारत के लिए अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर राहत भरी खबर सामने आई है. अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष ने अपनी रिपोर्ट में कहा है कि भारत की अर्थव्यवस्था 2025 और 2026 में 6.4% की रफ्तार से बढ़ेगी. इस ग्रोथ रेट के साथ भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है. आईएमएफ के अनुसार भारत वर्तमान में $4.19 ट्रिलियन की जीडीपी के साथ विश्व की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है. पहले स्थान पर अमेरिका ($30.51 ट्रिलियन), दूसरे पर चीन ($19.23 ट्रिलियन) और तीसरे पर जर्मनी ($4.74 ट्रिलियन) हैं. लेकिन जिस तरह से भारत की आर्थिक वृद्धि हो रही है और जर्मनी की रफ्तार धीमी पड़ी है, उसे देखते हुए भारत जल्द ही तीसरे स्थान पर काबिज हो सकता है. इस बीच, जर्मनी की अर्थव्यवस्था दबाव में है. ताजा आंकड़ों के मुताबिक, साल की दूसरी तिमाही में जर्मनी की जीडीपी में 0.1% की गिरावट दर्ज की गई है. इससे पहले की तिमाही में वहां 0.3% की मामूली वृद्धि हुई थी, जो टैरिफ बढ़ने की आशंका के चलते अमेरिकी आयातकों द्वारा की गई खरीदारी का परिणाम थी. लेकिन अब अमेरिका में मांग घटने के कारण जर्मनी को नुकसान उठाना पड़ रहा है.

गौरतलब है कि अमेरिका जर्मनी का सबसे बड़ा व्यापारिक साझेदार है. दोनों देशों के बीच बीते वर्ष 278 अरब डॉलर का व्यापार हुआ. लेकिन अमेरिका ने यूरोपीय संघ पर 15% टैरिफ लगा दिया है, जिससे जर्मनी की अर्थव्यवस्था पर खासा असर पड़ने की आशंका है. विशेषज्ञों का मानना है कि फिस्कल स्टिम्यूलस (राजकोषीय प्रोत्साहन) के चलते अगले साल जर्मनी की अर्थव्यवस्था कुछ हद तक संभल सकती है.

दूसरी ओर आईएमएफ के अनुमान के मुताबिक चीन की विकास दर 2025 में 4.8% और 2026 में 4.2% रहेगी. अमेरिका की आर्थिक वृद्धि दर 2025 में 1.9% और 2026 में 2.0% रहने का अनुमान है. इन आंकड़ों से साफ है कि भारत न सिर्फ एशिया बल्कि पूरी दुनिया में आर्थिक मोर्चे पर सबसे तेज रफ्तार से आगे बढ़ रहा है, और निकट भविष्य में वह वैश्विक अर्थव्यवस्था में तीसरे स्थान पर आ सकता है.

अमेरिका की नई टैरिफ नीति से निर्यातकों में चिंता

नयी दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारत समेत कई देशों से आयातित सामान पर नए टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जो 1 अगस्त से लागू होगी. भारत से आने वाले सामानों पर 25% टैरिफ लगाया जाएगा, जबकि ब्रिटेन से 10%, यूरोपीय संघ और जापान से 15%, इंडोनेशिया से 19% और वियतनाम से 20% टैरिफ लागू होंगे. इसके अलावा, ट्रंप ने रूस से तेल खरीदने पर भारत पर जुर्माना लगाने की भी बात कही है. यह घोषणा भारतीय निर्यातकों के लिए चिंता का विषय बनी हुई है, खासकर टेक्सटाइल, रत्न-आभूषण, कालीन और समुद्री भोजन जैसे प्रमुख क्षेत्रों में. भारत के प्रमुख चमड़ा और जूता निर्यातक फरीदा ग्रुप के एम रफीक अहमद ने कहा कि अमेरिका से ऑर्डर मिलने की उम्मीद में वे वहां जाने की योजना बना रहे थे, लेकिन अब इस अनिश्चितता के कारण उनकी योजना पर पुनर्विचार करना पड़ रहा है. उन्होंने बताया कि वियतनाम की तुलना में भारत को पांच प्रतिशत अधिक नुकसान हो सकता है, जिससे ऑर्डर रद्द होने और कीमतों पर फिर से बातचीत होने की संभावना बढ़ गई है.

ऊंची सैलरी पर पेंशन अर्जियों का ऑडिट शुरू किया

नयी दिल्ली। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन अब ऊंची सैलरी पर पेंशन से जुड़ी सभी अर्जियों का ऑडिट करेगा. यह कदम सुप्रीम कोर्ट के 4 नवंबर 2022 के निर्देशों के अनुपालन की जांच के लिए उठाया गया है. ईपीएफओ की अपनी इंटरनल ऑडिट टीम इस ऑडिट को इस साल 30 सितंबर तक पूरा कर लेगी. खास तौर पर उन कंपनियों पर ध्यान दिया जाएगा यह ऑडिट श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के निर्देश और पेंशन तथा ईडीएलआई इम्प्लीमेंटेशन कमिटी की सिफारिश के बाद शुरू किया गया है. ईपीएफओ ने नोटिफिकेशन में बताया है कि छूट वाली कंपनियों से जुड़ी अर्जियों और 'वैलिडेशन ऑप्शन' वाले मामलों को प्राथमिकता दी जाएगी ताकि ऑडिट का काम त्वरित और प्रभावी तरीके से पूरा हो सके. ईपीएफओ ने सभी जोनल कार्यालयों को निर्देश दिया है कि वे डिमांड लेटर जारी करने में देरी, पेंशन पेमेंट ऑर्डर जारी करने में विलंब, पीपीओ की सटीक जानकारी और एरियर-पेंशन भुगतान में किसी भी गड़बड़ी की जांच करें.

भारत में एमएसएमई क्षेत्र की तिमाही बिक्री में वृद्धि

नयी दिल्ली। भारत में 50 प्रतिशत से अधिक विनिर्माण एमएसएमई ने चालू वित्त वर्ष की पहली तिमाही (अप्रैल-जून 2025) में बिक्री में वृद्धि दर्ज की है. भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक द्वारा किए गए हालिया एमएसएमई आउटलुक सर्वेक्षण (एमओएस) के अनुसार, सेवा क्षेत्र के 42 प्रतिशत एमएसएमई ने भी इस अवधि में बिक्री में बढ़ोतरी देखी, जबकि 48 प्रतिशत ने स्थिर बिक्री की सूचना दी. सर्वेक्षण में यह भी पता चला कि सालाना आधार पर सभी क्षेत्रों के एमएसएमई ने बिक्री में सकारात्मक वृद्धि दर्ज की है. हालांकि, लगभग 40 प्रतिशत एमएसएमई निर्यातक टैरिफ-संबंधी मुद्दों से प्रभावित रहे हैं. ये टैरिफ भारत के व्यवसायों पर वैश्विक व्यापार अनिश्चितताओं के नकारात्मक प्रभाव को दर्शाते हैं. निर्यातकों के लिए यह चुनौती अभी भी बनी हुई है, जिससे उनकी कारोबार की रफ्तार पर असर पड़ा है. इन चुनौतियों के बावजूद, एमएसएमई क्षेत्र का समग्र मूड सकारात्मक बना हुआ है. आगामी तिमाही के लिए एमएसएमई व्यवसाय अपेक्षा सूचकांक (एम-बीईआई) 62.19 दर्ज किया गया है, जबकि वित्त वर्ष 2027 के लिए यह सूचकांक 67.88 रहा.

50% टैरिफ का फैसला घरेलू उद्योग के लिए नुकसानदेह

नयी दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप द्वारा 1 अगस्त से अर्ध-निर्मित तांबे और तांबा आधारित उत्पादों के आयात पर 50 प्रतिशत भारी टैरिफ लगाने का निर्णय अमेरिकी घरेलू उद्योगों पर विपरीत प्रभाव डाल सकता है. थिंक टैंक ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने इस फैसले की आलोचना करते हुए कहा है कि यह कदम अमेरिकी उद्योगों को नुकसान पहुंचाएगा, जबकि इसका मकसद विदेशी तांबे पर निर्भरता कम करना था. अमेरिका ने इस टैरिफ को राष्ट्रीय सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए, व्यापरा विस्तार अधिनियम की धारा 232 के तहत लागू किया है. सरकार का दावा है कि तांबा रक्षा, स्वच्छ ऊर्जा, और बुनियादी ढांचे जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए आवश्यक है और विदेशी आपूर्ति पर अत्यधिक निर्भरता खतरा पैदा कर सकती है. इस घोषणा को 29 जुलाई 2025 को औपचारिक रूप दिया गया. लेकिन जीटीआरआई का मानना है कि तांबा इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी), पावर ग्रिड, अर्धचालकों और रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स के लिए एक अनिवार्य कच्चा माल है.

प्रीमियर लीग : मैनचेस्टर यूनाइटेड ने बोर्न माउथ को 4-1 से पराजित किया

वेस्ट हैम ने एवर्टन को 2-1 से दी मात

एजेंसी। शिकागो

मैनचेस्टर यूनाइटेड ने प्रीमियर लीग समर सीरीज़ के तहत भारतीय समयानुसार गुरुवार को शिकागो के सोल्जर फील्ड स्टेडियम में खेले गए मुकाबले में बोर्नमाउथ को 4-1 से हराकर टूर्नामेंट में लगातार दूसरी जीत दर्ज की.रुबेन आमोरिम की टीम की ओर से रासमुस होयलुंड, पैट्रिक डॉर्गू, अमाद डायलो और युवा खिलाड़ी ईथन विलियम्स ने गोल दागे. यूनाइटेड ने इससे पहले शनिवार को वेस्ट हैम को 2-1 से हराया था.बारिश और तेज हवाओं के बीच खेले गए मुकाबले में यूनाइटेड ने आठवें ही मिनट में बढ़त बना ली जब डॉर्गू के शानदार क्रॉस पर होयलुंड ने हेडर से गोल किया. 25वें मिनट में डॉर्गू ने खुद गोल कर यूनाइटेड की बढ़त 2-0 कर दी.

मेसन माउंट की फ्री-किक पर गेंद को कंट्रोल कर उन्होंने बोर्नमाउथ के गोलकीपर डजॉर्ज पेट्रोविच को छकाते हुए गेंद को गोल में पहुंचाया.दूसरे हाफ के 53वें मिनट में अमाद डायलो ने तीसरा गोल किया. फिर 70वें मिनट में आमरोजिन

ने नौ बदलाव किए और इसके दो मिनट बाद ही सब्स्टीट्यूट खिलाड़ी ईथन विलियम्स ने लो शॉट के जरिए चौथा गोल किया.हालांकि 88वें मिनट में यूनाइटेड के लिए एकमात्र निगेटिव पल तब आया जब डिफेंडर माथायस डी लिट ने आत्मघाती गोल कर दिया, जिससे स्कोर 4-1 हुआ.

वेस्ट हैम ने एवर्टन को हराया : दिन के दूसरे मुकाबले में वेस्ट हैम ने पिछड़ने के बावजूद दमदार वापसी करते हुए एवर्टन को 2-1 से शिकस्त दी.एवर्टन के लिए इद्रिसा गुये ने 17वें मिनट में गोल कर टीम को बढ़त दिलाई. लेकिन हाफ टाइम से ठीक पहले ब्राजील के अंतरराष्ट्रीय खिलाड़ी लुकास पकेटा ने बराबरी का गोल दागा.फिर जर्मनी के निक्लास फुल्क्रुग ने 64वें मिनट में गोल कर वेस्ट हैम को निर्णायक बढ़त दिला दी.एवर्टन के लिए यह प्री-सीजन में लगातार दूसरी हार रही. इससे पहले उन्हें बोर्नमाउथ के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा था.मैच के बाद एवर्टन के कोच डेविड मोयस ने कहा, "मैं ज्यादा चिंतित नहीं हूं क्योंकि मेरे पास वो खिलाड़ी ही नहीं हैं जिनकी मुझे ज़रूरत है. हम पहले से जानते थे कि यहां हमें मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा. इस समय हम न तो इस टूर्नामेंट के लिए तैयार हैं और न ही प्रीमियर लीग सीज़न की शुरुआत के लिए."

अंतिम मुकाबले रविवार को : यह चार टीमों का टूर्नामेंट रविवार को अटलांटा में समाप्त होगा, जिसमें मैनचेस्टर यूनाइटेड का सामना एवर्टन से और वेस्ट हैम का मुकाबला बोर्नमाउथ से होगा.

शुभमन गिल ने तोड़ा 47 साल पुराना भारतीय रिकॉर्ड

गावस्कर-कोहली से निकले आगे

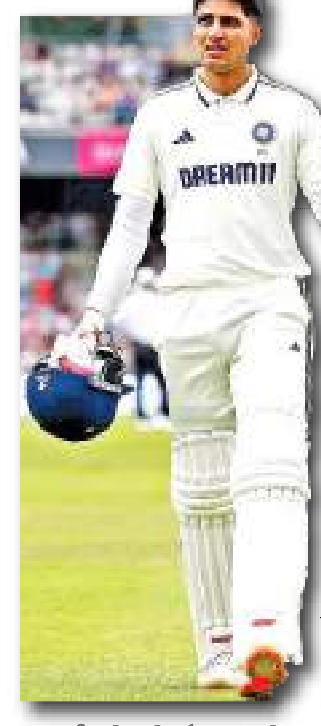

- एक टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान भी बने

एजेंसी। लंदन

भारत और इंग्लैंड के बीच पांचवां टेस्ट केनिंग्टन ओवल में खेला जा रहा है. इस मैच में भारतीय टीम पहले बल्लेबाजी कर रही है. टीम इंडिया के शुभमन गिल ने इस मैच में सिर्फ 11 रन बनाते ही दिग्गज खिलाड़ी सुनील गावस्कर का 47 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ दिया है. वहीं गिल भारत की टेस्ट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली से भी आगे निकल गए हैं. गिल किसी टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान बन गए हैं. शुभमन गिल के केनिंग्टन ओवल टेस्ट में 11 रन बनाते ही इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज में 733 रन हो गए, जिसके बाद वे किसी टेस्ट सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले भारतीय कप्तान बन गए. गिल ने महान खिलाड़ी सुनील गावस्कर के 47 साल पुराने रिकॉर्ड को तोड़ दिया. सुनील गावस्कर ने 1978-79 में वेस्टइंडीज के खिलाफ सीरीज में 732 रन बनाए थे. शुभमन गिल भारतीय टेस्ट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली से भी इस मामले में आगे हैं. विराट ने 2016-2017 में इंग्लैंड के ही खिलाफ एक सीरीज में 655 रन बनाए थे. किसी सीरीज में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले कप्तान के तौर पर टॉप 5 की लिस्ट में तीन बार विराट कोहली का नाम शामिल है. विराट ने 2017-18 में श्रीलंका के खिलाफ एक सीरीज में 610 रन बनाए थे. वहीं 2018 में इंग्लैंड के खिलाफ विराट एक सीरीज में 593 रन भी बना चुके हैं. लेकिन अब कप्तान शुभमन गिल ने सुनील गावस्कर और विराट कोहली दोनों दिग्गज खिलाड़ियों को पछाड़ दिया है.

पूर्व 100 मीटर विश्व चैंपियन फ्रेड केरली प्रतियोगिता से बाहर

यूजीन । पूर्व 100 मीटर विश्व चैंपियन फ्रेड केरली ने इस सप्ताह ओरेगन में होने वाली यूएस ट्रैक एंड फील्ड चैंपियनशिप से नाम वापस ले लिया है, जिससे अब वह सितंबर में टोक्यो में होने वाली वर्ल्ड एथलेटिक्स चैंपियनशिप 2025 में हिस्सा नहीं ले पाएंगे.2022 में विश्व चैंपियन रह चुके और दो बार के ओलंपिक 100 मीटर पदक विजेता केरली ने सोशल मीडिया पर अपने नाम वापसी की जानकारी दी.उन्होंने लिखा, 100 मीटर दौड़ एक सीधी स्प्रिंट होनी चाहिए. 2025 ने कई बाधाएं पेश की हैं. अब कुछ समय ट्रैक पर वापसी के लिए ले रहा हूं. इस साल कोई चैंपियनशिप नहीं. सभी समर्थकों का धन्यवाद.30 वर्षीय केरली ने टोक्यो ओलंपिक में 100 मीटर में रजत पदक और 2024 पेरिस में कांस्य पदक जीता था.2022 में उन्होंने यूजीन स्थित हेवर्ड फील्ड में आयोजित वर्ल्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक अपने नाम किया था-यही स्टेडियम इस वर्ष की यूएस चैंपियनशिप का भी आयोजन स्थल है, जो विश्व चैंपियनशिप के लिए ट्रायल्स का कार्य भी करती है.केरली ने मई में 100 मीटर दौड़ में 9.98 सेकंड का समय निकाला था, जो कि एक प्रभावशाली प्रदर्शन माना गया. हालांकि, उनका यह सीजन ट्रैक से बाहर की विवादों से प्रभावित रहा है.मई की शुरुआत में उन्हें मायामी में ग्रैंड स्लैम ट्रैक मीटिंग से पीछे हटना पड़ा था, जब बैटरी (हिंसा) के आरोप में उन्हें गिरफ्तार किया गया था.

टोरंटो ओपन : बेन शेल्टन ने एड्रियन मन्नारिनो को हराया

हार्ड कोर्ट पर रुबलेव ने ह्यूगो गैस्टन को हरा कर 250वीं जीत दर्ज की

एजेंसी। टोरंटो

बेन शेल्टन ने कैनेडियन ओपन के अपने पहले मैच में एड्रियन मन्नारिनो को 6-2, 6-3 से हराकर तीसरे दौर में प्रवेश किया. शेल्टन ने एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में अपनी 25वीं जीत दर्ज की. 22 वर्षीय बेन शेल्टन फिलहाल पीआईएफ एटीपी रैंकिंग में अपने करियर के सर्वश्रेष्ठ सातवें स्थान पर हैं. वह पिछले 10 में से 8 मुकाबले जीत चुके हैं.चौथे वरीय अमेरिकी खिलाड़ी ने एटीपी स्टैट्स के अनुसार अपने पहले सर्व पर 90 प्रतिशत (28 में से 31) अंक जीते और जिन दो ब्रेक प्वॉइंट्स का सामना किया, उन्हें भी बचा लिया. इसके साथ ही उन्होंने फ्रेंच खिलाड़ी के खिलाफ एटीपी स्तर पर तीसरे आमने-सामने के मुकाबले में पहली जीत हासिल की. शेल्टन ने मैच के बाद कहा कि आखिरी गेम में थोड़ा तनाव जरूर था, लेकिन मुझे खुशी है कि मैं अंत तक संयमित रहा और ब्रेक प्वॉइंट पर भी सर्व करते हुए मैच को खत्म कर पाया. अब शेल्टन का अगला मुकाबला 25वें वरीय ब्रैंडन नकाशिमा से होगा, जिन्होंने हमवतन खिलाड़ी एथन क्विन को 7-6(6), 6-4 से हराया. टोरंटो में इस फोर्टनाइट के दौरान शेल्टन अपना पहला मास्टर्स 1000 खिताब जीतने की कोशिश में हैं.

एटीपी लाइव रेस टू ट्यूरिन में फिलहाल नौवें स्थान पर हैं. इस साल वह निट्टो एटीपी फाइनल्स में अपनी पहली उपस्थिति दर्ज कराने की ओर बढ़ रहे हैं. इससे पहले, आंद्रे रुबलेव ने ह्यूगो गैस्टन को 6-2, 6-3 से हराकर हार्ड कोर्ट पर अपने करियर की 250वीं जीत दर्ज की. 27 वर्षीय रुबलेव ने गैस्टन के खिलाफ 19 विनर्स और 17 अनफोर्स्ड एरर्स के साथ मुकाबला समाप्त किया और तीसरे दौर में प्रवेश किया. छठे वरीय रुबलेव ने पिछले साल इसी एटीपी मास्टर्स 1000 इवेंट में फाइनल तक का सफर तय किया, जहां उन्हें एलेक्सी पोपिरिन से हार का सामना करना पड़ा था. इस सीजन का अपना दूसरा खिताब जीतने की कोशिश में दोहा ओपन चैंपियन रुबलेव अब 28वें वरीय लोरेंजो सोनेगो से भिड़ेंगे.बुधवार को एक अन्य मुकाबले में कनाडा के गेब्रियल डायलो दूसरी बार मास्टर्स 1000 इवेंट के तीसरे दौर में पहुंच गए. डायलो ने दूसरे सेट के टाई-ब्रेक में 3/5 से वापसी करते हुए माटेओ गिगांटे को 6-3, 7-6(5) से हराया.

कनाडियन ओपन : विंबलडन चैंपियन इगा स्वियातेक तीसरे दौर में

एजेंसी। मॉन्ट्रियल

विंबलडन चैंपियन इगा स्वियातेक ने नेशनल बैंक ओपन (कनाडियन ओपन) के तीसरे दौर में आसानी से प्रवेश किया. खेले गए मुकाबले में उन्होंने चीन की गुओ हानयू को सीधे सेटों में 6-3, 6-1 से हराया. स्वियातेक का यह मुकाबला विंबलडन फाइनल के बाद पहला था, जिसमें उन्होंने अमांडा अनीसिमोवा को 6-0, 6-0 से हराकर अपना छठा ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था. इस जीत के साथ उन्होंने लगातार 24 गेम जीतने का सिलसिला भी जारी रखा.

मैच के बाद स्वियातेक ने कहा- मुझे लगता है कि मैंने आज काफी ठोस खेल दिखाया. हार्ड कोर्ट पर इतने लंबे ब्रेक के बाद खेलना हमेशा चुनौतीपूर्ण होता है, लेकिन मैं खुद पर फोकस कर सकी, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढाल सकी और अच्छा प्रदर्शन किया.दूसरी वरीयता प्राप्त पोलिश स्टार अब शुक्रवार को रूस की अनास्तासिया पावल्युचेनकोवा और जर्मनी की ईवा लिस के बीच होने वाले मुकाबले की विजेता से भिड़ेंगी. अमेरिका की दो बार की डिफेंडिंग चैंपियन जेसिका पेगुला ने भी तीसरे दौर में जगह बनाई. उन्होंने ग्रीस की मारिया सक्कारी को 7-5, 6-4 से हराया.छठी वरीयता प्राप्त अमेरिका की मैडिसन कीज़ ने जर्मनी की लॉरा सीगेमंड को 6-2, 6-1 से पराजित किया. वहीं, जापान की पूर्व विश्व नंबर एक नाओमी ओसाका ने रूस की ल्यूडमिला समसोनोवा के खिलाफ संघर्षपूर्ण जीत दर्ज की. ओसाका ने 4-6, 7-6 (6), 6-3 से मुकाबला अपने नाम किया.

आईसीसी ने जारी की रैंकिंग : टेस्ट रैंकिंग में जडेजा को बढ़त

अभिषेक शर्मा टी-20 फॉर्मेट के नंबर-1 बल्लेबाज बन गए

एजेंसी। नई दिल्ली

मैनचेस्टर में शानदार ऑलराउंड प्रदर्शन के बाद रवींद्र जडेजा और बेन स्टोक्स ने आईसीसी पुरुष टेस्ट खिलाड़ियों की रैंकिंग में शानदार बढ़त हासिल की है. वहीं, अभिषेक शर्मा टी-20 फॉर्मेट में नंबर-1 बल्लेबाज बन गए. चौथे टेस्ट में इंग्लैंड के खिलाफ चार विकेट लेने के बाद जडेजा ने भारत की दूसरी पारी में नाबाद 107 रन बनाए. इसी के साथ जडेजा ने ऑलराउंडर्स की रैंकिंग में शीर्ष पर अपनी बढ़त और मजबूत कर ली. 422 रेटिंग अंकों के साथ जडेजा ऑलराउंडर्स की लिस्ट में शीर्ष पर बने हुए हैं.

इस लिस्ट में बांग्लादेश के मेहदी हसन (305 रेटिंग अंक) दूसरे पायदान पर हैं. जडेजा बल्लेबाजों की रैंकिंग में भी पांच पायदान ऊपर चढ़कर 29वें स्थान पर, जबकि गेंदबाजों की रैंकिंग में एक स्थान ऊपर चढ़कर 14वें स्थान पर पहुंच गए हैं. इंग्लैंड के कप्तान स्टोक्स तीन पायदान की छलांग लगाते हुए ऑलराउंडर्स की फेहरिस्त में तीसरे स्थान पर पहुंच गए. यह दिसंबर 2022 के बाद से उनका सर्वोच्च स्थान भी है. चौथे टेस्ट में इंग्लैंड के कप्तान ने 141 रन की पारी खेली थी. इसके अलावा उन्होंने कुल छह विकेट भी झटके. स्टोक्स बल्लेबाजों की सूची में आठ पायदान ऊपर चढ़कर 34वें, जबकि गेंदबाजों की सूची में 45वें से 42वें स्थान पर पहुंच गए हैं. भारत के ऑफ-स्पिन ऑलराउंडर वाशिंगटन सुंदर ने दूसरी पारी में नाबाद 101 रन बनाए और जडेजा के साथ पांचवें विकेट के लिए 203 रनों की अटूट साझेदारी करते हुए भारत को टेस्ट ड्रॉ कराने में मदद की. वह बल्लेबाजों की लिस्ट में आठ पायदान ऊपर चढ़कर 65वें स्थान पर पहुंच गए हैं. सुंदर ऑलराउंडर्स की सूची में भी आठ पायदान ऊपर चढ़कर संयुक्त रूप से 13वें स्थान पर पहुंच गए हैं, उन्होंने मैच में दो विकेट भी लिए थे. मैनचेस्टर टेस्ट में जो रूट ने 150 रन की पारी खेली. उसी के साथ बल्लेबाजों की लिस्ट में 904 रेटिंग के साथ शीर्ष पर मजबूती के साथ जमे हुए हैं. सलामी बल्लेबाज बेन डकेट पांच स्थान ऊपर चढ़कर 10वें स्थान, जबकि जैक क्रॉली दो पायदान ऊपर चढ़कर 43वें स्थान पर पहुंच गए. ओली पोप को एक स्थान का फायदा हुआ है. वह 24वें पायदान पर हैं.जोफ्रा आर्चर ने भारत के खिलाफ 73 रन देकर 3 विकेट लिए. वह 38 पायदान की जबरदस्त छलांग लगाते हुए 63वें स्थान पर पहुंच गए, जबकि क्रिस वोक्स मैच में तीन विकेट लेने के बाद एक स्थान ऊपर चढ़कर 23वें पायदान पर पहुंच गए.इस बीच, टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाज अभिषेक शर्मा पहली बार शीर्ष रैंकिंग वाले बल्लेबाज बन गए. वेस्टइंडीज में ऑस्ट्रेलिया ने पांच मुकाबलों की टी20 सीरीज खेली, जिसमें ट्रेविस हेड नहीं खेले. इसी के साथ उन्होंने अपनी एक साल की बादशाहत खो दी है. कैरेबियाई दौरे पर सीरीज जीतने में जोश इंगलिस का अहम योगदान रहा, जिन्होंने दो अर्धशतकों के साथ 172 रन बनाए. वह छह पायदान की छलांग लगाकर नौवें स्थान पर पहुंच गए, जबकि टिम डेविड 12 पायदान ऊपर चढ़कर 18वें स्थान पर पहुंच गए. इनके अलावा कैमरून ग्रीन 64 स्थान की छलांग के साथ 24वें स्थान पर पहुंचे.

वेस्टइंडीज के लिए, ब्रैंडन किंग नौ स्थान की छलांग के साथ संयुक्त रूप से 21वें स्थान पर पहुंच गए हैं. शीर्ष सात गेंदबाजों में कोई बदलाव नहीं हुआ है, जैकब डफी शीर्ष स्थान पर बने हुए हैं, जिन्होंने जिम्बाब्वे में त्रिकोणीय सीरीज में छह विकेट लेकर न्यूजीलैंड को जीत दिलाई थी. ऑस्ट्रेलिया के तेज गेंदबाज नाथन एलिस सात स्थान की छलांग के साथ आठवें स्थान पर पहुंच गए हैं.

विशाखापत्तनम, जयपुर, चेन्नई और दिल्ली होंगे मेजबान शहर

पीकेएल सीजन 12 की शुरुआत 29 अगस्त से

मुंबई । प्रो कबड्डी लीग (पीकेएल) सीज़न 12 की शुरुआत इस बार 29 अगस्त 2025 से होने जा रही है. चार शहरों विशाखापत्तनम (विजाग), जयपुर, चेन्नई और दिल्ली में फैले इस बहु-शहर प्रारूप में देशभर के दर्शकों को बेहतरीन कबड्डी एक्शन देखने को मिलेगा.ओपनिंग वीकेंड का शेड्यूलः पहला मुकाबला शुक्रवार, 29 अगस्त को विजाग के राजीव गांधी इंडोर स्टेडियम में तेलुगु टाइटंस और तमिल थलाइवाज के बीच खेला जाएगा. इसके बाद दूसरे मुकाबले में बेंगलुरु बुल्स का सामना पुनेरी पलटन से होगा. शनिवार, 30 अगस्त को तेलुगु टाइटंस एक बार फिर मैदान में उतरेंगे और इस बार उनका मुकाबला यूपी योद्धाज से होगा. वहीं, दूसरे मैच में यू मुंबा और गुजरात जायंट्स आमने-सामने होंगे. रविवार को 'सुपर संडे' के तहत तमिल थलाइवाज और यू मुंबा के बीच मुकाबला होगा, जिसके बाद गत चैंपियन हरियाणा स्टीलर्स अपनी खिताबी रक्षा की शुरुआत बंगाल वॉरियर्ज़ के खिलाफ करेंगे.विजाग की घर वापसीः पीकेएल सीज़न 12 के लिए विजाग की वापसी एक ऐतिहासिक क्षण है, क्योंकि यह शहर सात वर्षों बाद फिर से लीग की मेज़बानी कर रहा है.

भारत अपने फैसले पर अडिग,आज होना था मैच,पाकिस्तान के खिलाफ नहीं खेलेंगे सेफा

एजेंसी ।नई दिल्ली

विश्व चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स 2025 का पहला सेमीफाइनल मुकाबला भारत और पाकिस्तान के बीच गुरुवार को खेला जाना था. इससे पहले भारतीय खिलाड़ियों ने पाकिस्तान के खिलाफ सेमीफाइनल मैच खेलने से इनकार कर दिया. बता दें कि, मंगलवार को युवराज सिंह की अगुआई वाली भारत चैंपियंस टीम ने वेस्टइंडीज चैंपियंस को पांच विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी. हालांकि, भारत के टूर्नामेंट से नाम वापस लेने पर पाकिस्तान की टीम फाइनल में पहुंच गई है.

लीग राउंड में भी भारतीय टीम ने किया था पाकिस्तान से मैच का बहिष्कार. भारत और पाकिस्तान के बीच 31 जुलाई को सेमीफाइनल मुकाबला खेला जाना था. हालांकि, शिखर धवन, इरफान पठान, हरभजन सिंह, युवराज सिंह, सुरेश रैना जैसे दिग्गजों वाली भारतीय टीम ने इस मैच में खेलने से इनकार कर दिया है. यह पहला मौका नहीं है जब भारतीय टीम ने इस टूर्नामेंट में पाकिस्तान के खिलाफ मैच का बहिष्कार किया है. इससे पहले भारत ने लीग राउंड के दौरान पाकिस्तान से मुकाबले का बहिष्कार किया था और खेलने से इनकार कर दिया था. वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में एबी डिविलियर्स की अगुआई वाली दक्षिण अफ्रीका चैंपियंस टीम ब्रेट ली की अगुआई वाली ऑस्ट्रेलिया चैंपियंस टीम से 31 जुलाई को ही भिड़ेगी.

ईज माई ट्रिप का भी मैच पर आया बयान

ईज माई ट्रिप के संस्थापक और अध्यक्ष निशांत पिट्टी ने ट्वीट किया, 'हम टीम इंडिया, इंडिया चैंपियंस की वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सराहना करते हैं. आपने देश को गौरवांवित किया है. हालांकि, पाकिस्तान के खिलाफ आगामी सेमीफाइनल महज एक और मैच नहीं है. आतंकवाद और क्रिकेट साथ-साथ नहीं चल सकते. हम भारत के साथ खड़े हैं. हम ऐसे किसी भी आयोजन का समर्थन नहीं कर सकते, जो आतंकवाद को बढ़ावा देने वाले देश के साथ संबंधों को सामान्य बनाने का प्रयास करता हो.'

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत सख्त

भारत ने पहलगाम आतंकी हमले के बाद 'ऑपरेशन सिंदूर' के जरिये पाकिस्तान और पीओके स्थिति आतंकी ठिकानों को नेस्तनाबूद कर दिया था. भारत की इस जवाबी कार्रवाई में कई आतंकी मारे गए थे. इसके बाद पाकिस्तान ने फिर हमले की कोशिश की थी, जिसे भारत ने नाकाम कर दिया था. इस्लामाबाद की कायराना हरकत के बाद टीम इंडिया ने पड़ोसी मुल्क के साथ किसी भी तरह के रिश्ते रखने से इनकार कर दिया था.

लीग्स कप 2025 निलंबन के बाद मैदान में लौटे मेसी ने दिखाया खेल

इंटर मियामी ने एटलस को 2-1 से पराजित किया

एजेंसी। फ्लोरिडा

इंटर मियामी के सुपरस्टार लियोनेल मेसी ने दो शानदार असिस्ट करते हुए अपनी टीम को लीग्स कप 2025 के पहले मुकाबले में बुधवार (भारतीय समयानुसार गुरुवार) को एटलस के खिलाफ 2-1 की रोमांचक जीत दिलाई.यह मेसी का पहला मैच था, जब वह और उनके साथी खिलाड़ी जोर्डी अल्बा, एमएलएस ऑल-स्टार गेम में शामिल न होने के कारण लगे एक मैच के निलंबन के बाद मैदान में लौटे. मेसी ने मुकाबले के अंतिम सेकंडों में मार्सेलो वाइगांट को निर्णायक गोल के लिए असिस्ट किया, जिसने इंटर मियामी को जीत दिलाई. मैच का पहला गोल 58वें मिनट में आया, जब मेसी ने टेलास्को सेगोविया को पास देकर स्कोरिंग का खाता खोला. इसके बाद एटलस के लिए 82वें मिनट में रिवाल्डो लोज़ानो ने बराबरी का गोल किया.हालांकि, 96वें मिनट में वाइगांट ने निर्णायक गोल दागा, जिसे पहले ऑफसाइड करार दिया गया था, लेकिन वीडियो असिस्टेंट रेफरी (वीएआर) की पुष्टि के बाद गोल मान्य घोषित किया गया.इस जीत के साथ जुलाई में मेसी के कुल पांच असिस्ट हो गए हैं. उन्होंने इस महीने आठ गोल भी किए, जिसके चलते उन्हें ₹मेजर लीग सॉकर प्लेयर ऑफ द मंथ₹ चुना गया.

इस दौरान इंटर मियामी ने एमएलएस में 4 जीत, 1 हार और 1 ड्रॉ दर्ज किया.पहले हाफ में दोनों टीमों ने कई मौके बनाए लेकिन गोल नहीं कर पाए. मियामी के गोलकीपर रोको रियोज़ नोवो ने पहले हाफ में तीन बेहतरीन बचाव किए, जिनमें एक मौके पर उन्होंने एडुआर्डो एग्विर्रे के हेडर को शानदार तरीके से रोका. हाफ के अंतिम क्षणों में लुइस सुआरेज़ का एक शक्तिशाली शॉट क्रॉसबार से टकरा गया.इस मैच में अर्जेंटीना के मिडफील्डर रोड्रिगो डि पॉल ने इंटर मियामी के लिए डेब्यू किया. मेसी के राष्ट्रीय टीम साथी डि पॉल ने पिछले सप्ताह ही क्लब के साथ आधिकारिक अनुबंध किया था.

टोरंटो मास्टर्स : शेल्टन ने मानारिनो के खिलाफ हार का सिलसिला तोड़ा

रूबलेव की हार्डकोर्ट पर 250वीं जीत

एजेंसी ।टोरंटो

अमेरिकी टेनिस खिलाड़ी बेन शेल्टन ने बुधवार को टोरंटो मास्टर्स में फ्रांस के अनुभवी खिलाड़ी एड्रियन मानारिनो के खिलाफ पहली जीत दर्ज करते हुए तीसरे दौर में जगह बना ली. शेल्टन ने 56 मिनट में 6-2, 6-3 की आसान जीत हासिल की. इससे पहले दोनों आमने-सामने मुकाबलों में शेल्टन को हार का सामना करना पड़ा था.शेल्टन ने मैच के बाद कहा, यह जीत मेरे लिए बेहद अहम रही. वह शानदार शॉटमेकर हैं और कई बार वह आपके हाथ से रैकेट तक छीन लेते हैं. मैंने पहले भी उनके खिलाफ अच्छा खेला है लेकिन नतीजा मेरे पक्ष में नहीं रहा.पहले सेट में शेल्टन ने दो बार सर्विस ब्रेक कर बढ़त बनाई और दूसरे सेट में 5-3 की बढ़त हासिल कर ली. अंतिम गेम में उन्हें हल्की परेशानी हुई जब उन्होंने डबल फॉल्ट किया, लेकिन ब्रेक प्वाइंट बचाते हुए 16वें ऐस और एक शानदार सर्विस विनर के साथ मैच अपने नाम किया.शेल्टन ने कहा,मानारिनो के हाथ बहुत सधे हुए हैं. इसलिए सर्विस करते वक्त सटीकता बेहद जरूरी होती है. मैं खुश हूं कि मैंने आज अच्छा सर्व किया.

रूबलेव की 250वीं हार्डकोर्ट जीत : वहीं, रूस के छठी वरीय एंड्री रूबलेव ने फ्रांस के ह्यूगो गैस्टन को 6-2, 6-3 से हराकर अपने करियर की हार्डकोर्ट पर 250वीं जीत दर्ज की. पिछले साल इस टूर्नामेंट में उपविजेता रहे रूबलेव ने 86 मिनट में चार मैच प्वाइंट्स में से एक का फायदा उठाकर मुकाबला अपने नाम किया.अब रूबलेव का सामना इटली के लोरेंजो सोनेगो से होगा, जिन्होंने चीन के बु युनचाओकेटे को 6-1, 6-4 से हराया.

कोबोली और डियालो भी अगले दौर में : विंबलडन क्वार्टर फाइनलिस्ट फ्लावियो कोबोली ने वर्षा से बाधित मुकाबले में कनाडा के एलेक्सिस गालारनो को 6-4, 5-7, 6-4 से हराया. कोबोली ने अंतिम गेम में चार ऐस लगाते हुए जीत सुनिश्चित की.

ब्रीफ न्यूज

आहर में मिली लाश जांच में जुटी पुलिस

हंटरगंज (चतरा)। हंटरगंज थाना क्षेत्र के तुलसीपुर गांव में एक अज्ञात व्यक्ति की आहर में डूबने से मौत हो गई. मंगलवार शाम मानसिक रूप से अस्थिर दिख रहे व्यक्ति ने आहर में छलांग लगाई, जिसे ग्रामीण बचा नहीं पाए. सूचना मिलने पर थाना पुलिस ने शव को बरामद कर पोस्टमार्टम के लिए हजारीबाग भेज दिया है. शव की अभी तक पहचान नहीं हो पाई है. थाना प्रभारी प्रभात कुमार ने बताया कि शव को सुरक्षित रखा गया है ताकि परिजन या कोई परिचित पहचान सके. आसपास के थानों को भी जानकारी दी गई है. थाना प्रभारी ने स्थानीय लोगों से अपील की है कि शव की पहचान होने पर तुरंत हंटरगंज थाना को सूचित करें.

बाइक चोरी के प्रयास में पकड़ा गया युवक

हंटरगंज (चतरा)। जिले के हंटरगंज थाना क्षेत्र के बलुरी गांव में बुधवार की देर रात बाइक चोरी के प्रयास के दौरान एक युवक को ग्रामीणों ने दबोच लिया. मुकेश चंद्रवंशी के घर में सोते समय चोरों ने स्प्लेंडर बाइक चोरी करने की कोशिश की. जैसे ही मुकेश को हिलहलब महसूस हुई, उन्होंने शोर मचाया. ग्रामीण तेजी से पहुंचे और बाइक लेकर भाग रहे एक युवक को पकड़ लिया, जबकि दो साथी अंधेरे का फायदा उठाकर फरार हो गए. पकड़े गए युवक के पास से मास्टर चाबी भी बरामद हुई है.

हाथियों ने मचाया उत्पात तीन गाय की हुई मौत

मरकच्चो (कोडरमा)। नवलशाही थाना क्षेत्र अंतर्गत धरगांव पंचायत में बुधवार की रात तीन हाथियों ने जमकर उत्पात मचाया. इस दौरान हाथियों ने छह दुधारू गाय को अपने चपेट में ले लिया, जिसमें तीन गाय को पैरो तले कुचल दिया. जिससे तीनो गायों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि तीन गायों का स्थिति गंभीर बनी हुई है. मिली जानकारी के अनुसार सभी गाय धरगांव के तालाब से लगभग आधा किलोमीटर की दुरी पर झोपड़ी में बांधा हुआ था. इस दौरान किसानों के द्वारा लगाए गए धान, मक्का एवं अन्य फसलों को भी नष्ट कर दिया है. वहीं शिबू मेहता, मेघलाल मेहता और टुकलाल मेहता के गाय को मार डाला.

लावालौंग-पांकी मुख्य सड़क खस्ता, आवागमन मुश्किल

चतरा। लावालौंग से पांकी तक जाने वाली मुख्य सड़क की हालत बेहद खराब हो गई है. रास्ते में हजारों गड्ढों के कारण पैदल और वाहन दोनों का आवागमन बाधित है. दुर्घटना के मामले बढ़ गए हैं और कई लोग घायल होकर अस्पताल पहुंच रहे हैं. स्थानीय लोग सड़क की स्थिति पर नाराज हैं और इसे 'धान रोपनी' जैसा बताते हैं. यह सड़क लगभग 15-20 हजार लोगों को जोड़ती है और तीन पंचायतों का प्रमुख मार्ग है.

शाह बने विनोबा भावे विवि के सीनेट सदस्य

हजारीबाग। विनोबा भावे विवि, हजारीबाग के सीनेट में अब समाजसेवी व पूर्व प्रदेश मंत्री राजेश शाह की भी भागीदारी होगी. झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने उन्हें विश्वविद्यालय के सीनेट सदस्य के रूप में मनोनीत किया है. राज्यपाल सचिवालय, रांची द्वारा इसकी अधिसूचना जारी की गई है. राजेश शाह की नियुक्ति पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ताओं और समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई है. सीनेट सदस्य का कार्यकाल तीन वर्षों का होगा.

डीसी ने शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक में सीआरपी को दिये निर्देश, कहा

निर्धारित समय सीमा में रिपोर्ट प्रस्तुत करें

शुभम संदेश। हजारीबाग

जिला समाहरणालय सभागार में गुरुवार को उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में शिक्षा विभाग की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई. बैठक का मुख्य उद्देश्य जिले में संचालित शैक्षणिक योजनाओं एवं गतिविधियों की प्रगति की समीक्षा करना तथा उनके सुचारु क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा-निर्देश देना था. बैठक में उपायुक्त ने शिक्षा विभाग से जुड़ी प्रमुख योजनाओं एवं कार्यक्रमों की बिंदुवार समीक्षा की. इनमें विद्यालयों में शिक्षकों की बायोमेट्रिक उपस्थिति, छात्रों की उपस्थिति, यू-डाइस पोर्टल पर प्रविष्टि अद्यतन, टीचर मॉड्यूल अपडेट, एसडीएमआईएस, वृक्षारोपण कार्यक्रम, इको क्लब पंजीकरण, बच्चों के बैंक खाते, आधार नामांकन, तथा एमडीए-आईडीए अभियान के अंतर्गत फाइलेरिया उन्मूलन शामिल हैं. उपायुक्त ने सभी सीआरपी एवं बीआरपी को निर्देशित किया कि वे विद्यालयों में संचालित योजनाओं की भौतिक जांच हेतु एक विस्तृत चेकलिस्ट तैयार करें तथा निर्धारित समय सीमा में रिपोर्ट प्रस्तुत करें. उन्होंने शिक्षकों और विद्यार्थियों की उपस्थिति प्रतिशत में सुधार के लिए ठोस एवं प्रभावी उपाय अपनाने का निर्देश भी दिया. उन्होंने यह भी कहा कि यू-डाइस पोर्टल पर जिले के सभी सरकारी एवं निजी विद्यालयों की प्रविष्टि पूर्ण एवं अद्यतन होनी चाहिए. टीचर मॉड्यूल के 100% लक्ष्य को शीघ्रता से प्राप्त करने पर बल दिया गया. साथ ही, सभी विद्यालय परिसरों में वृक्षारोपण सुनिश्चित करने के लिए संबंधित विभागों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए.

फाइलेरिया उन्मूलन हेतु एमडीए-आईडीए अभियान के तहत सभी विद्यालयों में दवा वितरण अनिवार्य रूप से कराने पर विशेष बल दिया गया. उपायुक्त ने कहा कि दवा वितरण दिवस पर छात्रों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित की जाए ताकि अभियान का लक्ष्य पूरी तरह से सफल हो. बच्चों के बैंक खाते खोलने की प्रक्रिया में आ रही बाधाओं पर चिंता जताते हुए उपायुक्त ने कहा कि विशेष रूप से सुदूरवर्ती क्षेत्रों में बैंक कैंप आयोजित कर इस कार्य को गति दी जाए. उन्होंने संबंधित पदाधिकारियों को निर्देशित किया कि इस प्रक्रिया में किसी भी प्रकार की देरी न हो. बैठक के अंत में उपायुक्त ने कहा कि शिक्षा परियोजना से संबंधित सभी योजनाओं का सुचारु क्रियान्वयन, नियमित निगरानी, तथा मूल्यांकन सुनिश्चित किया जाए. उन्होंने विभागीय अधिकारियों को जनहित से जुड़े कार्यों में उत्तरदायित्व की भावना के साथ कार्य करने की अपील की. इस समीक्षात्मक बैठक में जिला शिक्षा पदाधिकारी, जिला शिक्षा अधीक्षक, बीआरपी, सीआरपी, तथा अन्य संबंधित अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित रहे.

आकांक्षा प्रखंड कार्यक्रमः संपूर्णता अभियान एवं आकांक्षा हाट का भव्य आयोजन

उत्कृष्ट कर्मियों को किया गया सम्मानित

शुभम संदेश। कोडरमा

पूर्णिमा टॉकिज मैदान में आकांक्षा प्रखंड कार्यक्रम के अंतर्गत संपूर्णता अभियान सह सम्मान समारोह एवं आकांक्षा हाट का भव्य आयोजन किया गया. कार्यक्रम का उद्घाटन उपायुक्त ऋतुराज, उप वन प्रमंडल पदाधिकारी सौमित्र शुक्ला, विकास आयुक्त रवि जैन तथा अनुमंडल पदाधिकारी श्रीमती रिया सिंह ने संयुक्त रूप से फीता काटकर एवं दीप प्रज्वलन कर किया. इसके पश्चात आकांक्षा हाट का प्रतीकात्मक उद्घाटन गुब्बारे उड़ाकर किया गया.

कार्यक्रम में स्वागत भाषण देते हुए उप विकास आयुक्त रवि जैन ने आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम की विस्तृत जानकारी दी. उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के अंतर्गत स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि, मूलभूत संरचना और सामाजिक विकास जैसे पाँच प्रमुख विषयों पर कुल 39 'की परफॉर्मेंस इंडिकेटर्स' निर्धारित किए गए हैं, जिन पर प्रभावी कार्य किया जा रहा है. मुख्य अतिथि उपायुक्त ऋतुराज ने अपने संबोधन में कहा कि आकांक्षा प्रखंड अंतर्गत संपूर्णता अभियान को जमीनी स्तर पर सफल बनाने में फ्रंटलाइन वर्करों की भूमिका सराहनीय रही है. उन्होंने बताया कि एएनसी रजिस्ट्रेशन (प्रथम तिमाही), मधुमेह एवं रक्तचाप जांच तथा सॉयल हेल्थ कार्ड वितरण में 100% उपलब्धि दर्ज की गई है, जबकि दो अन्य संकेतकों में 95% प्रगति हासिल की गई है. उपायुक्त ने यह भी बताया कि नीति आयोग द्वारा जारी डेल्टा रैंकिंग में कोडरमा जिले के मरकच्चो और जयनगर प्रखंडों की रैंकिंग में महत्वपूर्ण सुधार हुआ है. दिसंबर 2023 में जॉन-6 रैंकिंग में मरकच्चो को उच्च स्थान प्राप्त हुआ था, वहीं मार्च 2024 में यह झारखंड में तीसरे स्थान पर पहुंचा. सितंबर 2023 की रैंकिंग में मरकच्चो ने देशभर के 500 आकांक्षी प्रखंडों में 11वां स्थान हासिल किया था.

कार्यक्रम के दौरान उत्कृष्ट कार्य करने वाले फ्रंटलाइन कर्मियों और पदाधिकारियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया. यह सम्मान उन्हें आकांक्षी प्रखंड कार्यक्रम की सफलता में उनके योगदान के लिए दिया गया. आकांक्षा हाट में विभिन्न विभागों जैसे स्वास्थ्य, कृषि, उद्योग, झारक्राफ्ट, पलाश मार्ट आदि के स्टॉल लगाए गए, जहां उपायुक्त सहित अन्य अधिकारियों ने सभी स्टॉलों का अवलोकन किया. इसके अतिरिक्त कार्यक्रम में क्विज प्रतियोगिता, नुक्कड़ नाटक और स्किल डेवलपमेंट प्रशिक्षण जैसी गतिविधियाँ भी आयोजित की गईं, जो प्रतिभागियों और दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहीं. इस अवसर पर अपर समाहर्ता पूनम कुजुर, जिला परिवहन पदाधिकारी विजय कुमार सोनी, जिला आपूर्ति पदाधिकारी अविनाश पुर्णेदु, उप निर्वाचन पदाधिकारी प्रिंस गोडविन कुजूर समेत अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे. समारोह के सफल आयोजन से क्षेत्र में विकास की दिशा में जागरूकता और सहभागिता की भावना को बल मिला है.

घंघरी से दन्तार तक सड़क गड्ढों में तब्दील, ग्रामीण परेशान

चतरा। गया-चतरा मुख्य मार्ग (एनएच-22) के घंघरी से मां कुलेश्वरी होते हुए पैनी कला, दन्तार और लेढ़ो तक की सड़क पूरी तरह गड्ढों में तब्दील हो चुकी है. लगभग 10.8 किलोमीटर लंबी यह सड़क अनेक जगहों पर इतनी खराब हो गई है कि वाहन चालकों को आगे बढ़ने से पहले सड़क का निरीक्षण करना पड़ता है. बरसात के मौसम में यह स्थिति और भी गंभीर हो जाती है, विशेष रूप से कटैया ढोंढा चेकडैम और रसरसी नाला के पास, जहां पानी भरने से आवाजाही पूरी तरह बाधित हो जाती है. यह सड़क जोलडीहा पंचायत के सुदूरवर्ती गांवों और कान्हाचट्टी प्रखंड को जोड़ने का मुख्य मार्ग है, साथ ही मां भद्रकाली मंदिर तक पहुंचने का प्रमुख रास्ता भी है. ग्रामीणों का कहना है कि यह सड़क पहले वन विभाग के अधीन थी और बाद में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत इसका आंशिक निर्माण कराया गया, लेकिन स्थायी समाधान आज तक नहीं हो पाया. 25 दिसंबर 2024 को 39.18 करोड़ की लागत से सड़क के जिर्णोद्धार के लिए निविदा तो मांगी गई थी, लेकिन अब तक निस्तारण नहीं हुआ है. इससे पहले 24 सितंबर 2024 को तत्कालीन मंत्री सत्यानंद भोक्ता द्वारा शिलान्यास कर जनता को गुमराह किया गया. अब ग्रामीणों ने भाजपा समर्थित लोजपा विधायक जनार्दन पासवान से सड़क निर्माण की मांग की है.

मुंशी प्रेमचंद जयंती पर विचार गोष्ठी का आयोजन

शुभम संदेश। चिरकुंडा

गुरुवार को चिरकुंडा के तालडांगा स्थित भाकपा (माले) कार्यालय में हिंदी साहित्य के महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद की जयंती के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया. कार्यक्रम की अध्यक्षता एवं संचालन गृजेश्वर प्रसाद ने किया. इस अवसर पर क्षेत्र के कई बुद्धिजीवी और सांस्कृतिक क्षेत्र से जुड़े गणमान्य लोग उपस्थित हुए और विचार रखे. अध्यक्ष मंडल में डॉ. अभय कुमार, विकास कुमार शर्मा, उमर फारुक, बृजेन्द्र कुमार सिंह और रविन्द्र प्रसाद सिंह शामिल थे.

वक्ताओं ने प्रेमचंद के साहित्य, उनके यथार्थवाद, सामाजिक सरोकारों और ग्रामीण जीवन की गहराइयों को शब्दों में पिरोने की अद्भुत क्षमता की सराहना की. उन्होंने कहा कि प्रेमचंद आज भी समाज के लिए प्रासंगिक हैं और उनका साहित्य नई पीढ़ी को जागरूक करता है.

कार्यक्रम में श्रीकांत सिंह, प्रदीप सुमन, मनोरंजन मलिक, नागेन्द्र प्रसाद, सतेन्द्र महतो, अभय प्रसाद, अमरेश चक्रवर्ती, लक्ष्मण प्रसाद, देवाशीष कांजीलाल, स्वपन मलिक, राजू राय, भोला महतो, मुना यादव, नीरज गांगुली, रामनारायण नेता, अरुण कुमार, सूर्यदेव सिंह, राजेश पासवान सहित कई लोग मौजूद थे.

कार्यक्रम के अंत में मुंशी प्रेमचंद के साहित्य को विद्यालयों और युवाओं तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया.

जेएसएससी ने नियमावली में किया बदलाव, अब प्रारंभिक के बाद मुख्य परीक्षा भी

रांची। झारखंड कर्मचारी चयन आयोग (जेएसएससी) द्वारा स्नातक स्तर के पदों पर होनेवाली नियुक्ति में अब प्रारंभिक परीक्षा के साथ-साथ मुख्य परीक्षा भी होगी। प्रारंभिक परीक्षा के माध्यम से कुल पदों के 15 गुना अभ्यर्थियों का चयन मुख्य परीक्षा के लिए किया जाएगा। लेकिन किसी कोटि में 15 गुना अभ्यर्थी नहीं मिलने पर उसी कोटि के अन्य अभ्यर्थियों को भी मेधा सूची में सम्मिलित किया जाएगा। जेएसएससी ने इसे लेकर नियमावली में संशोधन किया है, जिसमें यह प्रविधान किया गया है। साथ ही प्रारंभिक परीक्षा में अंतिम चयनित अभ्यर्थी के बराबर प्राप्तांक वाले सभी अभ्यर्थियों का चयन मुख्य परीक्षा के लिए किया जाएगा। संशोधित नियमावली में यह प्रविधान किया गया है कि किसी बहाली में 50 हजार से कम आवेदन आने पर प्रारंभिक परीक्षा आयोजित नहीं होगी। लेकिन जेएसएससी के पास यह शक्ति होगी कि वह 50 हजार से अधिक आवेदन आने पर भी विशेष परिस्थितियों में प्रारंभिक परीक्षा की जगह सीधे मुख्य परीक्षा आयोजित करे।

बाबा अमरनाथ बर्फानी की यात्रा को श्रद्धालुओं हुए रवाना

शुभम संदेश। महुदा

सावन पवित्र माह में महुदा क्षेत्र के तेलमच्चो पंचायत से तीर्थ यात्रियों का एक जत्था बाबा अमरनाथ बफानी की यात्रा के लिये गुरूवार को रवाना हुआ. तेलमोच्चो में मुखिया प्रतिनिधि शिबु महतो ने सपरिवार सभी तीर्थ यात्रियों को तिलक लगाकर विदा किया. जत्थे में शामिल पैक्स प्रबंधक मानस मोहन सिंह ने बताया कि यह यात्रा लगभग एक सप्ताह पैदल चलकर बाबा बर्फानी के दर्शन करने के बाद संपन्न होगी. अमरनाथ यात्रा थोड़ी कठिन है, लेकिन इस चुनौती को स्वीकार करते हुए यह यात्रा निरंतर चलते रहेगा और आने वाली पीढ़ी को इस यात्रा के बारे जागरुक करते रहेंगे. अमरनाथ तीर्थ यात्रा पर जाने वाले जत्था में पंसस बिनोद कुमार महतो, संतोष कुमार महतो, जितेन्द्र कुमार महतो, संजय कुमार महतो, धनंजय कुमार महतो, नवीन कुमार महतो, तालेश्वर महतो, नवीन कुमार साव, पिन्टु कुमार साव, भीम महतो आदि शामिल हैं.

राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर में मनी तुलसीदास जयंती सह सस्वर पाठ प्रतियोगिता

शुभम संदेश। धनबाद

राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर में तुलसीदास की जयंती के अवसर पर हनुमान चालीसा का सस्वर पाठ प्रतियोगिता आयोजित की गई।जिसमें धनबाद जिला के 13 विद्यालयों ने भाग लिया। अतिथि परिचय विद्यालय के प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा ने कराया एवं कार्यक्रम की भूमिका रखी । उन्होंने कहा कि तुलसीदास लोकनायक कवि हैं उनकी रचनाएं आध्यात्मिकता से लोगों को जोड़ती हैं ,इससे मनुष्य के हृदय में मनुष्यता एवं देवत्व का भाव जगता है। विद्यालय के अध्यक्ष विनोद कुमार तुलस्यान ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि हमें प्रतिदिन हनुमान चालीसा पढ़ना चाहिए और अच्छी संगति करनी चाहिए ।जिस तरह चंदन के वृक्ष से सर्प लिपटे होते हैं बावजूद इसके चंदन पर सर्प के विष का प्रभाव नहीं पड़ता ,हमें भी इसी तरह का आचरण करना चाहिए। जिन विद्यालयों ने इस प्रतियोगिता में भाग लिया उनमें डीएवी कोयला नगर, सरस्वती विद्या मंदिर भूली, जे एन एम एस डिगावाडीह ,धनबाद पब्लिक स्कूल केजी आश्रम, धनबाद पब्लिक स्कूल हीरक ब्रांच, राजकमल सरस्वती विद्या मंदिर, सिंबोसिस पब्लिक स्कूल, वीणा बाल विकास विद्यालय ,किड्स गार्डन झरिया, डी ए वी अलकुशा, सरस्वती विद्या मंदिर भूली नगर एवं डी ए वी सिंदरी के नाम शामिल है। उक्त विद्यालयों के प्रतिभागियों ने हनुमान चालीसा का सस्वर पाठ किया एवं सबों का मन मोह लिया। कुछ घंटे तक तो राजकमल का कलावती सभागार पूर्णतया आध्यात्मिक बन गया। प्रथम स्थान सरस्वती विद्या मंदिर भूली नगर के प्रतिभागियों को मिला। विजेता प्रतिभागियों में स्नेहा रानी, स्तुति झा, माही महतो, आरोही सिंह, वर्षा सिंह, श्रुति गोस्वामी, आरुषि सिंह एवं राजकुमार के नाम शामिल है द्वितीय स्थान धनबाद पब्लिक स्कूल के जी आश्रम को प्राप्त हुआ ।इसमें अलंकार चटर्जी, प्राची कुमारी, सुदीप्ता चक्रवर्ती, डोना वाइन, संचित मंडल, अनुश्री नंदन, तन्वी सिंह ,श्रावणी चंदा, सायशा नियोगी के नाम शामिल हैं ।तृतीय स्थान डी ए वी सिंदरी को प्राप्त हुआ जिसमें प्रतिभागियों के नाम स्नेहा कुमारी, शुभम आचार्य, शौरीमा कुमारी, रोशनी कुमारी ,अनुश्री मुखर्जी ,रुद्र घोषाल ,रितेश हालदार तथा अक्षत तिवारी हैं। सांत्वना पुरस्कार धनबाद पब्लिक स्कूल हीरक ब्रांच को प्राप्त हुआ जिनमें प्रतिभागियों के नाम सृष्टि कुमारी गुप्ता, आयुषी राणा, आयुष कुमार, रुशील पटेल, तनीषा चटर्जी, सत्यम कुमार विश्वकर्मा, शुभ, तेजस कुमार, शान्वी वर्मा एवं आराध्या तिवारी के नाम शामिल हैं।प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों के साथ-साथ इस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले सभी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। इस कार्यक्रम में निर्णायक के रूप में डॉ श्याम किशोर प्रसाद आरएसपी कॉलेज झरिया तथा प्रो सुषमा गुप्ता बी एस एस महिला महाविद्यालय के हिंदी के विभागाध्यक्ष उपस्थित थीं । इस अवसर पर विद्यालय के संरक्षक शंकर दयाल बुधिया, अध्यक्ष विनोद कुमार तुलस्यान, सचिव संजीव अग्रवाल, समिति सदस्य राजेश रिटोलिया ,प्राचार्य सुमंत कुमार मिश्रा, उपप्राचार्य मनोज कुमार, उप प्राचार्या लीला सिंह, प्रभारी कमल नयन, पार्थ सारथी सरकार, हिंदी विभाग के अध्यक्ष राकेश कुमार मिश्रा एवं हिंदी विभाग के पूजा कुमारी, विजेता पाठक, अर्चना कुमारी,मीना कुमारी रेणु सिन्हा, आशा प्रसाद,एवं रासबिहारी मंडल उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन हिंदी विभाग के वरिष्ठ शिक्षक कल्याण नारायण पाठक ने किया।

रांची में जिला परिषद अध्यक्षों की एकजुट हुंकार

रांची / धनबाद। झारखंड के सभी 24 जिलों के जिला परिषद अध्यक्षों और उपाध्यक्षों ने मंगलवार को रांची स्थित ऐतिहासिक पुराने विधानसभा भवन में एक अहम और रणनीतिक बैठक कर राज्य सरकार को सख्त संदेश दिया. बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि पंचायती राज व्यवस्था को मजबूत करने और 15वें वित्त आयोग की बकाया राशि की मांग को लेकर शीघ्र ही राज्यव्यापी आंदोलन की शुरुआत की जाएगी. इससे पूर्व सभी जिलों में त्रिस्तरीय पंचायत प्रतिनिधियों की बैठकें आयोजित की गई थीं, जिनमें यह स्पष्ट निर्णय हुआ कि यदि समय रहते पंचायतों को उनका वैध वित्तीय हक नहीं दिया गया, तो चरणबद्ध जनआंदोलन चलाया जाएगा. रांची में हुई बैठक में जिला परिषद अध्यक्षों और उपाध्यक्षों ने एक स्वर में राज्य सरकार से मांग की कि ग्राम पंचायत से लेकर जिला परिषद तक की योजनाओं के क्रियान्वयन में आ रही वित्तीय बाधाओं को दूर किया जाए.

एक नजर

साहिबगंज और गोड्डा पुलिस की संयुक्त बैठक

साहिबगंज। साहिबगंज और गोड्डा जिला पुलिस ने अपराध नियंत्रण के लिए एक संयुक्त समन्वय बैठक आयोजित की. साहिबगंज के पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह और गोड्डा के पुलिस अधीक्षक मुकेश कुमार की अगुवाई में हुई इस बैठक में अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए संयुक्त रणनीति बनाई गई. दोनों ज़िलों की पुलिस ने आपराधिक सूचनाओं और डेटा का आदान-प्रदान करने और अंतर-ज़िला अपराधियों पर कड़ी नजर रखने पर सहमति जताई है. इसके अलावा, सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त छापेमारी और गश्ती अभियान को भी तेज करने का निर्णय लिया गया है, ताकि अपराधियों को कोई पनाह न मिल सके.

स्वतंत्रता दिवस की तैयारियों का डीसी-एसपी ने लिया जायजा

बोकारो। उपायुक्त कुलदीप चौधरी और पुलिस अधीक्षक हरविंदर सिंह ने सेक्टर 12 स्थित पुलिस लाइन मैदान का संयुक्त निरीक्षण किया. यह निरीक्षण स्वतंत्रता दिवस 2025 के सफल आयोजन की तैयारियों को लेकर किया गया था. निरीक्षण के दौरान, अधिकारियों ने पंडाल, मंच, बैठने की व्यवस्था, पेयजल और सुरक्षा व्यवस्था की समीक्षा की. डीसी ने सभी विभागों के समन्वय पर जोर देते हुए समारोह को गरिमापूर्ण और सुरक्षित बनाने के निर्देश दिए. एसपी ने सुरक्षा, ट्रैफिक और पुलिस बल की तैनाती से संबंधित आवश्यक निर्देश दिए. इस मौके पर उप विकास आयुक्त शताब्दी मजूमदार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी सहित कई अन्य अधिकारी भी मौजूद थे.

गोस्वामी तुलसीदास जयंती पर सुंदरकांड पाठ

बोकारो। सेक्टर बारह स्थित सरकारी पदाधिकारी सहकारी गृह निर्माण समिति लिमिटेड में गोस्वामी तुलसीदास जयंती धूमधाम से मनाई गई. यह उत्सव गोस्वामी तुलसीदास जयंती समिति के तत्वावधान में आयोजित किया गया था. समिति के अध्यक्ष डॉ. एस.बी. जरूहार ने कहा कि तुलसीदास जयंती भारतीय भक्ति साहित्य की गौरवपूर्ण विरासत का उत्सव है, क्योंकि उन्होंने अपनी रचनाओं से भगवान श्रीराम के आदर्शों को जन-जन तक पहुंचाया. पूर्व डीआईजी और समिति के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि तुलसीदास की रचनाएं आज भी धर्म और नैतिकता का अमूल्य स्रोत है. जयंती समारोह का आरंभ तुलसीदास के चित्र पर माल्यार्पण से हुआ और इस अवसर पर सुंदरकांड का पाठ भी किया गया. कार्यक्रम में कई सदस्य सपरिवार उपस्थित थे.

विश्व आदिवासी दिवस पर 9 को होगा जिला स्तरीय समारोह

दुमका। विश्व आदिवासी दिवस के अवसर पर 9 अगस्त को दुमका के कन्वेंशन सेंटर में एक जिला स्तरीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा. इस समारोह की तैयारियों की समीक्षा बैठक उप विकास आयुक्त अनिकेत सचान की अध्यक्षता में हुई. कार्यक्रम में आदिवासी नृत्य, संगीत और संस्कृति की झलक देखने को मिलेगी. साथ ही, सरकारी योजनाओं की जानकारी देने के लिए स्टॉल लगाए जाएंगे. स्वयं सहायता समूहों और कारीगरों के हैंडीक्राफ्ट उत्पादों की प्रदर्शनी और बिक्री के लिए भी विशेष व्यवस्था की गई है. इस अवसर पर विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित भी किया जाएगा. जिला प्रशासन ने सभी नागरिकों से इस समारोह में भाग लेने की अपील की है.

गोस्वामी तुलसीदास की जयंती पर प्रतियोगिता

गावां (गिरिडीह)। गावां प्रखंड स्थित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर, पिहरा में गोस्वामी तुलसीदास जयंती के अवसर पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया. इस दौरान सुलेख, चित्रकला और निबंध प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं. बताया गया कि इन प्रतियोगिताओं में विभिन्न श्रेणियों में प्रथम और द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों की रचनाओं को प्रांतीय कार्यालय भेजा जाएगा. प्रांत स्तर पर अव्वल आने वाले प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र और पुरस्कार दिया जाएगा. प्रतियोगिता के बाद तुलसीदास जी के चित्र पर पुष्पांजलि और माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया. इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि तुलसीदास केवल महाकवि या संत ही नहीं, बल्कि एक क्रांतिकारी युग-दृष्टा भी थे. उन्होंने कहा कि तुलसीदास ने श्रीराम के जीवन को जनभाषा में प्रस्तुत कर समाज को एक नई दिशा दी. उन्होंने 'पराधीन सपनेहुँ सुख नाहीं' का मंत्र देकर लोगों के अंदर स्वाधीनता की ललक पैदा की. वक्ताओं ने तुलसीदास को संघर्ष और विद्रोह का कवि बताते हुए कहा कि उनके समर्पित जीवन से ज्ञान की एक ऐसी धारा बही है, जिसमें करोड़ों भारतवासी और विदेशी भी अवगाहन कर अपना जीवन धन्य करते हैं. इस मौके पर प्रधानाचार्य वी.के. पांडेय, राजेंद्र विश्वकर्मा, कमल किशोर सिंह, चंचला देवी, कौशल किशोर सोनू, श्यामसुंदर सिंह, प्रमोद कुमार, रजनी गुप्ता, मुन्ना विश्वकर्मा समेत विद्यालय के सभी आचार्य उपस्थित थे.

डीपीएस चास में सांस्कृतिक उत्सव 'आविर्भाव' संपन्न

बोकारो। डीपीएस चास में बुधवार को अंतर्सदन सांस्कृतिक समारोह 'आविर्भाव' का भव्य आयोजन किया गया. इस उत्सव में चारों सदनों गंगा, यमुना, चेनाब और सतलज के विद्यार्थियों ने सेमी-क्लासिकल थीम पर मनमोहक लोकनृत्य प्रस्तुत किए. 'रवींद्र संगीत' पर आधारित इस प्रतियोगिता में यमुना सदन को प्रथम, चेनाब सदन को द्वितीय और गंगा तथा सतलज सदन को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ. मुख्य अतिथि उप श्रमायुक्त रणजीत कुमार ने छात्रों की प्रतिभा और शिक्षकों के प्रयासों की सराहना की. निदेशिका/प्राचार्या मनीषा तिवारी ने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए उन्हें सांस्कृतिक गतिविधियों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने के लिए प्रोत्साहित किया. समारोह में डी.एस. मेमोरियल सोसायटी के सचिव सुरेश अग्रवाल समेत अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित थे.

लायंस क्लब ने सहियाओं के बीच किया छाता वितरण

बाघमारा। लायंस क्लब बाघमारा सेंटेनियल ने गुरुवार को वन डिस्ट्रिक्ट वन एक्टिविटी के तहत मॉनसून को ध्यान में रखते हुए मुराईडीह स्थित श्रीठाकुर नर्सिंग होम में 75 सहियाओं के बीच छाता वितरण कार्यक्रम आयोजित किया. कार्यक्रम में क्लब अध्यक्ष शशिकांत शरण, पूर्व अध्यक्ष लायन लक्ष्मण रवानी, सुनीता कुमारी और लालचंद्र ठाकुर ने सक्रिय भागीदारी निभाई. कार्यक्रम के मुख्य अतिथि सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाघमारा के प्रभारी श्रीनाथ और विशिष्ट अतिथि डॉ. ज्योति लाल ने भी छाता वितरण में सहयोग किया. सहिया बहनों ने लायंस क्लब के इस प्रयास की सराहना की और कार्यक्रम से काफी प्रभावित हुईं. इस अवसर पर लायन सुनील कुमार सिंह, लायन गोपाल सिंह, लायन लक्ष्मीकांत मिश्रा, लायन सुनीता कुमारी, लायन गणेश कुम्हार, लायन काली चरण पाल, लायन सावित्री पाल सहित अन्य सदस्य उपस्थित थे.

बिजली तार की चपेट में आकर भैंस की मौत

चिरकुंडा। चिरकुंडा नगर परिषद क्षेत्त में बिजली विभाग की लचर व्यवस्था के कारण विद्धुत तार की चपेट में आ जाने से एक भैंस की मौत हो गई.जानकारी के अनुसार सोनारडंगाल रेलवे लाइन किनारे निवासी अशोक यादव बुधवार की संध्या अपने भैंसों को बराकर नदी से स्नान करवाकर घर वापस लौट रहे थे. उसी दौरान चिरकुंडा नगर परिषद कार्यालय के समीप लगे ट्रांसफार्मर के नंगे तार की चपेट में एक भैंस आ गई, जिससे उसकी मृत्यु घटनास्थल पर ही हो गई. इस घटना कि सूचना उन्होंने निवर्तमान पार्षद सुशील चंद्रवंशी, रंजीत रवानी,शांतनु तुरी,सिकंदर कुमार,रोशन वर्मा,प्रशांत लायक,राकेश दास,नीरज पटेल,विकास पटेल को मिली तो वे लोग विद्धुत विभाग चिरकुंडा कार्यालय में सहायक अभियंता संतोष मंडल से मुआवजा की मांग को लेकर गुरूवार को पहुंचे व वार्ता की. वार्ता में विभाग द्वारा 50 हजार रुपया मुआवजा देने की बात पर सहमती बनी.

ब्लॉक-II एबीओसीपी माइंस से सेवानिवृत्त कर्मियों को सम्मान

बाघमारा। ब्लॉक-II क्षेत्र के एबीओसीपी माइंस से जुलाई माह में सेवानिवृत्त होने वाले छह कर्मियों के सम्मान में गुरुवार को ब्लॉक-II क्षेत्रीय कार्यालय के सम्मेलन कक्ष में एक विदाई समारोह का आयोजन किया गया. समारोह की अध्यक्षता महाप्रबंधक, ब्लॉक-II क्षेत्र, श्री जी. सी. साहा ने की. इस अवसर पर क्षेत्रीय प्रबंधक मानव संसाधन अनिल कुमार, क्षेत्रीय प्रबंधक प्रशासन प्रवीण कुमार झा, उप प्रबंधक मानव संसाधन अजय सिंह यादव, सहायक प्रबंधक मानव संसाधन स्नेहा सहित अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे. सभी सेवानिवृत्त कर्मियों को ब्लॉक-II क्षेत्र के मानव संसाधन प्रबंधकों द्वारा उपहार, मिष्ठान, ट्रॉली बैग और सेवा निवृत्ति प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया. समारोह में कर्मियों के योगदान की सराहना की गई और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई.

न्यूज अपडेट

आईपीएस एसबीके सिंह को दिल्ली पुलिस आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार

नयी दिल्ली। दिल्ली में होम गाड्र्स के महानिदेशक आईपीएस अधिकारी एसबीके सिंह को एक अगस्त से दिल्ली पुलिस आयुक्त का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है. वह 31 जुलाई को सेवानिवृत्त हो रहे संजय अरोड़ा का स्थान लेंगे. केंद्रीय गृह मंत्रालय ने गुरुवार को एक आदेश में कहा कि सक्षम प्राधिकारी के अनुमोदन से एजीएमयूटी कैडर के 1988 बैच के आईपीएस एसबीके सिंह जो वर्तमान में होम गाड्र्स, दिल्ली के महानिदेशक के रूप में तैनात हैं, को 01 अगस्त 2025 से अगले आदेश तक दिल्ली के पुलिस आयुक्त के पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है.

पचमढ़ी: 27 साल के भूटानी सैनिक गेलसेन की तालाब में डूबने से मौत

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले में स्थित प्रसिद्ध पर्यटन स्थल पचमढ़ी में भारतीय सेना के आर्मी एजुकेशन कोर (एईसी) के करियप्पा कंपनी परिसर में रॉयल भूटान आर्मी के 27 वर्षीय जवान शिवांग गेलसेन की तालाब में डूबने से मौत हो गई. यह घटना बुधवार दोपहर करीब दोपहर 2:20 बजे की. अंतरराष्ट्रीय मामला होने की वजह से इसे आवश्यक प्रक्रिया के तहत मृतक जवान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भोपाल स्थित गांधी मेडिकल कॉलेज भेजा गया, जहां गुरुवार को पोस्टमार्टम किया गया. पचमढ़ी थाना प्रभारी अनूप सिंह उईके ने गुरुवार को इस मामले में बताया कि रॉयल भूटान आर्मी में आरक्षक (रैंक-चुमा) के पद पर पदस्थ शिवांग गेलसेन पुत्र सोनम 7 मई 2025 से 7 अक्टूबर 2025 तक की 5 महीने की ट्रेनिंग पर पचमढ़ी आया था.यहां वह एईसी के आरएम कोर्स में बैंड सीखने की ट्रेनिंग ले रहा था.

अमेरिकी नौसेना का एफ-35 लड़ाकू विमान कैलिफोर्निया में दुर्घटनाग्रस्त

वाशिंगटन। अमेरिकी नौसेना का एफ-35 लड़ाकू विमान दुर्घटनाग्रस्त हो गया. यह विमान हादसा बुधवार को मध्य कैलिफोर्निया में नेवल एयर स्टेशन लेमूर के पास हुआ. इस लड़ाकू विमान का पायलट सुरक्षित है. नौसेना का कहना कि जांच शुरू कर दी गई है. नौसेना के बयान के अनुसार यह विमान मध्य कैलिफोर्निया के फ्रेस्नो शहर से लगभग 40 मील दूर दक्षिण-पश्चिम में नेवल एयर स्टेशन के पास खेत में गिर गया. इस दौरान उसमें आग लग गई. हादसे के दौरान पायलट सुरक्षित बाहर निकल गया. शाम लगभग 6:30 बजे हुई इस दुर्घटना के कारणों की जांच की जा रही है. फ्रेस्नो काउंटी शेरिफ कार्यालय ने कहा कि कैलिफोर्निया फायर ने पायलट की मदद की.

पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगी

वाशिंगटन। अमेरिका की पूर्व उपराष्ट्रपति कमला हैरिस ने बुधवार को घोषणा की कि वे अगले साल कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगी. पिछले साल के राष्ट्रपति चुनाव में हार के बाद उन्होंने एक और चुनाव अभियान छोड़ते हुए इस दौड़ में शामिल होने के बारे में महीनों से चल रही अटकलों पर विराम लगा दिया. द न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार, कमला हैरिस ने बयान में कहा कि वह अब लोगों की बात सुनेंगी. ऐसे डेमोक्रेट्स उम्मीदवारों का चयन करेंगी, जो निडर होकर चुनाव लड़ेंगे. उन्होंने कहा कि वह कैलिफोर्निया के गवर्नर पद के लिए चुनाव नहीं लड़ेंगी.

राष्ट्र सेविका समिति की चतुर्थ प्रमुख संचालिका प्रमिला ताई मेढ़े का निधन

नागपुर। राष्ट्र सेविका समिति की चतुर्थ प्रमुख संचालिका प्रमिला ताई मेढ़े का गुरुवार को निधन हो गया. वे 97 वर्ष की थीं. उन्होंने यहां के देवी अहिल्या मंदिर में सुबह 9 बजकर 5 मिनट पर अंतिम श्वांस ली. वे पिछले 3 महीने से उम्रजनित समस्याओं से पीड़ित थीं. राष्ट्र सेविका समिति के पदाधिकारियों के मुताबिक उनकी पार्थिव देह को अंतिम दर्शन के लिए यहां के धंतोली स्थित देवी अहिल्या मंदिर में रखा गया है. वर्ष 1965 से देवी अहिल्या मंदिर ही उनका केंद्र था. उनकी इच्छानुसार उनकी पार्थिव देह को नागपुर के अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) को शुक्रवार सुबह 8 बजे सौंप दिया जाएगा.

पाकिस्तान का अमेरिका से तेल भंडार विकसित करने का समझौता

इस्लामाबाद। पाकिस्तान और अमेरिका ने बुधवार रात वाशिंगटन में व्यापार समझौते को अंतिम रूप दिया है. इस पर पाकिस्तान ने टैरिफ में छूट मिलने की उम्मीद जताई है. हालांकि, पाकिस्तान ने इस व्यापार समझौते का विवरण नहीं दिया, लेकिन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने पाकिस्तान के तेल भंडार को विकसित करने में मदद के उद्देश्य से इस समझौते का हवाला दिया है. डान अखबार की खबर के अनुसार पाकिस्तान के वित्त मंत्री मोहम्मद औरंगजेब टैरिफ पर बातचीत के लिए वाशिंगटन में हैं. उन्होंने बुधवार को वरिष्ठ अमेरिकी अधिकारियों चर्चा भी की है. अमेरिका में पाकिस्तान दूतावास ने गुरुवार सुबह 'एक्स' पर 'एक व्यापार समझौते' को अंतिम रूप देने का जिक्र किया है.

न्यूजीलैंड में तटवर्ती क्षेत्रों में सुनामी गतिविधियां शुरू , तटीय इलाकों में लहरें और तेज धाराएं

वेलिंगटन । न्यूजीलैंड के आपातकालीन प्रबंधन अधिकारियों ने चेतावनी दी है कि देश के तटवर्ती क्षेत्रों में सुनामी की गतिविधि शुरू हो चुकी है. बुधवार देररात देशभर में मोबाइल फोन पर अलर्ट प्रसारित कर लोगों को समुद्र, तटों, बंदरगाहों, नदियों और खाड़ियों से दूर रहने की सलाह दी गई.

हालांकि अब तक किसी इलाके में अनिवार्य निकासी आदेश जारी नहीं किए गए हैं, लेकिन अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि मजबूत समुद्री धाराएं और लहरों का अचानक उठना लोगों की सुरक्षा के लिए खतरा बन सकता है. न्यूजीलैंड, भूकंप के केंद्र से लगभग 6,000 मील दूर है, लेकिन विशेषज्ञों का कहना है कि भूकंप के कारण उत्पन्न लहरों की पहली श्रृंखला सबसे बड़ी नहीं हो सकती. आने वाले समय में और भी बड़ी लहरें तटों से टकरा सकती हैं. अधिकारियों ने कहा है कि यह खतरा गुरुवार दोपहर तक बना रह सकता है और तब तक लोग समुद्री इलाकों से पूरी तरह दूर रहें. आपातकालीन विभाग ने लोगों से सावधानी और संयम बरतने की अपील की है और कहा है कि जब तक आधिकारिक रूप से अलर्ट रद्द नहीं किया जाता, तब तक सभी को इस खतरे को वास्तविक और गंभीर मानना चाहिए.

फ्रांस, ब्रिटेन के बाद कनाडा व माल्टा भी देंगे फिलिस्तीन को मान्यता

इजराइल ने बताया पाखंड

एजेंसी। ओटावा

फ्रांस और ब्रिटेन के बाद अब कनाडा और माल्टा ने भी फिलिस्तीन को स्वतंत्र राष्ट्र का दर्जा देने की घोषणा की है. यह घोषणा संयुक्त राष्ट्र महासभा से पहले की गई है, जो 23 सितंबर से शुरू हो रही है. इससे जी-7 के तीन प्रमुख देश-फ्रांस, ब्रिटेन और कनाडा, फिलिस्तीन को मान्यता देने के मामले में एक मंच पर आ गए हैं. कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने बुधवार को कहा कि उनकी सरकार फिलिस्तीन को एक स्वतंत्र देश के रूप में मान्यता देने के लिए तैयार है. हालांकि इसके लिए कुछ शर्तें भी रखी गई हैं. इन शर्तों में सबसे अहम है कि फिलिस्तीन वर्ष 2026 में आम चुनाव कराएगा, जिसमें चरमपंथी संगठन हमास को कोई भूमिका नहीं दी जाएगी. इसके अलावा, फिलिस्तीन को 'हथियारमुक्त क्षेत्र' के रूप में स्थापित करना होगा.

कार्नी ने बताया कि उन्होंने इस बारे में फिलिस्तीन के राष्ट्रपति महमूद अब्बास से बात की है और अब्बास ने इन शर्तों पर सहमति व्यक्त की है. कार्नी ने जोर देते हुए कहा कि यह कदम मध्य पूर्व में स्थायी शांति की दिशा में एक आवश्यक पहल है. वहीं माल्टा के विदेश मंत्रालय के स्थायी सचिव क्रिस्टोफर कटाजार ने भी ऐलान किया कि उनका देश सितंबर में फिलिस्तीन को औपचारिक मान्यता देगा.

ब्रिटेन ने भी फिलिस्तीन को मान्यता देने के लिए शर्तें रखी हैं. ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर ने कहा है कि यदि इजराइल हमास के साथ संघर्षविराम (सीजफायर) पर सहमत नहीं होता है, तो ब्रिटेन फिलिस्तीन को मान्यता देगा. इसके विपरीत, फ्रांस ने बिना किसी शर्त के फिलिस्तीन को मान्यता देने का समर्थन किया है. इन घोषणाओं का इजराइल ने तीखा विरोध किया है. कनाडा की घोषणा के बाद इजराइल के विदेश मंत्रालय ने एक बयान जारी कर कहा कि यह कदम गाजा में संघर्षविराम और बंधकों की रिहाई की कोशिशों को कमजोर करेगा. इजराइल ने इसे ₹पाखंड और समय की बर्बादी₹ करार देते हुए कहा कि यह निर्णय फिलिस्तीन में शांति लाने की दिशा में नहीं, बल्कि उसके विपरीत है.

गौरतलब है कि फिलिस्तीन को संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों में से अब तक 147 देशों का समर्थन प्राप्त है, लेकिन अभी तक संयुक्त राष्ट्र द्वारा उसे पूर्ण सदस्यता नहीं मिली है. फिलिस्तीन 1970 के दशक से संयुक्त राष्ट्र में स्वतंत्र राष्ट्र की मान्यता के लिए प्रयासरत है. गाजा पट्टी में इजराइल और हमास के बीच लगभग दो वर्षों से जारी संघर्ष में अब तक 60,000 से अधिक लोग मारे जा चुके हैं. क्षेत्र में खाद्यान्न संकट, स्वास्थ्य सेवाओं की कमी और शरणार्थी शिविरों पर हमलों के कारण मानवीय संकट और गहरा होता जा रहा है. इसे देखते हुए अंतरराष्ट्रीय समुदाय का इजराइल पर दबाव बढ़ता जा रहा है कि वह एक स्थायी समाधान की दिशा में आगे बढ़े. फ्रांस, ब्रिटेन, कनाडा और माल्टा द्वारा हाल की घोषणाएं इस दिशा में एक निर्णायक मोड़ साबित हो सकती हैं, हालांकि इस पर अंतिम निर्णय संयुक्त राष्ट्र महासभा में होने वाली चर्चा और मतदान पर निर्भर करेगा.

लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह अगले उप सेना प्रमुख होंगे

नयी दिल्ली। लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेंद्र सिंह अगले उप सेना प्रमुख (वीसीओएएस) होंगे. मौजूदा उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि सेना में 39 वर्षों की सेवा के बाद गुरुवार को सेवानिवृत्त हो गए. नए वीसीओएएस 01 अगस्त को अगले उप सेना प्रमुख का पदभार ग्रहण करेंगे. उन्हें लेबनान और श्रीलंका में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में विदेशी युद्ध का अनुभव है. अगले उप सेना प्रमुख भारतीय सैन्य अकादमी के पूर्व छात्र हैं और उन्हें दिसंबर, 1987 में 4 पैरा (विशेष बल) में कमीशन दिया गया था. लेफ्टिनेंट जनरल पुष्पेन्द्र सिंह 01 अगस्त को अगले उप सेना प्रमुख का पदभार ग्रहण करेंगे. तीन दशकों से भी अधिक के शानदार करियर के साथ उन्होंने ऑपरेशन पवन, ऑपरेशन मेघदूत, ऑपरेशन रक्षक और ऑपरेशन ऑर्किड में भाग लिया है. उन्हें लेबनान और श्रीलंका में संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में विदेशी युद्ध का अनुभव है. उन्होंने अप्रैल, 2022 में राइजिंग स्टार कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग का पदभार संभाला था. 2005 में स्थापित यह कोर हिमाचल प्रदेश में धर्मशाला के दक्षिण-पूर्व में कांगड़ा घाटी के योल छावनी शहर में स्थित है. लेफ्टिनेंट जनरल सिंह ने अपने करियर में विभिन्न नेतृत्वकारी भूमिकाएं निभाई हैं.

धर्मस्थल गांव में एसआईटी को मिली मानव अस्थियां

मंगलुरु। कर्नाटक के दक्षिण कन्नड़ जिले के बेल्थांगडी तालुक स्थित धर्मस्थल गांव में कथित तौर पर शव दफनाने के मामले की जांच में अब नया मोड़ आ गया है. विशेष जांच दल (एसआईटी) की खुदाई में छठे स्थान से कुछ मानव अस्थियां बरामद होने की पुष्टि की है. इससे पहले जिन पांच स्थानों पर खुदाई की गई थी, वहां से कोई कुछ नहीं मिला था. दरअसल, एक व्यक्ति ने पुलिस के समक्ष दावा किया था कि उसने धर्मस्थल गांव में विभिन्न स्थानों पर कई शवों को दफनाया है. उसके इस बयान के आधार पर कर्नाटक सरकार ने 19 जुलाई 2025 को राज्य पुलिस महानिदेशक डॉ. प्रणव मोहन्टी के नेतृत्व में एक एसआईटी गठित की थी. इस एसआईटी ने युवक से पूछताछ के बाद गांव के 13 स्थानों की पहचान चिह्नित कर सोमवार से खुदाई शुरू करवाई थी.पहले तीन दिन में पांच स्थानों पर खुदाई के दौरान कहीं से कोई भी आपत्तिजनक सामग्री या मानव अस्थियां बरामद नहीं हुई थीं.

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमला, पांच गिरफ्तार

ढाका। बांग्लादेश के बेतगारी संघ के अलदादपुर बालापारा गांव में हिंदुओं पर हमले के आरोप में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार कर बुधवार शाम रंगपुर डिवीजन की एक अदालत में पेश किया. अदालत ने पांचों को जेल भेज दिया. अलदादपुर बालापारा गांव रंगपुर के गंगाचारा उपजिले में आता है. द डेली स्टार की खबर के अनुसार, किशोरगंज पुलिस थाना के प्रभारी अशरफुल इस्लाम ने बताया कि रंगपुर की अदालत ने यासीन अली (25), स्वाधीन मिया (28), अशरफुल इस्लाम (28), अतीकुर रहमान खान (30) और सद्दाम हुसैन सलीम (22) को न्यायिक हिरासत में भेजने का आदेश दिया. सभी आरोपित निलफामारी के किशोरगंज उपजिले के अंतर्गत मगुरा गांव के निवासी हैं.

बीआरएएस ने पाक के सैन्य बलों पर हमले की जिम्मेवारी ली

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में आजादी की लड़ाई में शामिल सशस्त्र समूहों के समन्वयक संगठन 'बलूच राजी आजोई संगर' (बीआरएएस) ने जमुरान क्षेत्र में पाकिस्तान के सैन्य बलों और उनको रसद सामग्री की आपूर्ति करने वाले वाहनों पर हमला करने का दावा किया है. बीआरएएस के प्रवक्ता बलूच खान ने स्वीकार किया कि यह हमला उसके लड़ाकों ने किया. लड़ाकों ने सुरक्षा बल के कई जवानों को ढेर कर दिया. द बलूचिस्तान पोस्ट के अनुसार, बीआरएएस के प्रवक्ता बलूच खान ने 30 जुलाई को जारी बयान में यह दावा किया है. प्रवक्ता खान ने कहा कि 28 जुलाई की रात संगठन के लड़ाकों ने जमुरान के नवानो के पास पाकिस्तान सेना के लिए रसद सामग्री ले जा रहे वाहनों को रोककर उनमें आग लगा दी और चेतावनी देने के बाद ड्राइवरों को छोड़ दिया. बयान में कहा गया कि बीआरएएस के लड़ाके रातभर इलाके में जमे रहे और 29 जुलाई को दूसरा हमला किया. पाकिस्तान सेना के वाहनों और मोटरसाइकिलों के काफिले पर कथित तौर पर रिमोट-नियंत्रित इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस का इस्तेमाल कर हमला किया गया. इसके बाद स्वचालित हथियारों से गोलीबारी की. बीआरएएस ने दावा किया कि हमले में पांच सैन्यकर्मी मारे गए और कई अन्य घायल हो गए. बीआरएएस ने जमुरान के कुछ स्थानीय निवासियों पर सेना की मदद करने का आरोप लगाया है. समूह ने चेतावनी दी है कि लोग ऐसा न करें, वरना उन्हें गंभीर परिणाम भुगतने होंगे. इस दौरान होने वाले जान-माल के नुकसान की जिम्मेदारी उन्हीं लोगों की होगी. बीआरएएस ने बयान में बलूचिस्तान की मुक्ति तक पाकिस्तान की सेना और उसके सहयोगियों के खिलाफ सशस्त्र प्रतिरोध जारी रखने की प्रतिबद्धता दोहराई है.

जर्मनी की एथलीट लॉरा डाहलमेयर की पाक में मौत

बर्लिन/इस्लामाबाद। जर्मनी की ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता बायथलीट लॉरा डाहलमेयर की पाकिस्तान में पर्वतारोहण के दौरान हुए हादसे में मौत हो गई. 31 वर्षीय लॉरा पाकिस्तान के काराकोरम पर्वत श्रृंखला की लैला चोटी पर अचानक हुए भू-स्खलन की चपेट में आकर संभल नहीं पाईं. दो बार ओलंपिक चैंपियन रहीं लॉरा के निधन पर जर्मन ओलंपिक खेल परिसंघ (डीओएसबी) और परिवार ने गहरा दुख जताया है. सीएनएन चैनल की खबर के अनुसार डीओएसबी ने लॉरा के निधन की पुष्टि की है. लॉरा डाहलमेयर 2018 के शीतकालीन ओलंपिक में स्प्रिंट और पर्स्यूट स्पर्धा में अलग-अलग स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली महिला बायथलीट बनीं. अगले साल 2019 में वह विश्व चैंपियनशिप में पांच स्वर्ण पदक जीतने वाली पहली बायथलीट बनीं. इसके बाद उन्होंने इस खेल से संन्यास ले लिया. बुधवार को जारी बयान में उनकी प्रबंधन टीम ने कहा, ₹ अलविदा लॉरा. आपने हमारे और कई अन्य लोगों के जीवन को समृद्ध बनाया है. आप बहुत याद आएंगी. आपने अपने कार्यक्रमों के समन्वय के लिए हम पर भरोसा जताया, इसके लिए आपका आभार. आपका संघर्ष हमें आगे बढ़ने की हिम्मत देता रहेगा.₹ डीओएसबी के अध्यक्ष वीकेर्ट ने श्रद्धांजलि देते हुए कहा, ₹लॉरा डाहलमेयर अपने पीछे समृद्ध विरासत छोड़ गई हैं. खेल के प्रति उनका समर्पण, प्रकृति के प्रति उनका जुनून और समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता उन्हें एक प्रेरणादायक व्यक्तित्व बनाती है.₹ थॉमस वीकेर्ट ने कहा कि वह सोमवार को स्थानीय समयानुसार दोपहर के आसपास काराकोरम पर्वत श्रृंखला में लैला चोटी पर चढ़ते समय गिर गईं.

नेपाल की ओली कैबिनेट में फेरबदल की तैयारी

काठमांडू। नेपाल के प्रधानमंत्री के पी शर्मा 'ओली' ने अपने मंत्रिमंडल में सभी मंत्रियों के कामकाज में प्रदर्शन के आधार पर व्यापक फेरबदल करने की तैयारी कर ली है और सत्तारूढ़ गठबंधन के प्रमुख घटक दल नेपाली कांग्रेस की सहमति मिलते ही मंत्रिमंडल का पुनर्गठन कर दिया जाएगा. प्रधानमंत्री के सरकारी आवास पर ओली मंत्रिमंडल में फेरबदल की तैयारियों गुरुवार की सुबह एक बैठक आयोजित की गयी. इस बैठक में प्रधानमंत्री ओली और नेपाली कांग्रेस के अध्यक्ष शेरबहादुर देउबा और दोनों पार्टियों के अन्य शीर्ष नेता शामिल हुए. नेपाली कांग्रेस के नेता तथा सरकार में गृहमंत्री रमेश लेखक ने बताया कि बैठक में प्रधानमंत्री के मंत्रिमंडल में फेरबदल के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा हुई. उन्होंने कहा कि मंत्रिमंडल फेरबदल के लिए कुछ आधार तय किए गए हैं जिसके मुताबिक दोनों ही दलों अपने अपने संगठन में आंतरिक विचार विमर्श करने के बाद फिर से बैठक करने पर सहमति जताई है. नेपाली कांग्रेस के तरफ से अध्यक्ष देउबा और गृह मंत्री रमेश लेखक के साथ साथ उपाध्यक्ष पूर्ण बहादुर खड़का उपस्थित थे जबकि नेकपा यूएमएल के तरफ से प्रधानमंत्री ओली के अलावा उनकी पार्टी उपप्रधानमंत्री तथा वित्त मंत्री विष्णु पौडेल, प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार विष्णु रिमाल मौजूद रहे.

अन्न ही परब्रह्म स्वरूप है : डॉ. उमर अली शाह

एजेंसियां। पिठापुरम

श्री विश्व विज्ञान विद्या आध्यात्मिक पीठम के पीठाधिपति डॉ उमर अली शाह ने गुरुवार की सुबह अपने अनुग्रह भाषण में कहा कि अन्न ही परब्रह्म स्वरूप है. पीठाधिपति डॉ. शाह ने पीठम के पुराने आश्रम के सौंदर्यीकरण के उद्घाटन समारोह की अध्यक्षता की. उनके अनुज मेहबूब पाशा, अहमद अली शाह और कबीर शाह ने विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया. कार्यक्रम में पीठम के संयोजक रुरी सूरीबाबू, पीठम केंद्रीय समिति की सदस्य श्रीमती पेरुरी कोमली, एवीवी सत्यनारायण, पीठम के मुख्य अभियंता एमआरके राजू आदि ने भाग लिया.

पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने पुराने आश्रम में गुलाब उद्यान, मयूर उद्यान, जहां अष्टम पीठाधिपति परब्रह्म मोहिद्दीन बादशा इस दिन के शुभ मुहूर्त में हजारों लोगों को प्रवचन दिया करते थे और नए आश्रम में मयूर उद्यान, पंचम पीठाधिपति मोहिद्दीन बादशा कुटीर और पेरूरी विक्रम के अर्थ सहयोग से निर्मित लघु भोजन कक्ष का उद्घाटन किया. डॉ. शाह ने नए आश्रम के सौंदर्यीकरण में योगदान देने वाले 27 परिवारों के सदस्यों को विशेष प्रसाद भेंट किया. आश्रम के सौंदर्यीकरण के तहत गुलाब के पौधों के साथ-साथ नए आश्रम और पुराने आश्रम में अधिक ऑक्सीजन प्रदान करने वाले विभिन्न प्रकार के पौधे भी लगाए गए, जिससे विभिन्न उद्यानों से युक्त दोनों आश्रमों में सुखद व प्रदूषण रहित वातावरण बनाने में मदद मिली है.

पीठाधिपति डॉ. उमर अली शाह ने कहा कि इससे आश्रम में आने वाले सदस्यों को मानसिक शांति, स्वास्थ्य, खुशी और संतुष्टि मिल पा रही है, जो उन्हें करोड़ों रुपये खर्च करने के बाद भी नहीं मिलती. उन्होंने बताया कि उनकी अध्यक्षता में हर गुरुवार शाम 4.30 से 6.30 बजे तक ज्ञान-जागरूकता संगोष्ठियों का आयोजन किया जाएगा. बैठक की शुरुआत प्रार्थना से होगी और समापन विशेष गुरुवार बैठक में आरती के साथ होगा.

मालेगांव विस्फोट मामले में षड्यंत्रकारी दंडित हों : अभय वर्तक

रांची। सनातन संस्था के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय वर्तक ने 2008 के मालेगांव बम विस्फोट मामले में एनआईए की विशेष अदालत द्वारा साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर, कर्नल प्रसाद पुरोहित, मेजर रमेश उपाध्याय, समीर कुलकर्णी सहित अन्य को बरी किए जाने को 'सत्य की जीत' और हिंदू समाज के लिए ऐतिहासिक क्षण बताया. वर्तक ने कहा कि यह निर्णय धर्मनिष्ठता की जीत है और 'हिंदू आतंकवाद' की झूठी संकल्पना को पूरी तरह ध्वस्त कर देता है. हालांकि न्याय मिलना खुशी की बात है, लेकिन वर्तक ने स्पष्ट किया कि जब तक उन षड्यंत्रकारी शक्तियों को दंडित नहीं किया जाता, जिन्होंने झूठे सबूत गढ़े और निर्दोषों को सालों तक कैद रखा, न्याय अधूरा ही रहेगा.

अपदस्थ पीएम शेखहसीना समेत 100 के खिलाफ छह मामलों में आरोप तय

एजेंसियां । ढाका

बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना समेत 100 लोगों के खिलाफ छह मामलों में दो अदालतों ने आज आरोप तय किए. यह मामले राजुक पुर्बाचल न्यू टाउन परियोजना में भूखंडों के आवंटन में अनियमितताओं से संबंधित हैं. ढाका स्पेशल कोर्ट-4 के न्यायाधीश रबीउल आलम ने तीन और ढाका स्पेशल कोर्ट-5 के न्यायाधीश मोहम्मद अब्दुल्ला अल मामून ने तीन मामलों में आरोप तय किए. न्यायाधीश रबीउल आलम ने इन मामलों में गवाही दर्ज करने के लिए 13 अगस्त की तारीख तय की और आरोपितों के खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया. ढाका ट्रिब्यून के अनुसार, शेख हसीना के अलावा अन्य प्रमुख आरोपितों में अजमीना सिद्दीक, रदवान मुजीब सिद्दीक, सजीब वाजेद जॉय और साइमा वाजेद पुतुल प्रमुख हैं. आरोपितों के फरार होने के कारण उनके खिलाफ गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया है.

भ्रष्टाचार निरोधक आयोग (एसीसी) के लोक अभियोजक मीर अहमद अली सलाम ने बताया कि दोनों अदालतों ने 22 जुलाई को इन मामलों में आरोप निर्धारण पर सुनवाई के लिए 31 जुलाई की तारीख तय की थी. ढाका मेट्रोपॉलिटन के वरिष्ठ विशेष न्यायाधीश जाकिर हुसैन गालिब ने 20 जुलाई को मामले विशेष न्यायाधीश की अदालत में भेजे थे. इससे पहले, 01 जुलाई को अदालत ने इन मामलों में हसीना, उनकी बहन शेख रेहाना और उनके बेटे सजीब वाजेद जॉय सहित 100 लोगों को तलब करते हुए एक राजपत्र अधिसूचना प्रकाशित करने का आदेश दिया था. एसीसी ने 12 जनवरी से 14 जनवरी के बीच छह मामले दर्ज किए थे. जांच अधिकारियों ने 10 मार्च को आरोपपत्र दाखिल किए थे. एसीसी के उप निदेशक मोहम्मद सलाहुद्दीन ने 14 जनवरी को शेख हसीना समेत आठ लोगों के खिलाफ पूर्वाचल न्यू टाउन परियोजना में 10 कट्टा प्लॉट आवंटित करने में सत्ता का दुरुपयोग करने का मामला दर्ज कराया था.

स्वत्वाधिकारी लगातार इंफोटेनमेंट प्राइवेट लिमिटेड की ओर से मुद्रक, प्रकाशक प्रदीप कुमार सिंह, क्वार्टर नंबर सी-90, पोस्ट-नावागढ़, थाना-बरोरा, हरिणा कॉलोनी, धनबाद-828306, झारखंड द्वारा फ्लैट नंबर 2ए, सेकेंड फ्लोर, सिंगारो मेनन अपार्टमेंट,चूना भट्ठा, एचबी रोड कोकर, नियर डिस्टिलरी पुल, बिरसा समाधि स्थल) रांची-834001, झारखंड से प्रकाशित और शिवसाईं पब्लिकेशंस प्राइवेट लिमिटेड, रातू, काठीटांड़, टेंडर बगीचा रातू, रांची - 835222 झारखंड द्वारा मुद्रित. **संपादक : संजय कुमार सिंह.*** फोन नंबर 0651-2913385, 9142897989 (***पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार**).
आरएनआई नं : JHAHIN/2023/84487, ई-मेलः shubhamsandeshnews@gmail.com धनबाद ब्यूरो : ओजोन सेंटर,थर्ड फ्लोर, कमरा नं-306 अशोकनगर, बैंक मोड़, धनबाद-828106. फोन नं – 9431145133.ई मेल-sandeshsubham23@gmail.com.